

## UNIT – I

### Data Structure

किसी भी Program में Data को विभिन्न प्रकार से Arrange किया जा सकता है। किसी भी एक Representation का Logical या Arithmetical Representation ही Data Structure कलाता है। किसी Data Representation को Choose करना दो concepts पर निर्भर करता है।

- (1) Data इतना Arranged होना चाहिए कि वह Actual Relation को प्रदर्शित करता है।
- (2) वह इतना Easy होना चाहिए कि आवश्यकता पड़ने पर उसे आसानी से समझा जा सकता है।
- (3) Data Structure को मुख्यतः दो Parts में Divide किया गया है।
  - (i) **Linear Data Structure:** - यह एक ऐसा data structure है जिसमें Elements Sequence में Store रहते हैं तथा हर Element एक Unique Pre-decessor और Success होता है। Linear Data Structure के उदाहरण निम्न हैं। Arrays, Linked List, Stack तथा Queue
  - (ii) **Non Linear Data Structure:** - एक ऐसा Data Structure है जिसमें Elements Sequence में नहीं रहते हैं। और इसके लिए किसी Unique Pre-decessor या Successor की आवश्यकता नहीं होती है। Example: - Trees, Graphs etc.

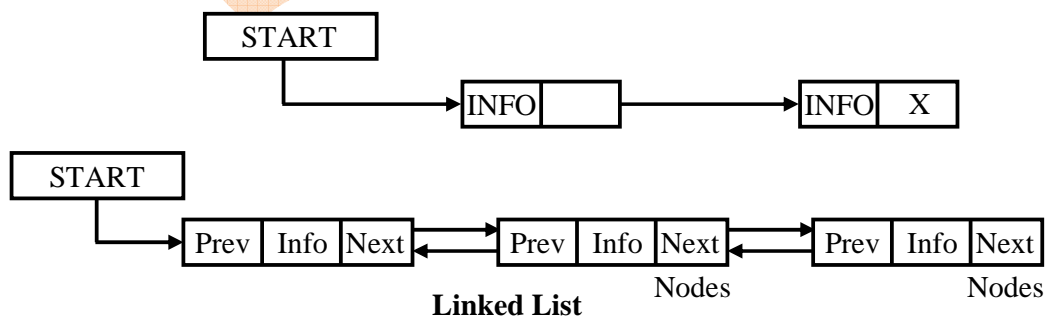
विभिन्न Data Structures निम्न हैं।

- (1) **Arrays:** - Array Ltd. No. of Elements तथा Same Data Type की एक List को Represent करते हैं। Array को Individual elements को Index के द्वारा Access किया जा सकता है। Array 3 प्रकार के होते हैं।
  - (i) **One Diemensional Array:** - इस प्रकार के Array में एक Index को Access करने की आवश्यकता होती है।
  - (ii) **Two Diemensional Array:** - एक Individual element को Access करने के लिए दो Indexes की आवश्यकता होती है। (Matrix)
  - (iii) **Multi Diemensional Array:** - इसके लिए दो या दो से अधिक Indexes को Store किया जाता है।
- (2) **Linked List:** - Link List Data Elements का एक Linear Collection है। जिसे Node कहते हैं। Linear Order को Pointers के द्वारा Maintain किया जाता है। हर Node को दो Parts में Divide करते हैं। एक Link List Linear Link List या Doubly Link List हो सकती है।

(i) **Linear Link List** में हर Node को दो Parts में divide किया जाता है

- First Part में Information को रखा जाता है।
- Second Part को Link Part या Next Pointer Field कहा जाता है जिसमें List के next Node का Address रहता है।

List की First Element को एक Pointer Point करता है जिसे Head कहते हैं। Linear Link List को एक Direction में Traverse किया जाता है।



(ii) **Doubly Link List:** - Doubly Link List में हर Node को 3 Parts में Divide किया गया है।

- **First Part** में **Information** को रखा जाता है।
- **Second Part** को **Previous Pointer field** कहा जाता है जिसमें **List** के पिछले (**Pre-decessor**) **Element** का **Address** रहता है।
- **Third Part** को **Next Pointer Field** कहा जाता है जिसमें **List** के **next element** का **address** रहता है।

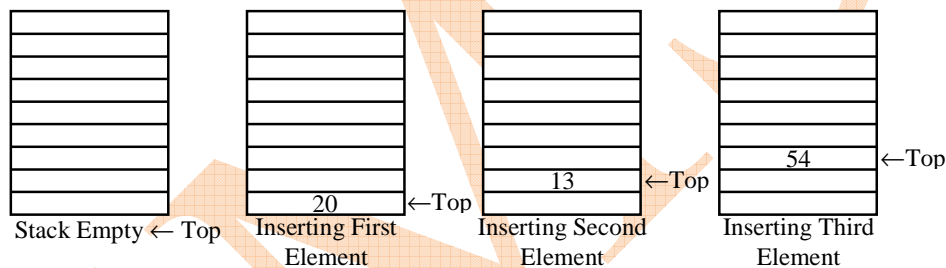
दो **Pointer Variable** को **Perform** किया जाता है जिसे **Head** और **Tail** कहते हैं जो **Doubly Link List** के **First** और **Last Element** के **Address** को **Contain** करते हैं। **First Element** के **Previous Pointer** में **NULL** Store किया जाता है जिससे यह पता लगता है कि इसके पीछे कोई **Node** नहीं है। **Last Element** के **Next Pointer** में **NULL** को **Store** किया जाता है। जिसे यह पता लगता है कि इसके आगे कोई **Node** नहीं है। **Doubly Link List** को दोनो **Direction** में **Traverse** किया जा सकता है।

**Stacks:** - **Stack** को **Last In First Out (LIFO) System** भी कहा जाता है। यह एक **Linear Link List** है जिसमें **Insertion** और **Deletion** एक ही **End** से किया जाता है। जिसे **Top** कहते हैं। **Stack** को बनाने और मिटाने के लिए केवल दो ही **Function** है

(1) **Push:** - **Stack** में किसी भी सूचना को जोड़ने के लिए

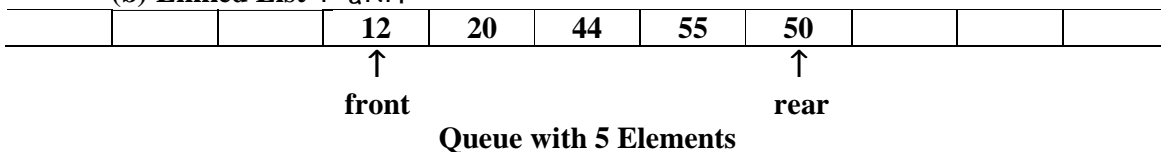
(2) **Pop:** - **Stack** से किसी भी **Item** को मिटाने के लिए।

**Stack** एक प्रकार की **List** है जिसे दो प्रकार से प्रदर्शित किया जा सकता है (1) **Array** के द्वारा और (2) **Link List** के द्वारा

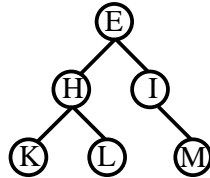


**Queues:** - **Queue** को **First In First Out (FIFO) System** कहा जाता है। **queues** एक विशेष प्रकार की **Data Structure** है जिसमें **Stack** की तरह ही **Information** को **Add** करने और **Delete** करने की प्रक्रिया नहीं होती बल्कि इसमें एक स्थान से **Information** को **Add** किया जाता है और दूसरे स्थान से **Information** को **Delete** किया जाता है। जिस जगह पर **Information** को **Queue** में जोड़ा जाता है वह **Position Rear** (**Queue** का अन्त) कहलाती है। जिस स्थान से **queue** में से **Information** को **Delete** किया जाता है। वो **Front** कहलाता है। **Front** और **Rear** से जुड़ी कुछ **Information** नहीं है।

- Front** और **Rear** केवल दो ही **Condition** में बराबर होते हैं।
  - जब **Queue** खाली हो यानी **Front = 0** और **Rear = -1**
  - जब **Queue** में केवल एक ही **element** हो अतः **front = 0** और **Rear = 0**
- Queue** खाली होगी जब **Front** तथा **Rear** दोनों ही **-1** को प्रदर्शित करें।
- Queue** पूरी भरी हुई होगी जब
  - Queue** का **Front 0** तथा **Rear Max -1** को प्रदर्शित करेगा
  - जब **Queue** का **Front = Rear + 1**
- Queue** को भी दो प्रकार से बनाया जा सकता है।
  - Array** के द्वारा।
  - Linked List** के द्वारा।



**Trees:** - Tree एक Important Concept है Tree में Stored Information को Node कहते हैं। Tree के सभी Nodes Edges के द्वारा जुड़े होते हैं। Tree एक ऐसा Data Structure हैं जिसे विभिन्न Hierarchical Relations हैं के द्वारा प्रदर्शित किया जाता हैं। Tree का निर्माण उसके Root से किया जाता हैं। tree के प्रत्येक Node के उपर (Root को छोड़कर) एक Node होती हैं। जिसे Parent Node कहा जाता हैं। Node के सीधे नीचे वाली Node को child node कहा जाता हैं। एक tree vertices और Edges का Collection हैं जो निश्चित आवश्यकताओं को Satisfy करता हैं।



**Vertex:** - Vertex एक Object या Node है जो नाम या अन्य Relative Information को Store करता हैं।

**Edge:** - जब दो Vertices के बीच Connection Establish किया जाता हैं तो उसे H कहते हैं।

**Graph:** - कभी – कभी Data Elements के मध्य relationship को प्रदर्शित किया जाता हैं जो प्रकृति से Hierarchical हो यह आवश्यक नहीं अतः ऐसा Data Structure जो एक विशेष Relationship को प्रदर्शित करता हैं। उसे Graph Data Structure कहा जाता हैं। Graph के अंतर्गत set of nodes तथा set of edges को रखा जाता हैं। Graph को 2 भागों में बांटा गया हैं।

(1) Direct Graph

(2) In Direct Graph

### DATA STRUCTURE OPERATION

किसी भी Data Structure पर different operation को process किया जा सकता हैं। एक special data structure जो दी हुई condition के लिए चुना जाता हैं। वह operation perform करने की संख्या पर निर्भर करता हैं। Normally किसी भी data structure को 5 operations को perform किया जाता हैं।

- (1) **Traversing :** - जब एक बार data structure तैयार हो जाता हैं तो कभी-कभी प्रत्येक element को Access करने की आवश्यकता होती हैं। इस प्रकार के Concept को Traversing कहा जाता हैं।
- (2) **Searching:** - जब कभी दी गई key value के साथ Record की या Node Value को Locate करना हो तो इसके लिए भी Link list पर Searching Operation Perform किया जाता हैं।
- (3) **Insertion:** - जब किसी भी नये Node को List में Add करना हो तो उसे List में Item Insert करना कहा जाता हैं।
- (4) **Deletion:** - जब Structure में से किसी Node को delete करना हो तो इसे List Deletion Operation कहा जाता हैं।
- (5) **Updation:** - जब किसी Structure में किसी Existing Record की Value को Change करना हो तो उसके लिए List में Updation Operation को Perform किया जाता हैं।

कभी-कभी एक से अधिक Operation को उपयोग में लेने की आवश्यकता होती हैं।

- (1) **Sorting:** - इस तकनीक के द्वारा Records को Arrange किया जाता हैं। ये Records Logically Arrange होते हैं। Sorting Ascending (आरोही) या descending (अवरोही) Order में होती हैं।
- (2) **Merging:** - जब अलग-अलग Records को 2 फाइलों से किसी एक file में लाना हो तो इसके लिए List Merging Operation को Perform किया जाता हैं।

### ADT (Abstract Data Type) or (Abstract Data Structure)

किसी भी Data Type की Logical Properties को Specify करने के लिए Abstract Data Type को उपयोग में लिया जाता हैं। Data Type बहुत सी Values तथा Operations का Collection हैं। जिससे Hardware तथा Software Data Structure द्वारा Implement किया जाता हैं। Abstract Data

Type किसी भी Data Type के Mathematical Concept को define करते हैं। जब Abstract Data Type के Mathematical Concept को Define किया जाता है तो Time व space पर ध्यान नहीं दिया जाता है। ADT को Specify करने के लिए के बहुत से Methods हैं। जिसके द्वारा इनका Implementation किया जाता है। मुख्यतः ADT को 2 Parts में बांटा जाता है।

- (1) Value Definition
- (2) Operator Definition

Value Definition collection of Values को ADT के लिए Define करती है। जिसके 2 Parts होते हैं।

- (1) Definition
- (2) Condition

किसी भी Operator को Define करने के लिए 3 Parts की आवश्यकता होती है।

- (1) Header
- (2) Optional Pre-condition
- (3) Post Conditions

Abstract Typedef के द्वारा Value Definition को Define किया जाता है तथा Condition Keyword के द्वारा किसी भी Condition को Specify करते हुए हमेशा Value Definition के बाद Operator Definition को Define किया जाता है।

### ADT For Strings

ADT Specification को Strings पर भी Perform किया जाता है। 4 Basic Operation को Strings Support करते हैं।

- (1) Length: - यह Function Current Strings की Length को Return करता है।
- (2) Concat: - यह Function 2 Inputted Strings को जोड़ कर एक Single String Return करता है।
- (3) Substr: - यह Function किसी भी String का Substring Return करता है।
- (4) Pos: - यह Function किसी एक String की First Position को Return करता है।

Arrays को भी Abstract Data Type की तरह Represent किया जाता है। Arrays को Normally 3 Parts में Define किया जा सकता है।

- (1) One dimensional Array (1-D Array)
- (2) Two dimensional Array (2-D Array)
- (3) Multi dimensional Array

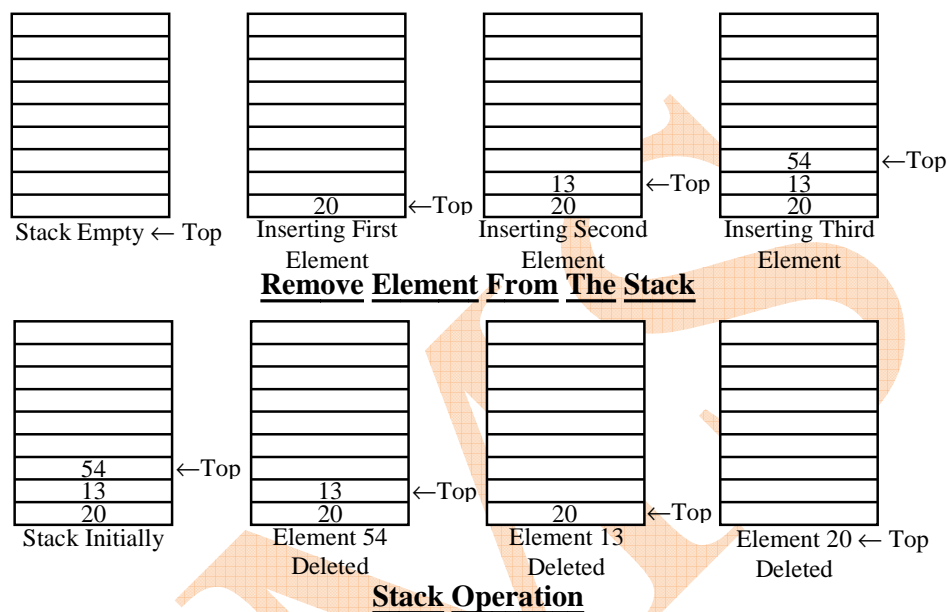
### Analysis Of Algorithm

कोई भी Program Data Structure तथा Algorithm दोनों का Combination होता है। Algorithm किसी भी specific Problem को Solve करने के लिए विभिन्न Steps का combination होता है। Algorithm को किसी भी Problem को Read करने व उसकी Solution को define करने के लिए Use में लिया जाता है। यह Operations जिन्हें Perform किया जायेगा साथ ही Example के साथ उस Problem के Solution को contain करता है। Algorithm के द्वारा Time और Space Complexity को Check किया जाता है। Algorithm के Complexity function होती है जो Run time या Input size को consider करती है।

### Stack

Stack एक Non primitive data Structure है यह एक Sequence List में Data को Add करता है और वहीं से Data Item को हटाया जाता है। Stack में Single Entry और Single Exit Point होता है। Stack Lifo concepts (Last in First out) पर कार्य करती है।

जब किसी Data Item को Stack में Insert करना हो तो इसके लिए जिस Operation को Perform किया जाता है उसे Push Operation कहते हैं। Item को Remove करने के लिए Pop Operation को Perform किया जाता है। इसके अन्तर्गत एक Pointer Stack के Last में डाले गये Item को Point करता है। जिससे Top कहा जाता है। जब Stack में कोई नया Item Add किया जाता है तो उसका Top बढ़ता है और जब किसी Item को remove किया जाता है तो Top घटता है। Insert Element In The Stack



Stack पर मुख्यतः 2 प्रकार के Operations को Perform किया जाता है।

- (1) **Push Operation:** -Top पर कोई भी नया Element डालना या जोड़ना Push Operation कहलाता है। जब भी Push Operation होता है, Top में एक संख्या डाली जाती है और Top एक Level बढ़ता है। ऐसा करते करते एक Level पर आकर वह पूरा भर जाता है तो वह स्थिति STACK-FULL स्थिति कहलाती है।
- (2) **Pop Operation:** - Top पर से Element को Delete करने की क्रिया को Pop Operation कहते हैं। हर Pop Operation के बाद Stack एक Level कम हो जाता है। सारे Element खत्म होने के बाद Stack Under Flow स्थिति में पहुँच जाता है।

### Stack Implementation With Array

सबसे पहले Stack Array को निम्न प्रकार Define किया जायेगा।

- (1) **Define the Maximum Size of the Stack Variable**
- (1) एक Int Stack Variable को Array define कर Maximum Size Declare करना।  

```
#define MAXSIZE 10
int stack [MAXSIZE];
```
- (2) एक int Top को -1 से Initialized किया जायेगा।
- (2) **Define the Integer Variable Top and Initialized it with -1**

### Algorithm for Push Operation

Let Stack[Max size] is an array for implementing stack.

1. [Enter for stack overflow ?]  
 if Top = MAXSIZE -1, then : print : overflow and exit.

2. Set Top = Top+1 [Increase Top by 1]
3. Set STACK[TOP] := ITEM [Insert new element]
4. Exit.

#### Function for Push Operation

```
void push()
{
    int item;
    if (top == MAXSIZE-1)
    {
        printf("Stack is full");
        getch();
        exit(0);
    }
    else
    {
        printf("Enter the element to be inserted");
        scanf("%d", & item);
        top=top+1;
        stack[top] = item;
    }
}
```

#### Algorithm for Deleting an Element from the Stack

1. [Check for the Stack under flow]  
if Top < 0, then  
printf("Stack under flow") and exit  
else [Remove the Top element]  
Set item = Stack [Top]
2. Decrement the stack top  
set Top = Top-1
3. Return the deleted item from the stack.
4. Exit.

#### Function for Pop Operation

```
int pop()
{
    if(top == -1)
    {
        printf("The stack is Empty");
        getch();
        exit(0);
    }
    else
    {
        item = stack[top];
        top = top-1;
    }
    return(item);
}
```

#### Stack Implementation with Link List

##### Algorithm For Push Function

Step1- struct node n = (struct node) malloc (size of (struct node))

(malloc Function के द्वारा एक struct node प्रकार के Pointer n को Memory

दिलाएं।)

- Step2- set n → info = data (अर्थात् n की info में data को सुरक्षित करें।)  
 Step3- n → next = top (n के next क्षेत्र में top का address (पता) भेजें।)  
 Step4- set top = n (top को n पर भेजें।)  
 Step5- Exit

**Function to Insert an Item in the Stack**

void push (stack \*\*top, int value)

```
{
    stack *ptr;
    ptr = (stack*) malloc (sizeof(stack));
    if (ptr == NULL)
    {
        printf("\nUnable to allocate to memory for new node...");
        printf("\nPress any key to exit ...");
        getch();
        return;
    }
    ptr->info = value;
    ptr->next = *top;
    *top = ptr;
}
```

**Algorithm for Pop**

- Step1- set int data (एक data नामक Variable को initialize कराएं।)  
 Step2- set struct \*t = top (Stack के टॉप पर struct node प्रकार के Variable t को भेजें।)  
 Step3- check whether top = NULL (जांचें कि क्या top, NULL पर है।)  
     if yes then (यदि हाँ तो)  
         Process step 4 to 5 (4 से 5 तक के step को करें)  
         else (अन्यथा)  
             process step 6 to 9 (6 से 9 तक के step को करें।)  
 Step4- print ("underflow") (underflow को प्रिन्ट कराएं।)  
 Step5- Exit (0) (Main() Function से बाहर आ जाएं।)  
 Step6- set data = t → info (t के info क्षेत्र में सुरक्षित सूचना को डाटा में सुरक्षित कराएं।)  
 Step7- set top = top → next (top को उसके अगली Node पर भेजें।)  
 Step8- free (t) (t में सुरक्षित Memory को मुक्त कराएं।)  
 Step9- return(data) (data में सुरक्षित सूचना को main() Function में भेजें।)  
 Step10- Exit

**Function to Delete an Item From the Stack**

int pop (stack \*\*top)

```
{
    int temp;
    stack *ptr;
    temp = (*top)->info;
    ptr = *top;
    *top = (*top)->next;
```



```

free(ptr);
return temp;
}

```

### MULTIPLE STACKS

यदि Stack को Array के द्वारा Implement किया जाता है तो Stack में Sufficient Space को Allocate किया जाना चाहिए यदि Array के द्वारा allocate Space कम होगी तो Overflow Condition Occur हो जायेगी इसे दूर करने के लिए Array में और Memory को allocate करना होगा। यदि Number of Overflow को कम करना है तो इसके लिए Large Space Of Array को Allocate करना होगा जिससे Memory के waste होने की सम्भावना भी बढ़ जाती है। इस प्रकार की Condition के लिए एक से ज्यादा Stack को एक Array में बनाया जा सकता है।

#### Representing Two Stack: -

एक ही Array में 2 Stack को Implement किया जा सकता है। इन दोनों Stack की Size 0 से N-1 तक होगी जब दोनों Stacks को Combine किया जायेगा तो इनकी Size N (Array Size) से ज्यादा नहीं होगी।

0	1	2	...	n-3	n-2	n-1
---	---	---	-----	-----	-----	-----

Stack-A

Stack - B

Stack-A Left से right की तरफ बढ़ती है तथा Stack-B Right से Left की तरफ बढ़ती है।

#### Representing More Than Two Stack: -

एक ही Array में 2 से ज्यादा Stack को भी Implement किया जा सकता है। हर Stack को Array में Equal Space दिया जाता है और Array Indexes को Define कर दिया जाता है।

b[1]    t[1] b[2]    t[2] b[3]    t[3] b[4]    t[4] b[5]    t[5] b[6]  
t[6]

→	→	→	→	→	→
---	---	---	---	---	---

Stack 1

Stack 2

Stack 3

Stack 4

Stack 5

Stack 6

### APPLICATION OF STACKS

Stack को Main Data Structure की तरह Use में लिया जाता है। इसकी कुछ Application निम्न हैं।

- (1) Stack को Function के बीच Parameters Pass करने के लिए Use में लिया जाता है।
- (2) High level Programming Language जैसे Pascal, C आदि Stack को Recursion के लिए भी Use में लेते हैं।

Stack को बहुत सी Problems को solve करने के लिए Use में लिया जाता है। मुख्यतः 3 Notation में Stack को प्रदर्शित किया जाता है।

- (1) Prefix Notation
- (2) Infix Notation
- (3) Post Fix Notation

**Infix Notation :** - Normally किसी भी Expression को या Instruction को बनाने के लिए 2 Values की आवश्यकता होती है।

- (1) Operand
- (2) Operator

अतः Operator व Operand से मिलकर एक Expression या Instruction बनती है। जैसे A+B यहां पर A और B Operand हैं तथा + एक Operator है। अतः Infix Notation में Operands के बीच Operators होते हैं।



**Precedence of Operator: -**

<b>Highest:</b>	<b>Exponentiation (<math>\uparrow</math>)</b>
<b>Next highest:</b>	<b>Multiplication (<math>*</math>) and division (<math>/</math>)</b>
<b>Lowest:</b>	<b>Addition (<math>+</math>) and subtraction (<math>-</math>)</b>

**Prefix Notation: -** Prefix Notation वह Notation है जहां पर Operator Operand से पहले आता है। जैसे +AB

**Post Fix Notation: -** यह वह Notation है जहां Operator Operand के बाद आते हैं जैसे AB+  
Post Fix Notation को Suffix Notation या Reverse Polish Notation ही कहा जाता है।

**Conversion of Notation: -** यदि किसी Expression को Infix Notation में लिखा गया है और इन्हें Solve करना है तो इसके लिए Bodmass के Rule को Use में लिया जाता है। जैसे

$$A+B*C \text{ यह } A=4, B=3 \text{ और } C=7$$

$$4+3 \times 7 = 7 \times 7 = 49$$

उपरोक्त Expression का Solution गलत है क्योंकि Bodmass के हिसाब से पहले \* होना चाहिए बाद में Edition होना चाहिए

**Conversion Into Infix To Postfix**

**A+B \* C (Infix Notation)**

$$A+ (B * C)$$

$A + (BC *) \rightarrow (B * C)$  को Postfix Notation में बदला गया)

अब BC\* एक Operand है और A एक Operand है। अतः अब इसे Postfix Notation में Convert किया जायेगा।

$ABC*+ \rightarrow$  यह  $A+B*C$  का Postfix Notation है।

**(1) Example of Postfix Notation: -**  $A + [(B+C)+(D+E)*F]/G$  के लिये Postfix Form प्रदान कीजिये।

**Solution: -**

सबसे पहले Bracket को solve किया जायेगा

$$A+[(BC+)+(DE+)*F]/G$$

Bracket के अन्दर Multiplication की Precedence High है अतः पहले Multiplication को Solve किया जायेगा।

$$A+[(Bc+)+(DE+F*]/G$$

$$A+[BC+DE+F*+]/G$$

Plus व Division के बीच Division की Precedence High है अतः

$$A+BC+DE+F*+G/$$

$$ABC+DE+F*+G/+$$

**(2)  $A+B-C$  के लिये Postfix Form प्रदान कीजिये।**

**Solution: -**

$$(A+B)-Cx$$

$$(AB+)-C$$

$$AB+C-$$

**(3)  $A*B+C/D$**

यह Multiplication की Precedence High है। अतः सबसे पहले Multiplication को Solve किया जायेगा।

**Solution: -**

$$(A*B)+C/D$$

$$(AB*) + C/D$$

Divide की Precedence High हैं।

$$(AB*) + (C/D)$$

$$(AB*) + (CD/)$$

$$AB*CD/+ \text{ (Post Fix Notation)}$$

(4)  $(A+B)/(C-D)$

वैसे तो Division की Precedence High हैं परन्तु उससे भी High Bracket की Precedence होती है अतः सबसे पहले Bracket को Solve किया जायेगा।

$$(AB+)/(CD-)$$

$$AB+CD-/$$

(5)  $(A+B)*C/D+E^F/G$

यहां सबसे High Precedence (^) Operator की हैं। अतः सबसे पहले Bracket को और उसके बाद (^) को solve किया जायेगा

$$(AB+)*C/D+E^F/G$$

$$(AB+)*C/D+EF^G$$

$$AB+C*/D+EF^G$$

$$AB+C*D/+EF^G/$$

$$AB+C*D/EF^G/+$$

### Conversion Into Infix To Prefix Notation

Prefix Expression में पहले Operators आते हैं तथा बाद में Operands को लिखा जाता है। Prefix को निम्न प्रकार Solve करते हैं।

1.  $A*B+C$

Multiplication की Precedence High हैं अतः पहले Multiplication को Solve किया जायेगा।

$$(A*B)+C$$

$$(*AB)+C$$

$$+*ABC$$

2.  $A/B^C+D$

^Operator की Precedence High हैं अतः सबसे पहले ^ को Solve किया जायेगा।

$$A/(B^C) + D$$

$$A/(^BC) + D$$

$$/A^BC + D$$

$$+/A^BCD$$

3.  $(A-B/C)*(D*E-F)$

Left to Right Associativity के According सबसे पहले First Bracket को Solve किया जायेगा। इसके अन्दर भी Operator Precedence के According Solution किया जायेगा।

$$(A-(B/C))*(D*E)-F)$$

$$(A-/BC)*(D*E)-F)$$

$$-A/BC*(D*E)-F)$$

$$-A/BC*(-*DEF)$$

$$*-A/BC-*DEF$$

### Introduction to Queue

Queue Logical First in First Out (FIFO) तरह की List हैं इसे Normally Use में लिया जाता है। Queue को दो तरह से Implement किया जा सकता है।

- (1) Static Implementation
- (2) Dynamic Implementation

जिस Queue को Array के द्वारा Implement किया जाता है। वह Static होती है और जिस Queue के लिए Pointers को Use में लेते हैं। उसे Dynamic Queue कहा जाता है। किसी भी queue पर दो तरह के Operation को Perform किया जाता है।

- (1) Queue में Value Insert करना।
- (2) किसी Element को Queue से Delete करना।

किसी भी Element को जब Queue में Add करना हो तो उसके लिए Queue के Last में Add किया जाता है। Queue nके Last को Rear कहते हैं तथा जहां से Data Element को Remove किया जाता है। वह Front कहलाता है।

**Insert Element In The Queue: -**

1. Initialize front = 0 and rear = -1
2. if Rear >= MAXSIZE  
write Queue Overflow and return  
else;  
Set Rear = rear +1
3. Queue [Rear] = item;
4. if Front = -1 [Set the Front Pointer]
5. Return.

**Function for Insert an Item in the Queue: -**

```
void insert (int item)
{
    if(rear>=maxsize)
    {
        printf("Queue overflow");
        break;
    }
else
    {
        Rear = Rear+1;
        Queue [Rear] = item;
    }
}
```

**Delete Element From the Queue: -**

1. If front <0 [Check UnderFlow Condition]  
Write Queue is Empty and return
2. else ; item = Queue [front] [Remove Element from Front]
3. Find new Value of front  
if (front == Rear) [Checking for Empty Queue]  
Set Front = 0 ; rear = -1; [Re-initialize the Pointer]  
else  
Front = Front+1;

**Function for Delete an Item from the Queue: -**

```
void delete()
{
```

```

    if (Front<0)
    {
        printf("Queue is empty");
        break;
    }
else
    {
        item=Queue[Front];
        Front=Front+1;
        printf("item deleted=%d",item);
    }
}

```

### Queue Implementation with Link List

#### Algorithm for Insertion

- |    |                             |  |
|----|-----------------------------|--|
| 1. | Struct_Queue NEW PTR, *temp | [Declare variable type struct_queue]                         |
| 2. | temp=start                  | [Initialize temp]  |
| 3. | NEW = new node              | [Allocate memory for new element]                            |
| 4. | NEW→no = value              | [Insert value into the data filed of element];               |
| 5. | NEWPTR→NEXT=NULL            |  |
| 6. | If (Rear == NULL)           | [Queue is empty, and element to be entered is first element] |

Set Front = NEW PTR

Set Rear = NEW PTR

else:

while(temp→next = NULL)

tem=temp→next

7. Temp = temp→NEWPTR

8. End.

#### Algorithm for Deletion

1. if(front == NULL)  
 write Queue is empty and exit  
 else  
 temp = start  
 value = temp→no  
 Start = Start→next  
 free(temp) [End else]  
 return(value) [End if]
2. Exit.

### Circular Queue

Linear Queue की तरह ही Circular Queue में भी Insertion, Initialization Underflow Condition की Testing आदि को Perform किया जाता है। अन्य Operations कुछ Different होते हैं।

**Testing of Overflow Condition in Circular Queue:** - किसी भी नये Element को जब Circular Queue में Insert करना हो तो उससे पहले Circular Queue में Space Allocate करना पड़ता है और उससे पहले Circular Queue Full हैं या नहीं उसे Check किया जायेगा। यदि Queue Full नहीं हैं तो Queue के Rear में Insert Operation Perform किया जायेगा।

front = 0 and rear = capacity -1

front = rear + 1

अगर इनमें से ये दोनो Conditions Satisfy होती हैं तो Circular Queue Full होगी।

### Function For Checking The Full Condition Of The Queue: -

```
boolean isFull(queue *pq)
{
    if(((pq->front == 0) && (pq->rear == CAPACITY-1))
        ||(pa->front == pq->rear+1))
        return true;
    else
        return false;
}
```

Circular queue में यदि Data Item Insert करना हो और Circular Queue Full नहीं हैं तो निम्न Operations को Perform किया जायेगा।

### Insert Item in a Circular Queue

इसके लिए 3 Conditions को ध्यान में रखा जाता हैं। यदि Circular Queue full नहीं हैं तो कौनसी Condition Occur होगी वह निम्न हैं : -

- (1) यदि Queue Empty हैं तो Front और Rear को -1 या 0 से Set कर दिया जाता हैं।
- (2) यदि Queue Empty नहीं हैं तो Rear की Value Queue के Last Element को Pointer करेंगे और Rear Increment कर दिया जायेगा।
- (3) यदि Queue Full नहीं हैं तो Rear Variable को Capacity -1 के = होगा तथा Rear Variable को 0 से Initialize कर दिया जायेगा।

---

```
void enqueue (queue *pa, int value) {
    /* adjust rear variable
    if (pq->front == -1)
        pq->front = pq->rear = 0;
    else if (pq->rear == CAPACITY-1)
        pq->rear = 0;
    else
        pq->rear++;
    /* store element at new rear */
    pq->elements [pq->rear] = value;
}
```

---

```
void enqueue(queue *pq, int value){
    /* adjust rear variable */
    if (pq->front == -1)
        pq->front = pq->rear = 0;
    else
        pq->rear = (pq->rear + 1) % CAPACITY;
    /* store element at new rear */
    pq->elements[pq->rear] = value;
}
```

---

### DEQUEUE

Dequeue एक प्रकार की Queue हैं जिसमें Elements को किसी भी End से Remove और Add किया जा सकता हैं परन्तु Middle से Insert नहीं किया जा सकता। Dequeue को Double Ended Queue कहा जाता हैं। Dequeue दो प्रकार की हैं।

- (1) **Input Restricted Dequeue:** - इसमें Insertion तो Rear से होता है परन्तु Deletion Front और Rear दोनों से किया जा सकता है।
- (2) **Output Restricted Dequeue:** - इसमें Insertion Front और Rear दोनों से होता है परन्तु Deletion सिर्फ Front से किया जाता है।

### PRIORITY QUEUE

**Priority Queue** वह Queue जिसमें हर element की Priority को Assign किया जाता है और किस Order में Element को Delete किया जायेगा या Process किया जायेगा इसके लिए निम्न Rules को Follow किया जाता है।

- (1) **Highest Priority Element** को सबसे पहले Process किया जायेगा।
- (2) दो या दो से अधिक Elements जिनकी Priority Same हैं उन्हें Queue में वे किस आधार पर Add किये गये हैं के द्वारा Process किया जायेगा।

**Priority Decide** करने के लिए कुछ अन्य तरीके भी Define किये जा सकते हैं

- (1) बड़ी Jobs पर छोटी Jobs की Priority High होती है अतः सबसे पहले Small Jobs को Execute किया जायेगा।
- (2) Amount के आधार पर ही किसी भी Job की Priority को Set किया जा सकता है।
- (3) यदि कोई Job High Priority के साथ Queue में Enter होती है तो सबसे पहले उसे ही Execute किया जायेगा। Memory में Priority queue को 3 प्रकार से प्रदर्शित किया जा सकता है।
  - (i) Linear Link List
  - (ii) Using Multiple Queue
  - (iii) Using heap

**Link List Representation:** - इस प्रकार की Queue को जब Link List की तरह प्रदर्शित किया जाता है तो List के प्रमुख 3 Fields (हर Node के) होते हैं।

- (1) **Information Field** जिसमें Data Elements को Store किया जाता है।
- (2) **Priority Field** जिसमें Element के Priority Number को Store किया जाता है।
- (3) **Next Pointer Link** जिसमें Queue के Next Element का Address होता है।

### Multiple Queue Representation

**Multiple Queue** या **Priority Queue** को **Ascending Priority Queue** का **Descending Priority Queue** में भी divide किया जाता है।

- (1) **Ascending Priority Queue :** - इस प्रकार की queue में सबसे छोटे Item की Priority सबसे अधिक होती है। अतः सबसे छोटे Item को सबसे पहले Delete किया जायेगा।
- (3) **Descending Priority Queue:** - इस प्रकार की queue में सबसे बड़े Item की Priority सबसे अधिक होती है। अतः सबसे बड़े Item को सबसे पहले Delete किया जायेगा।

### Heap Representation of Priority Queue

**Heap** एक **Complete Binary Tree** है जिसकी कुछ **Additional Property** होती है। जैसे या तो **Root Element Small** होगा यह **Largest** होगा। यदि **Root Element** सबसे छोटा हो उसे **Minimum Heap** कहा जाता है। यदि **Root Element Largest** हो तो उसे **Maximum Heap** कहा जायेगा।

### Application of Queue

**Queue** की कुछ Application निम्न हैं :-

- (1) Queue के द्वारा बहुत सी Problem को आसानी से Solve कर दिया जाता है जैसे **BFS (Breadth First Search)** या **DFS (Depth First Search)**
- (2) जब Jobs को **Network Printer** पर Submit किया जाता है तो वे **Arrival** के Order में Arrange होता है।

- (3) यह एक प्रकार का **Computer Network** है जहां पर **Disk** एक **Computer** से **Attach** होती है जिसे **File Server** कहा जाता है। अन्य **Computers** उन **Files** को **FCFS (First Come First Server)** के आधार पर **access** करते हैं।
- (4) **Queue Application** को **Real Life** में भी **Use** में लिया जाता है जैसे **Cinema Hall, Railway Reservation, Bus Stand** आदि।

SMS



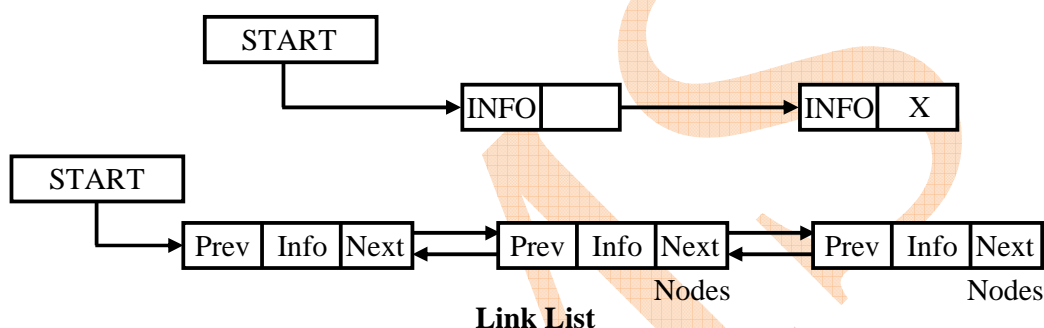
## UNIT – II

Link List

यदि किसी Programs के Execution के पहले Memory को Divide किया जाता है तो वह Static हो जाती है और उसे Change नहीं किया जा सकता एक विशेष Data Structure जिसे Link List कहते हैं। वह Flexible Storage System प्रदान करता है। जिसको Array के प्रयोग की आवश्यकता नहीं होती है। Stack और Queue को computer memory में प्रदर्शित करने के लिए हम Array का प्रयोग करते हैं। जिससे Memory को पहले से Declare करना पड़ता है। इससे Memory का Wastage होता है। Memory एक महत्वपूर्ण Resource हैं अतः इसे कम से कम Use में लेकर अधिक से अधिक Programs को Run करना चाहिए।

Link List एक विशेष प्रकार के Data Element की List होती है जो एक – दूसरे से जुड़ी होती है। Logical Ordering हर Element को अगले Element से Point करते हुए Represent करते हैं। जिसके दो भाग होते हैं।

- (1) Information Part
- (2) Pointer Part



Singly Link List में एक Node में दो Parts होते हैं।

- (1) Information Part
- (2) Link Part

जबकि Doubly Link List में दो Pointer Part तथा एक Information Part होता है।

Operation on Link List

Link List में निम्न Basic Operation को Perform किया जाता है।

- (1) **Creation** : - यह Operation Link List बनाने के लिए Use में लेते हैं। जब भी आवश्यकता हो किसी भी Node को List में जोड़ दिया जाता है।
- (2) **Insertion** : - यह Operation Link List में एक नयी Node को विशेष स्थिति में विशेष स्थान पर जोड़ने के लिए काम में लिया जाता है। एक नयी Node को निम्न स्थानों पर Insert किया जा सकता है।
  - (i) List के प्रारम्भ में
  - (ii) List के अन्त में
  - (iii) किसी List के मध्य में
  - (iv) अगर List पूरी खाली है तब नया Node Insert किया जाता है।
- (3) **Deletion** : - यह Operation Link List से किसी Node को Delete करने के लिए प्रयोग में लिया जाता है। Node को जिन तरीकों से Delete किया जाता है वह निम्न हैं।
  - (i) List के प्रारम्भ में
  - (ii) List के अन्त में
  - (iii) और List के मध्य में
- (4) **Traversing** : - यह प्रक्रिया किसी Link List को एक Point से दूसरे Point तक Values को Print करवाने के काम आती है। अगर पहले Node से आखरी Node की ओर Traversing करते हैं तो यह Forward Traversing कहलाती है।

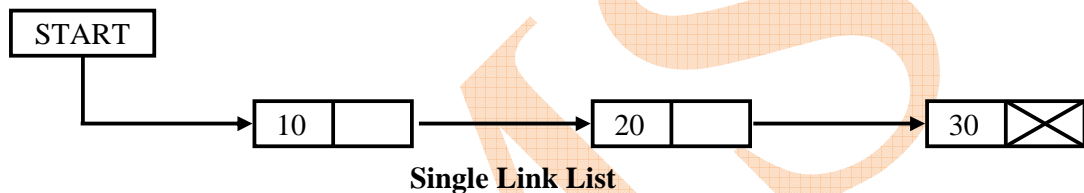
- (5) **Con Catenation:** - यह प्रक्रिया दूसरे List से Node को जोड़ने के काम आती हैं यदि दूसरी List पर Node होता है तो Concatenation Node में M+N Node होगा
- (6) **Display:** - यह Operation प्रत्येक Node की सूचना को Point करने के प्रयोग में आता है। अतः Information Part को Print करना ही List Display कहलाता है।

### TYPES OF LINK LIST

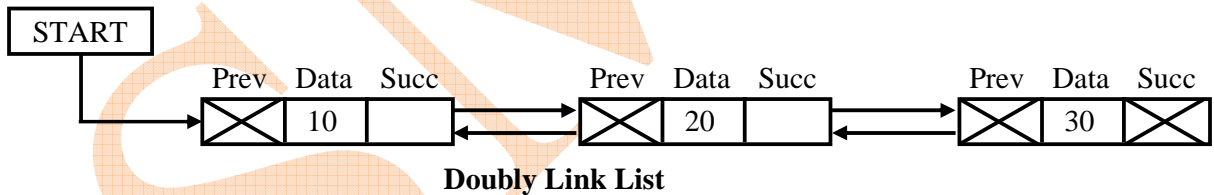
साधारणतया: List को 4 Part में बांटा जाता है।

- (1) Single Link List
- (2) Doubly Link List
- (3) Circular Link List
- (4) Circular Double Link List

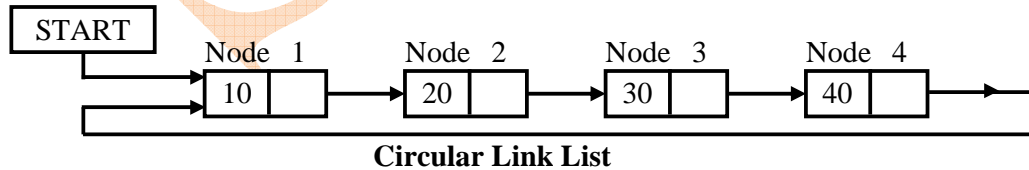
- (1) **Single Link List :** - Single Link List ऐसी Link List होती है जिसमें सारे Node एक दूसरे के साथ क्रम में जुड़े होते हैं इसलिए इसको Linear Link List भी कहते हैं। इसका प्रारम्भ अन्त होता है। इसमें एक समस्या यह है कि List के आगे वाले Node तो Access किया जा सकता है परन्तु एक बार Pointer के आगे जाने के बाद पीछे वाले Node को Access नहीं किया जा सकता है।



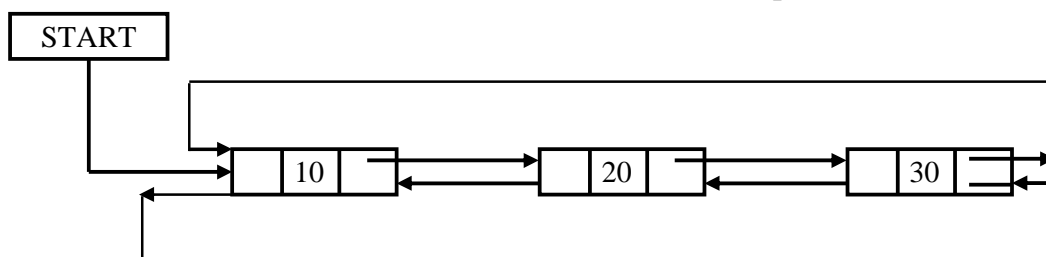
- (2) **Doubly Link List:** - Doubly Link List वह Link List होती है जिसमें सारे Node एक दूसरे के साथ Multiple Link के द्वारा जुड़े होते हैं। इसके अन्तर्गत List के आगे वाले Node व List के पीछे वाले Node दोनों को Access किया जा सकता है। इसीलिए Doubly Link List में पहले Node का Left अगले Node के Right का Address रखता है।



- (3) **Circular Link List:** - Circular Link List ऐसी Link List होती है जिसकी कोई शुरुआत व अन्त नहीं होता है। एक Single Link List के पहले Node से अन्तिम Node को जोड़ दिया जाता है। अतः List के Last Node में List के First Node का Address रखा जाता है।



- (4) **Circular Doubly Link List:** - यह एक ऐसी List होती है जिसमें दोनो Pointer (1) Successor Pointer (2) Pre-Decessor Pointer Circle Shape में होते हैं।



## Circular Doubly Link List

### HEADER NODE

कभी-कभी एक **Extra Node** को **List** के **Front** में रखना आवश्यक हो जाता है। इस **Node** में किसी **Item** को **Represent** नहीं किया जाता यह **Node Header Node** या **List Header** कहलाता है। इस **Node** का **Information Part** **Unused** होता है। इस **Node** के **Information Part** में **List** की **Global Information** को रखा जाता है जैसे **Header Node** के अन्तर्गत के **List** में कितने **Nodes** हैं की **Information** को **Store** किया जाता है। (**Not Including Header Node**) इस प्रकार के **Data Structure** में किसी भी **Data Item** को **add** और **Delete** करने के लिए **Header Node** को भी **Adjust** करना पड़ता है। **Number of Nodes** कितने हैं। इसे **Directly Header Node** से **Access** कर लिया जाता है। इसके लिए **List Traversing** की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

**Header Node** का एक अन्य उदाहरण निम्न है। एक **Particular Machine** का बनाने के लिए निम्न **Parts** को **Use** में लिया जाता है। जैसे **B841, K321, A087, J492** आदि। इस **Assembly** को **List** द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। **Empty List** को **NULL Pointer** के द्वारा प्रदर्शित करते हैं।

### Operation of Single Link List

**Single List** में **Structure** को **Use** में लिया जाता है। क्योंकि एक **Node** दो अलग **Data Types** की **Value** को **Store** करता है।

- (1) **Information Part**
- (2) **Link Part**

अतः **Link List** बनाने के लिए सबसे पहले **Link List** के **Structure** को बनाया जायेगा।

```
struct node
{
    int info;
    struct node * link;
};
```

### Characteristics of Link List

- (1) इस प्रकार की **Link List** में एक **Node** में दो अलग **Data Type** की **Values** को **Store** किया जाता है।
  - (i) **Information Part** : - जिसमें किसी भी (**int, char, double, long** आदि **Data Type** की **Values** को **Store** किया जा सकता है)
  - (ii) **Pointer Part** : - **Pointer Part** जिसमें **Next Node** का **Address** होता है। अतः **Link Part** के द्वारा ही **Next Node** को **Access** किया जा सकता है।
- (2) **List** के जिस **Node** के **Link Part** में **NULL** होता है। वह **List** का **Last Node** कहलाता है।
- (3) यदि **List** खाली है तो **Information** और **Link Part** दोनों **NULL** होंगे।
- (4) यदि **Information Part** में **Value** है तथा उस **Node** का **Link Part** **NULL** है अतः **List** में एक **Item** है।
- (5) यदि **Link Part** में दूसरे **Node** का **Address** है अतः **List** खाली नहीं है।
- (6) **Link List** के अन्तर्गत एक **Pointer List** के **First Node** को **Point** करता है। जिससे **List** के **Last Node** तक पहुंचा जा सकता है।

**Operations on Link List****(1) Create an Empty Link List: -**

- (1) एक Node Pointer head बनाया जायेगा जिसमें किसी Value को Initialize नहीं किया गया है। यह Pointer List के First Element को Point करने के लिए Use में लिया जाता है।
- (2) शुरुआत में List Empty होगी अतः Head Pointer को NULL से Initialize किया जायेगा।
- (3) यह प्रदर्शित करता है कि List Empty है इसके लिए C में निम्न Function को बनाया जायेगा।

**Function: -**

```
void emptylist (struct node*head)
{
    head = NULL;
}
```

- (2) **Display List: -** List को शुरुआत से Last तक Traverse किया जाता है। इसके लिए एक Head Pointer की आवश्यकता होती है। साथ ही एक और Temporary Pointer की आवश्यकता होती है जो List के Last Node तक जाता है। List का Last Node वह Node है जिसके Link Part में NULL होता है अतः दो struct Node Pointer की आवश्यकता होगी जिसमें पहला List के First Node को Point करेगा तथा दूसरा एक के बाद एक Next Node पर जायेगा और Information Part को Print करेगा।

**Function: -**

```
void printlist (struct node*head)
{
    struct node*t;
    t = head;
    if (t == NULL)
    {
        printf ("\n list is empty");
        return;
    }
    else
    while (t → link != NULL)
    {
        printf ("%d", t → info);
        t = t → link;
    }
}
```

**Insertion in Link List: -** किसी भी Element को List में Insert करने के लिए सबसे पहले Free Node की आवश्यकता होती है। जब Free Node बना लिया जाता है तो Node के Information Field में Data Value को add कर देते हैं और इस नये Node को उसकी जगह पर Add कर दिया जाता है। किसी भी List में Insertion 3 प्रकार से किया जा सकता है।

- (1) List के Beginning में
- (2) List के End में
- (3) किसी दिये गये Element के बाद

**Insertion at the Beginning: -** किसी भी Element को List के First में Add करने के लिए सबसे पहले List Empty है या नहीं इसे check किया जाये। यदि List Empty है तो नया Node ही List का First Node होगा इसके लिए निम्न Steps को Perform करेंगे।

- (1) New Node बनायेंगे।

- (2) New Node के Information Part में Data Value Enter करेंगे।
- (3) New Node के Link Part NULL Value Insert करेंगे और अब
- (4) List का Pointer Head उस नये Node को Point करेगा।

यदि List Empty नहीं है तो नये Node को List के सबसे आगे Add कर दिया जायेगा। इसके लिए निम्न Steps को Follow करेंगे।

- (1) New Node बनायेंगे।
- (2) New Node के Information Part में Data Value Enter करेंगे।
- (3) New Node के Link Part में Head (List Pointer जो List के First Item को Point कर रहा है) का Address डालेंगे।
- (4) अब Head New Node को Point करेगा

**Function: -**

```
void insert (struct node ** head, int item)
{
    struct node*new;
    new = malloc (sizeof (struct node));
    new → info = item;
    if (*head == NULL) //if the list is empty
        new → link = NULL;
    else
        new → link = *head;
    * head = new;
}
```

**Insert at The End of the list:** - यदि किसी Element को List के End में Insert करना हो तो सबसे पहले List Empty हैं या नहीं Condition को Test किया जायेगा यदि List Empty हैं तो नया Node List का First Node भी होगा और List का Last Node भी होगा। अतः निम्न Steps को Perform करेंगे।

- (1) New Node बनायेंगे।
- (2) New Node की Information Part में Data Value Insert करेंगे।
- (3) New Node के Link Part में NULL डालेंगे।
- (4) अब Head Pointer New Node को Point करेगा।

यदि List Empty नहीं हैं तो List को Traverse कर Last Element तक पहुँचेंगे और बाद में Last में नये Node को Insert कर दिया जायेगा। इसके लिए निम्न Steps को Follow करेंगे।

- (1) New Node बनायेंगे।
- (2) New Node की Information Part में Data Value Insert करेंगे।
- (3) New Node के Link Part में NULL डालेंगे।
- (4) अब Head Pointer के अलावा एक नये Pointer की आवश्यकता होगी जो List के Last Node तक जायेगा।
- (5) List के Last Node के Link Part में नये Node का Address डालेंगे

**Function:-**

```
void insertatlast (struct node**head, int item)
{
    struct node * new, *temp;
    new = malloc (sizeof (struct node));
    new → info = item;
    new → link = NULL;
```

```

if (*head == NULL)          //if list is empty
*head = new;
else
{
    temp = *head;
    while (temp → link != NULL)
    temp = temp → link;
    temp → link = new;
}
}

```

**Insert After The Given Element Of The List:** - यदि नये Node को किसी दिये गये Element के बाद Insert करना हो तो सबसे पहले उस Location को Findout किया जायेगा जहां Node को Add करना है और इसके बाद List में नये Node को Add कर दिया जायेगा। इसके लिए निम्न Steps को Perform करते हैं।

- (1) New Node बनायेंगे।
- (2) New Node की Information Part में Data Value Insert करेंगे।
- (3) एक Temporary Pointer लेंगे जो List के उस Element को Point करेगा जिसके बाद नया Node Add करना है। यदि
- (4) यदि Temporary Pointer NULL तक पहुँच जाता है अतः List में Item नहीं है जिसके बाद नये Node को Add करना है
- (5) यदि Temporary Pointer उस Item को ढूँढ लेता है तो निम्न Steps को Follow करेंगे।
  - (i) नये Node के Link Part में Temporary Pointer के Link Part को डाल देंगे।
  - (ii) Temporary Pointer के Link Part में New Node को डाल देंगे

**Function: -**

```

void insertatmiddle (struct node **head, int loc, int item)
{
    struct node * new, * temp;
    int i;
    temp = *head;
    for (i = 0; i < loc; i++)
    {
        temp = temp → link;
        if (temp == NULL)
        {
            printf ("item not found");
            return;
        }
    }
    new = malloc (sizeof (struct node));
    new → info = item;
    new → link = temp → link;
    temp → link = new;
}

```

Delete The Element From The List

किसी भी Element को List से Delete करने के लिए सबसे पहले Pointers को Properly Set किया जाता है। बाद में उस Memory को Free कर दिया जाता है। जिसे Node द्वारा Use में लिया जा रहा था। List का Deletion 3 जगह से किया जा सकता है।

- (1) List के Beginning से
- (2) List के End से
- (3) दिये गये Element के बाद वाले Node को Delete करना

(1) Delete the Element from the beginning of the List: - जब List के First Element को Delete करना हो तो इसके लिए निम्न Steps को Perform किया जाता है।

- (i) Head की Value को किसी Temporary Variable में Assign करना।
- (ii) अब head के Next Part को Head में Assign कर दिया जायेगा।
- (iii) जो Memory ptr द्वारा Point की जा रही है उसे Deallocate कर दिया जायेगा।

Function: -

```
void deletefromfirst (struct node **head)
{
    struct node*ptr;
    if (*head == NULL)
        return;
    else
    {
        ptr = *head;
        head = (*head) → link;
        free (ptr);
    }
}
```

Delete From End Of The List: - किसी भी Element को List के End से Delete करने के लिए सबसे पहले List को Second Last Element तक Traverse किया जायेगा। इसके बाद Last Element को Delete करने के लिए निम्न Steps को Follow किया जायेगा।

- (1) यदि head NULL है तो List में कोई Data Item नहीं है अतः किसी Item को Delete नहीं किया जा सकता।
- (2) एक Temporary Pointer लेंगे जिसमें head की value को assign करेंगे।
- (3) यदि head का link part NULL है तो List में एक Item है जिसे Delete करना है।
- (4) इसे Delete करने के लिए head में NULL Assign कर देंगे और Pointer ptr को Free कर देंगे।
- (5) यदि List में एक से ज्यादा Item है अतः पहले NULL तक जायेगे और एक Pointer Last Node के पहले वाले Node को Point करेगा।
- (6) Ind Last Node के Link Part में NULL Value Assign कर देंगे।
- (7) वह Pointer जो Last Node को Point कर रहा था उसे Free कर देंगे।

Function: -

```
void deletefromlast (struct node **head)
{
    struct node *ptr, *loc;
    if (*head == NULL)
        return;
    else if ((*head) → link == NULL)
    {
```



```

    ptr = *head;
    *head = NULL;
    free (ptr);
}
else
{
    loc = *head;
    ptr = (*head) → link;
    while (ptr → link != NULL)
    {
        loc = ptr;
        ptr = ptr → link;
    }
    loc → link = NULL;
    free(ptr);
}
}

```

**Delete After A Given Element Of The List:** - जब किसी दिये गये **Element** के बाद वाले **Element** को **Delete** करना हो तो सबसे पहले **Location** को **Find out** किया जायेगा जिसके बाद वाले **Element** को **Delete** करना है इसके लिए निम्न **Steps** को **Follow** करते हैं।

- (1) इसके लिए **2 Struct Node Pointers** लेंगे।
- (2) **Head Pointer List** के **first element** को **Point** करता हैं एक और **Pointer** वहीं **Point** करेगा जहां **Head Point** कर रहा है।
- (3) यदि **Head NULL** है अतः **List Empty** है।
- (4) यfn **List Empty** नहीं है तो एक अन्य **Pointer** लेंगे जो **specific location** जिसे **Delete** करना है के पीछे रहेगा।
- (5) अब पीछे वाले **Pointer** के **Link Part** में आगे वाले **Pionter** का **Link Part** डाल देंगे और **List Pointer** को **NULL** तक बढ़ाते रहेंगे।

**Function:** -

```

delete (struct node*head, int loc)
{
    struct node *ptr, *temp;
    ptr = head;
    if (head == NULL)
    {
        printf ("list is empty");
        return;
    }
    else
    temp = ptr
    while (ptr != NULL)
    {
        if (ptr → info == loc)
        {
            temp → link = ptr → link;
            free (ptr);
            return;
        }
    }
}

```

```

    }
    temp = ptr;
    ptr = ptr → link;
}
}
}

```

### Doubly Link List

**Doubly Link List** को **Two way List** भी कहा जाता है जिसमें हर **Node** को **3 Parts** में **Divide** किया जाता है।

- (1) **List** का पहला **Part Previous Pointer Field** कहलाता है जो **List** के पिछले **Element** का **address** रखता है।
- (2) **List** का दूसरा **Part Information** को **Contain** करता है।
- (3) **List** का **IIIrd Part Next Pointer** कहलाता है जो **List** के अगले **element** को **Point** करता है।

दो **Pointer Variable** को **Use** में लिया जाता है जो **List** के **First Element** तथा **List** के **Last Element** के **Address** को **Contain** करते हैं। **List** के **First Element** के **Previous Part** में **NULL** रहता है जो यह बताता है कि इस **Node** के पीछे कोई अन्य **Node** नहीं है। **List** के **Last Element** के **Next Part** में **NULL** रहता है जो यह बताता है कि इसके आगे कोई **Node** नहीं है। **doubly link list** को दोनो **Directions** में **Travers** किया जा सकता है।

### Representation of Doubly Link List

माना की **user Link List** में **Integer Values** को **Store** करना चाहता है। इसके लिए **Doubly Link List Structure** का **memory** में होना आवश्यक है। अतः **Structure define** करेंगे।

**Node Structure: -**

```

struct node
{
    int info;
    struct node * prev, *next;
};

```

### Insert A Node At The Begning

**Doubly Link List** के शुरू में किसी **Node** को जोड़ने के लिए यह **check** करते हैं कि **List** खाली तो नहीं है। यह देखने के लिए **head Pointer** को **check** करते हैं। यदि **Head NULL** है तो नये **Node** को अब **Head Point** करने लगेगा। नहीं तो **Head** के **Previous Pointer** में नये **Node** का **Address** डाल दिया जाता है। अतः किसी **Node** को जोड़ने के लिए निम्न **Algorithm** लिखेंगे।

- Step 1:-** नये **Node** को **Memory Allocate** करेंगे।  
`struct node * new = malloc (sizeof (struct node))`
- Step 2: -** एक **Temporary Variable** में **Head** का **Address** डालेंगे।  
`struct node * temp = head`
- Step 3: -** **New Node** के **Information Part** में **Data Item Insert** करेंगे।  
`new → info = item`
- Step 4: -** **New Node** के **Previous Part** को **NULL** करेंगे।  
`new → prev = NULL`
- Step 5: -** **New Node** के **Next Part** में **head** का **address** डालेंगे।  
`new → next = head`

- Step 6: -** यह check करेंगे कि head NULL है या नहीं यदि head NULL है तो Step 7 को Execute करेंगे अन्यथा Execute करेंगे।
- Step 7: -** head में नये Node का डाल देंगे अतः अब head नये Node को Point करेगा।
- Step 8: -** head के prev part को New node का Address डालेंगे।  
 head → prev = new  
 head = new (अब head नये node को Point करने लगेगा)
- Step 9: -** Exit

**Function: -**

**Insertatfirst (struct node \*\* head, int item)**

```
{
    struct node*new = malloc (sizeof (struct node));
    new → info = item;
    new → prev = NULL;
    new → next = head;
    if (head == NULL)
    head = new;
    else
    {
        head → prev = new;
        head = new;
    }
}
```

### Insert The Item At The End Of The Doubly Link List

Link List के Last में किसी नये Node को जोड़ने के लिए पहले यह check करेंगे कि List खाली तो नहीं है यदि List खली है तो पहला Node ही First Node होगा तथ वही Last Node होगा। यदि List में और भी आइटमस है तो नये Node की Information Part में Data Item तथा नये Node के Next Part NULL डालेंगे तथा उसे List के Last में Add कर देंगे।

**At a last**

- Step 1: -** नया Node बनयेंगे  
 struct node \* new = malloc (sizeof (struct node));
- Step 2: -** एक Temporary \* लेंगे जिसमें head का address डाल देंगे  
 struct node \* temp = head
- Step 3: -** नये Node के Information Part में Data Item Insert करेंगे।  
 new → info = item
- Step 4: -** check that head = NULL  
 यदि head NULL है तो step 5 को Run करेंगे या अन्यथा Step6 को Run करेंगे।
- Step 5: -** Insert at first function को call करेंगे  
 और return हो जायेगे।
- Step 6: -** (1) नये Node के Information Part में Data Item Insert करेंगे।  
 new → info = item  
 (2) नये Node के Next Part में NULL Insert करेंगे  
 new → next = NULL  
 (3) जब तक T का Next part NULL नहीं हो जाता है। T को आगे बढ़ाएंगे।  
 while (temp → next != NULL)  
 temp = temp → next  
 (4) temp के Next Part में नये Node का Address डालेंगे।  
 temp → next = new

(5) नये Node के Prev Part में temp का address डालेंगे।

new → prev = temp

Step 7: - Exit

Function: -

addatlast (struct node \*\*head, int item)

```
{
    struct node * temp = *head;
    struct node * new = malloc (sizeof (struct node));
    if (head == NULL)
    {
        insertatfirst (& head, item);
        return;
    }
    new → info = item;
    new → next = NULL;
    while (temp → next != NULL)
    temp = temp → next;
    temp → next = new;
    new → prev = temp;
}
```

Traversing the Doubly link List

(1) In order Traversal: - इसके लिए निम्न Steps को Follow किया जाता है।

Step 1: - जब तक head NULL नहीं हो जाता तब तक List Pointer को आगे बढ़ायेंगे।

while (head != NULL)

Step 2: - List के हर Information Part को print करेंगे व head को आगे बढ़ाते जायेंगे।

print head → Info

head = head → next

(2) Reverse Order Traversal: - इसके लिए निम्न Steps को Follow किया जाता है।

Step 1: - जब तक tail NULL नहीं हो जाता तब तक List Pointer को आगे बढ़ायेंगे।

while (tail != NULL)

Step 2: - List के हर Information Part को print करेंगे व tail को आगे बढ़ाते जायेंगे।

print tail → Info

tail = tail → next

Deletion From Doubly Link List: -

(1) Delete from Begning of List: - यदि doubly link list खाली है तो return हो जायेंगे अन्यथा जिस Node को head pointer point कर रहा है उसे Delete करेंगे। इसके लिए निम्न Steps को Follow किया जायेगा। यहां Head Pointer Struct Node Pointer है जो List के first node को Point कर रहा है।

Step 1:- एक Temporary Pointer लेंगे जिसमें Head का address डालेंगे

struct node \*temp = head

Step 2: - Check करेंगे कि head NULL है या नहीं यदि head NULL है तो return हो जायेंगे।

if (head == NULL)

return

Step 3: - यदि head NULL नहीं है तो head में head के next part को assign कर देंगे।

```

    head = head → next
    free (temp)
Step 4: - head जिस Node को point कर रहा है उसके prev part में NULL Assign करेंगे।
          head → prev = NULL
Step 5:- Exit

```

Function: -

```

deletefromfirst (struct node *head)
{
    struct node *temp = head;
    if (head == NULL)
        return;
    head = head → next;
    free (temp);
    head → prev = NULL;
}

```

Delete From Last: -

List के Last Node को Delete करने के लिए सबसे पहले 3 Conditions को Check करेंगे।

- (1) यदि List खाली है तो return हो जायेंगे
- (2) यदि List में केवल एक ही Node है तो उसे delete कर देंगे और head में NULL Insert कर देंगे।
- (3) यदि List में एक से ज्यादा Items है तो पहले Last Node तक पहुंचेंगे बाद में Last Node को Delete कर देंगे। इसके लिए निम्न Algorithm हैं।

```

Step 1: - एक Temporary Pointer लेंगे जिसमें head का address डालेंगे
          struct node * temp = head
Step 2: - यह check करेंगे कि head NULL है या नहीं यदि head NULL है तो return हो
          जायेंगे।
Step 3: - यह check करेंगे कि head का Next NULL है या नहीं। यदि head का Next NULL
          है तो 4 से 6 तक के steps को repeat करेंगे।
Step 4: - head में NULL insert करेंगे।
          head=NULL
Step 5: - Temporary Pointer को Free कर देंगे
          free(t)
Step 6: - return
Step 7: - जब तक temp के Next part में NULL नहीं आ जाता तब तक temp को आगे
          बढ़ाएंगे।
          while(temp->next==NULL)
            temp=temp->next
Step 8: - temp के prev के next part में NULL insert करेंगे।
          temp->prev->next=NULL
Step 9: - Temp को Free कर देंगे।
          free(temp)
Step 10: - exit

```

Function: -

```

deletefromlast (struct node *head)
{
    struct node * temp = head;

```

```

if (head == NULL)
return;
if (head → next == NULL)
{
    head = NULL;
    free (temp);
    return;
}
while (temp → next != NULL)
temp = temp → next;
temp → prev → next = NULL;
free (temp);
}

```

**Circular Link List:** - Simple Link List में Last Node का Link Part हमेशा NULL होता है लेकिन Circular Link List में List के Last Node के Link Part में हमेशा head का address रहता है। अतः Circular Link List का आखरी Node हमेशा List के First Node को Point करता है।

### Insert the New Node In the Circular Link List

#### Insert at First:-

जब Circular Link List के प्रारम्भ में किसी नये Node को जोड़ना हो तो इसके लिये सबसे पहले यह Check करेंगे कि List खाली तो नहीं है। यदि head NULL है तो नये Node को Insert कर दिया जायेगा और Head Pointer उसे Point करेगा यदि Head NULL नहीं है तो head पर पहुंच कर नये Node को add कर दिया जायेगा। उसके लिये निम्न Algorithm हैं।

- Step1: -** New Node बनायेंगे  
**struct node\*new = malloc (sizeof (struct node))**
- Step2: -** एक Temporary Pointer बनाएंगें। जिसमें head का address डालेंगे।  
**struct node \* temp = \*head**
- Step 3: -** New Node के Information Part में Item Insert करेंगे  
**new → info = item**
- Step 4: -** Check करेंगे कि head NULL है या नहीं यदि head NULL है तो 5th step को execute करेंगे नहीं तो 6th Step execute होगा।
- Step 5:-** Head में नया Node insert करेंगे  
**head = new node**  
**new node → next = head**
- Step 6: -** new node के next part में head का address डालेंगे  
**new node → next = head**  
**temp के next part में जब तक head का address नहीं आ जाता तब तक temp को आगे बढ़ाएंगें।**  
**while (temp → next != head)**  
**temp = temp → next**  
**head में नये node का address डालेंगे**  
**head = new node**  
**temp के next part में head का address डालेंगे**  
**temp → next = head**
- Step 7: -** Exit

**Function: -**

```

struct node
{
    int data;
    struct node *next;
};
void append(int x,struct node **p)
{
    struct node *temp=*p,*n=malloc(sizeof(struct node));
    n->data=x;
    printf("\nappending:%d",x);
    if(temp==NULL)/*list empty*/
    {
        *p=n;
        n->next=n;
        return;
    }

    while(temp->next !=*p)
        temp=temp->next;
    temp->next=n;
    n->next=*p;
}

```

**Insert at Last: -**

इसके लिए सबसे पहले यह check करेंगे की List खाली है या नहीं यदि List में एक भी Item नहीं है तो **appendn function** को call करेंगे नहीं तो **while loop** की सहायता से उस Node तक पहुंचेंगे जहां **temp** के next में Head होगा अर्थात् Last Node तक पहुंचेंगे अब इस Node के Info Part में data item insert करेंगे और Node के Next Part में head का address डाल देंगे। इसके लिए निम्न Algorithm हैं।

**Step 1: -** नये Node को memory allocate करेंगे

```
struct node*new = malloc (sizeof (struct node))
```

**Step 2: -** एक Temporary Pointer बनाएंगें। जिसमें head का address डालेंगे।

```
struct node * temp = *head
```

**Step 3: -** New Node के Information Part में Item Insert करेंगे

```
new → info = item
```

**Step 4: -** Check करेंगे कि head NULL है या नहीं यदि head NULL है तो 5th step को execute करेंगे नहीं तो 6th Step execute होगा।

**Step 5:-** appendn function को call करेंगे

```
और return हो जाएंगे
```

**Step 6: -** new node के next part में head का address डालेंगे

```
new node → next = head
```

```
temp के next part में जब तक head का address नहीं आ जाता तब तक temp को आगे बढ़ाएंगें।
```

```
while (temp → next != head)
```

```
temp = temp → next
```

```
temp के next part में head का address डालेंगे
```

```
temp → next = new
```



Step 7: - Exit

### Circular List की Traversing

Step 1: - एक Temporary Pointer बनाएंगे। जिसमें head का address डालेंगे।

struct node \* temp = head

Step 2: - if head = NULL

return

Step 3: - Repeat Step 4 to 5 while temp → next != head

Step 4: - print temp → info

Step 5:- temp = temp → next

(end of while loop)

Step 6: - print temp → info

Step 7: - Exit

### Delete an Item from the Circular Link List

Delete from first: - Circular Link List के प्रारम्भ से किसी भी Node को delete करने के लिए 3 conditions को check करेंगे

(1) List खाली है।

(2) List में केवल एक Node है तो उस Node को मिटाकर head में NULL डाल देंगे

(3) List में एक से ज्यादा Node है तो Loop की सहायता से first Node पर पहुंचेंगे और उस Node को मिटाकर head को अगले node पर ले जायेंगे। इसके लिए निम्न Algorithm है:-

Step 1: - एक Temporary Pointer लेंगे जिसमें head का address डालेंगे

struct node \* temp = head

Step 2: - यह check करेंगे कि head NULL है या नहीं यदि head NULL है तो return हो जायेंगे।

Step 3: - यह check करेंगे कि head का Next head है या नहीं। यदि head का Next head है तो 4 से 6 तक के steps को repeat करेंगे।

Step 4: - Temp को free कर देंगे।

head=NULL

Step 5: - head में NULL डालेंगे।

head = NULL

Step 6: - return

Step 7: - जब तक temp के Next part में head का adres नहीं आ जाता तब तक temp को आगे बढ़ाएंगे।

while(temp->next != head)

Step 8: - temp=temp->next

Step 9: - head = head → next (head में head का next Insert करेंगे।)

Step 10: - temp के next में head डालेंगे।

temp → next = head

Step 11: - free(temp)

Step 12: - Exit

Delete from Last: -

Circular List के अन्त में से किसी Node को हटाने के लिए 3 conditions को check करेंगे

(1) यदि List खाली है

(2) यदि List में केवल एक Node है तो head में NULL डाल देंगे

(3) यदि List में एक से ज्यादा Node है तो Loop की सहायता से List के अन्तिम Node पर पहुंचेंगे उस Node को मिटाकर उस Node के पिछले Node में head का address डालेंगे। इसके लिए निम्न Algorithm हैं।

- Step 1:** - एक Temporary Pointer लेंगे जिसमें head का address डालेंगे  
**struct node \* temp = head**
- Step 2:** - यह check करेंगे कि head NULL है या नहीं यदि head NULL है तो return हो जायेंगे।
- Step 3:** - यह check करेंगे कि head के Next में head है या नहीं। यदि head का Next head है तो 4 से 6 तक के steps को repeat करेंगे।
- Step 4:** - head में NULL डालेंगे।  
**head=NULL**
- Step 5:** - temp को free कर देंगे।  
**free (temp)**
- Step 6:** - **return**
- Step 7:** - जब तक temp के Next part में head का address नहीं आ जाता तब तक temp को आगे बढ़ाएंगे।  
**while(temp->next != head)**  
**temp=temp->next**
- Step 8:** - temp के next को free कर देंगे।  
**free (temp → next)**
- Step 9:** - temp के next में head डालेंगे।  
**temp → next = head**
- Step 10:** - **Exit**

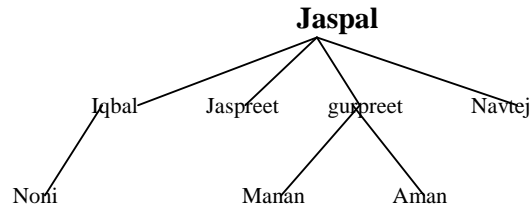
### Application of Link List

Linked List एक Primitive data Structure है जिसे विभिन्न प्रकार की Application में Use में लिया जाता है। उनमें से कुछ Applications निम्न है।

- (1) किसी अन्य Data Structure को Implement करने के लिए जैसे Stack queue, tree तथा graph
- (2) Name की Directory को maintain करने के लिए
- (3) Logn Integers पर Arithmetic Operation Perform करने के लिए
- (4) Polynomials को Manipulate करने के लिए
- (5) Sparts Matrix को Represent करने के लिए

**UNIT-III****TREES**

Array, Linked list, stacks and queues आदि को Linear data structure के द्वारा प्रदर्शित किया जाता है। इन structure के द्वारा hierarchical data को प्रदर्शित नहीं किया जा सकता। Hierarchical data में ancestor-descendant, superior-subordinate, whole part व data elements के बीच similar relationship होती है।



उपरोक्त figure में jaspal के descendants को diagram में hierarchical order में प्रदर्शित किया गया है। जिसमें jaspal top of the hierarchy को प्रदर्शित कर रहा है। Jaspal के children iqbal, jaspreet, gurpreet and navtej है। Iqbal के एक child Noni है, gurpreet के दो व jaspreet and navtej के एक भी नहीं है। इस प्रकार यह कहा जा सकता है कि Iqbal के siblings Noni, Jaspal के descendants iqbal, jaspreet, gurpreet and navtej है तथा Noni के ancestors Manan and Aman है।

The tree is an ideal data structure for representing the hierarchical data. As there are many

types of trees in the forest, likewise there are many types of trees in data structure- tree, binary tree, expression tree, tournament tree, binary search tree, threaded tree, AVL tree and B-tree.

Tree एक ideal data structure है जिसके द्वारा hierarchical data को प्रदर्शित किया जाता है। जैसा कि हम जानते हैं कि forest में बहुत से tree होते हैं। उसी प्रकार data structure में भी कई प्रकार के tree होते हैं जैसे :-

Tree, binary tree, expression tree, tournament tree, binary search tree, threaded tree, AVL tree and B-tree.

**Tree Terminology**

**Level of the Element:** - Tree में सबसे ज्यादा प्रयोग में आने वाली term level है। Tree के first element को root कहा जाता है। Tree के Root को हमेशा Level 1 में रखा जाता है। उपरोक्त Diagram में Jaspal Level 1 में iqbal, jaspreet, gurpreet and navtej Level 2 में तथा Noni, Aman and Manan Level 3 में हैं।

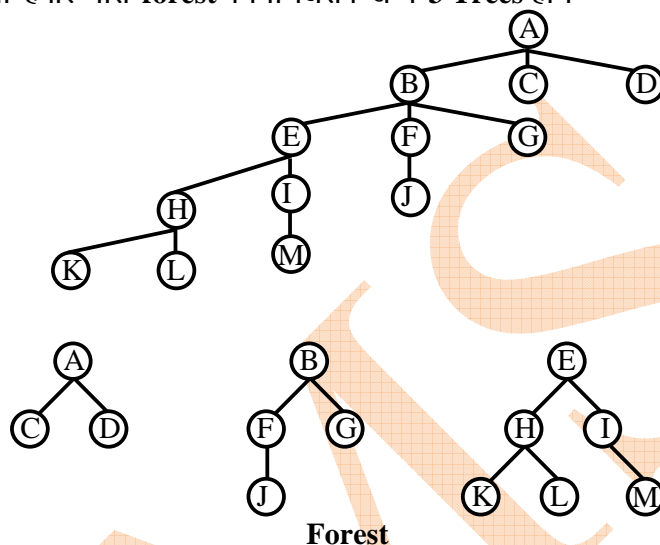
**Degree of Element:** - किसी भी Element की Degree Number of Children पर Depend करती हैं। Leaf Node की Degree हमेशा 0 होती हैं क्योंकि Leaf Node का Left और Right Part नहीं होता हैं।

**Degree of The Tree:** - किसी भी tree की Degree Tree में उपस्थित Maximum Elements पर Depend करती हैं। उपरोक्त diagram में tree की Degree 4 हैं। क्योंकि उसमें एक Nodes से अधिक से अधिक 4 Elements जुड़े हैं।

**Properties Of Tree :** - Tree के निम्न गुण हैं।

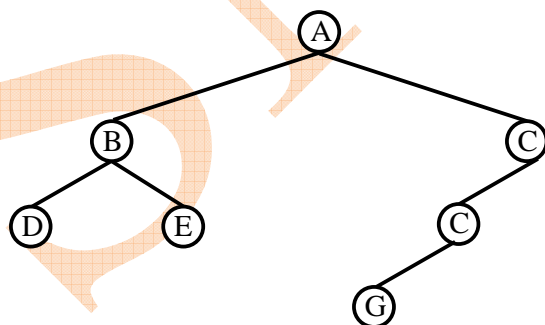
- (1) कोई भी Node Tree की Root हो सकती हैं। Tree में जुड़ी हर Node का एक गुण होता हैं कि प्रत्येक Node को किसी दूसरी Node से जोड़ने के लिए केवल एक ही Path होता हैं। एक Tree जिसमें किसी Root को Identify नहीं किया गया हैं वह Free Tree कहलाता हैं।
- (2) जिस Tree में n No. of Nodes हैं उसमें n-1 Edges होंगे।

- (3) वे Nodes जिनका कोई Child Node नहीं होता leaves या terminal node कहलाता है।
- (4) वे Node जिनके पास कम से कम एक Child होता है Nonterminal Nodes कहलाते हैं।
- (5) Nonterminal Node को Internal Node तथा Terminal Node को External Node कहते हैं।
- (6) एक Level पर उपस्थित सभी Nodes के लिए Depth और Height का मान वही होता है जो उसके Level का मान होता है।
- (7) एक Node की Depth को Node का Level भी कहा जाता है। Tree के एक संग्रह को Forest कहते हैं। नीचे दिये गए tree के root और edges जो कि उसे tree से जोड़ रहे हैं को हटा दिया जाए तो हमारे पास forest बचेगा जिसमें अन्य 3 Trees होंगे



### Binary Tree

ऐसा Tree जिसकी प्रत्येक Node के पास अधिकतम दो Child Nodes हो सकती हैं, Binary Tree कहलाता है। इसे हम इस प्रकार भी कह सकते हैं कि Binary Tree में किसी Node के पास के दो अधिक Child Nodes नहीं हो सकती हैं।



### Binary Tree

Binary Tree सामान्य Tree के एक विशेष Class में आते हैं।

### Properties of Tree

Binary Tree के निम्नलिखित Properties हैं –

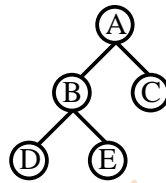
- (1) एक Binary Tree जिसमें  $n$  आन्तरिक Nodes Internal Nodes हैं, उसमें अधिकतम  $n+1$  External Nodes हो सकती हैं। यहां पर Root Node को भी Internal Node के रूप में गिना गया है।
- (2) एक Binary Tree जिसमें  $n$  Internal Nodes हैं, के External Path की लम्बाई, Internal Path की लम्बाई की दो गुनी होती है।

(3) एक Binary Tree जिसमें  $n$  Internal Nodes हैं की उंचाई height लगभग  $\log_2 n$  होती है। प्रत्येक Binary Tree एक Tree होता है परन्तु प्रत्येक Tree एक Binary Tree नहीं होता। एक पूर्ण Binary Tree (Full अथवा Complete Binary Tree) की समस्त Internal Nodes की Degree होती है और समस्त Leaves एक ही Level पर होती हैं।

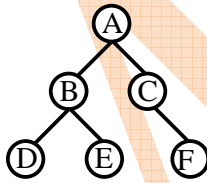
Binary Trees को 3 Parts में बांटा गया है।

- (1) Strictly Binary Tree
- (2) Complete Binary Tree
- (3) Full Binary Tree

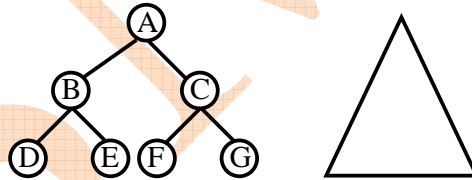
- (1) **Strictly Binary Tree:** - वह Tree जिसमें कम से कम 0 या 2 Nodes का होना आवश्यक है अर्थात् एक Tree में एक Node से या तो Left और Right दोनों Values को Insert किया जायेगा या एक भी नहीं।



- (2) **Complete Binary Tree:** - वह Tree जिसका Level Same हो All most Complete Binary Tree कहलाता है। जैसे :-



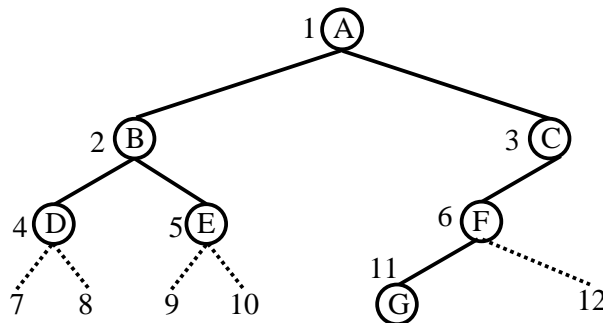
- (3) **Full Binary Tree:** - वह Tree जो Strictly Binary व Complete binary दोनों हो Full Binary Tree कहलाता है। यह Triangle Property को प्रदर्शित करता है।



### Tree Representation as Array

Array के द्वारा Binary Tree को प्रदर्शित करने के लिए Tree के Nodes की Numbering करनी होती है। किसी भी Tree के Nodes की Numbering करने के लिए हम Binary Tree को Full Binary Tree मानकर हर Node को एक Number दे देते हैं और जिस Number पर वह Node होता है उसे Array में Store कर देते हैं।

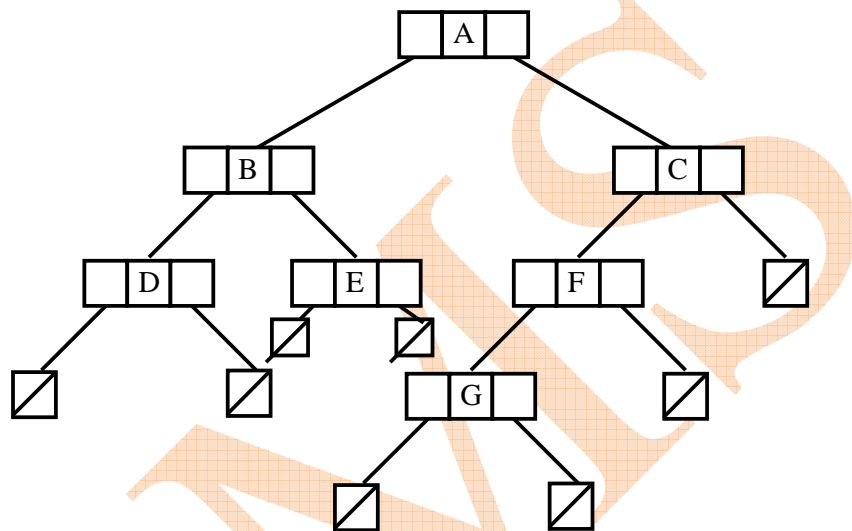
इसका Example निम्न है।



1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
A	B	C	D	E	F					G	

*Array Representation of a Binary Tree*

**Link List Representation of Binary Tree:** - किसी भी Tree को **Linked List** द्वारा सही से प्रदर्शित किया जा सकता है। हम जानते हैं कि एक **Binary Tree** में अधिकतम दो **Child Node** ही होते हैं। अतः इस प्रकार के **Representation** में **node Value** के दोनो ओर एक-एक **Pointer Maintain** करते हैं। जिससे उसकी **Child Nodes** को प्रदर्शित किया जाता है। **Tree** का वह भाग जिसमें किसी सूचना को **Store** नहीं किया जाता उन्हें **NULL** के द्वारा सुरक्षित रखा जाता है।



*Linked List Representation of a Binary Tree*

### Basic Operations on Binary Tree

**Binary Search Tree** एक विशेष प्रकार का **Binary Tree** है जो या तो खाली है या **Left Sub Tree** की सारी **Information Root** से छोटी है और **Right Sub Tree** की सारी **Information Root** से बड़ी है। **Left** और **Right** दोनों ही **Sub Trees Binary Search Tree** हैं।

**Binary Search Tree** में निम्न **Operations** को **Perform** करना होता है।

- (1) Insertion
- (2) Delition
- (3) Traversal

**Link List** द्वारा जब **Tree Representation** किया जाता है तो **Node** के तीन भाग होते हैं

- (1) Left
- (2) Info
- (3) Right

इसके लिए निम्न **Strcutre** को बनाया जाएगा

```
struct node
{
    struct node * left;
    int info;
    struct node * right;
};
```

**Binary Search Tree** में **Node** को जोड़ना: – इसके लिए सबसे पहले एक **Temporary Variable T** को **Root** पर और एक **Variable Prev** को **NULL** पर भेज देते हैं। **Prev Variable T** से पहले वाली **Node** को प्रदर्शित करेगा अब एक नये **Node** को **Memory Allocate** करेंगे उसके **Information Part** में **Data** तथा **left** और **Right** में **NULL Value Insert** करेंगे इसके बाद **Loop** के द्वारा **Prev** को **T** पर भेजा जाएगा और यह **Check** किया जाएगा कि क्या **Data** की **Value T** की **Value** से छोटी हैं।

यदि **Data** की **Value T** से छोटी है तो उसे **T** के **Left** में **Insert** कर दिया जाएगा यदि **Data** की **Value T** से बड़ी है तो उसे **T** के **Right** में **Insert** किया जाएगा। अब यह **Check** करेंगे कि **Previous Variable** जो कि **T** के पीछली **Node** को प्रदर्शित कर रहा हैं **NULL** तो नहीं हैं। यदि **NULL** है अतः **Tree** खाली हैं तो नये **Node** को **Root** बना देंगे।

**Step 1: -** एक **Temporary Pointer** लेगें जिसमें **root** का **address** डालेंगे

```
struct node * t = root
```

**Step 2: -** `struct node * prev = NULL`

**Step 3: -** `struct node * n = malloc (sizeof (struct node))`

**Step 4: -** `n → info = data`

```
n → left = NULL
```

```
n → right = NULL
```

**Step 5: -** `while (t != NULL and data != t → info)`

```
set prev = t
```

```
check whether (data < t → info)
```

```
if yes then
```

```
t = t → left
```

```
else
```

```
t = t → right
```

**Step 6: -** `check whether (data = t → info)`

```
if yes then return
```

**Step 7: -** `check whether (prev = NULL)`

```
if yes then
```

```
root = n
```

```
return
```

**Step 8: -** `check whether (data < prev → info)`

```
if yes then
```

```
prev → left = n
```

```
else
```

```
prev → right = n
```

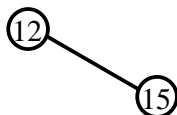
**Step 9: -** `Exit`

निम्न **Numbers** को यदि **Binary Tree** में **Insert** करना हो तो उसके लिए निम्न **Steps follow** करेंगे **12, 15, 18 10, 11, 14, 22**

(1) सबसे पहले 12 को **add** करना है चूंकि अभी तक कोई **Node Add** नहीं हुई है, इसीलिए यह साधारण रूप से **Add** हो जाएगी।

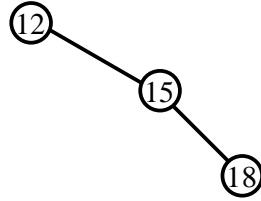
(12)

(2) इसके बाद 15 को **Add** कराना है। चूंकि 15, 12 से बड़ा है इसीलिए 15, 12 के दाईं ओर **Add** होगा।

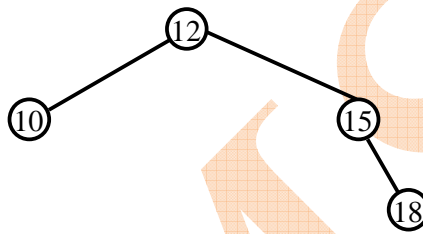




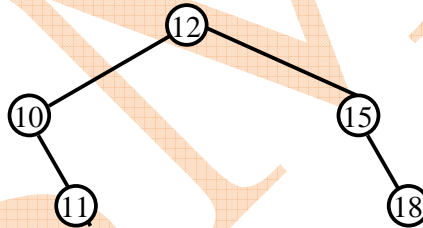
- (3) 18 को Add करते हुए हमने पाया कि 18, 12 से बड़ा है परन्तु चूंकि 12 के दाईं ओर 15 पहले से ही है इसीलिए हम इसकी 15 से भी तुलना करेंगे। तुलना करने पर हमने पाया कि 18, 15 से भी बड़ा है। इसीलिए 18, 12 के भी दाईं ओर Add होगा।



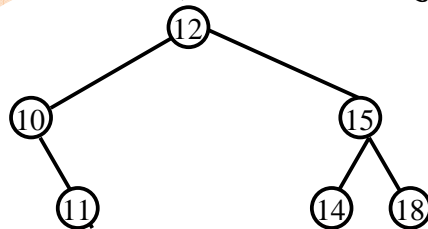
- (4) 10 को Add करते हुए हमने पाया कि 10, 12 से छोटा है, इसीलिए 10, 12 के बाईं ओर Add होगा।



- (5) 11 को Add करते हुए हमने पाया कि 11, 12 से तो छोटा है, इसीलिए 12 के बाईं ओर Add होगा परन्तु 12 के बाईं ओर पहले से सुरक्षित सूचना 10 से बड़ा है, इसीलिए 11, 12 के बाईं ओर परन्तु 10 के दाईं ओर Add होगा।



- (6) 14 को Add करते हुए हमने पाया कि 14, 12 से बड़ा है इसलिये यह 12 के दाईं ओर Add होगा। परन्तु यहां पर पहले से ही 18 सुरक्षित है। इसलिये हमने 14 की तुलना 15 से की और पाया कि 14, 15 से छोटा है इसीलिये 14, 12 के दाईं ओर परन्तु 15 के बाईं ओर Add होगा।

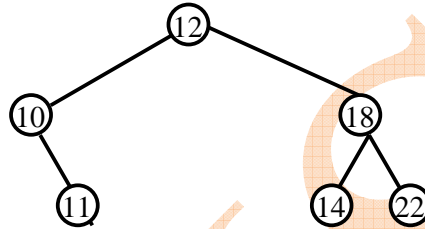


- (7) अब हमें अन्तिम सूचना अर्थात् 22 को Add करना है। 22 को Add करते हुए हमने देखा कि 22, 12 से बड़का है, इसलिये 22, 12 के दाईं ओर Add होगा। परन्तु 12 के दाईं ओर पहले से 15 सुरक्षित है, इसलिये हमने इसकी तुलना 15 से की और पाया 22, 15 से भी बड़ा है। इसलिये 22, 15 के भी दाईं ओर जाएगा, परन्तु 15 के दाईं ओर 18 सुरक्षित है, अतः 22 की तुलना 18 से भी

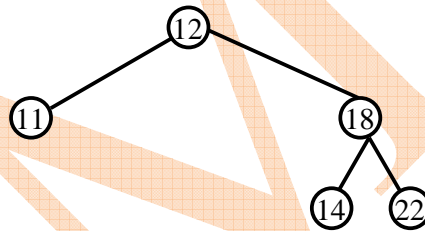
- (8) की और पाया कि 2, 18 से भी बड़ा है, इसलिये 22, 18 के दाईं ओर Add होगा। अतः हम कह सकते हैं कि 22, 15 के दाईं ओर सुरक्षित 18 के दाईं ओर Add होगा।

### Delete a Node from Binary Tree.

- (1) 15 को Delete करते हुए हमने पाया कि 15 के left और right child दोनों भरे हुए हैं, इसलिये हमने अपनी Algorithm के अनुसार इसका Inorder (14, 15, 18) निकाला और पाया कि 18 इसका Inorder sucessor हैं इसलिये 15 को delete करके 18 को Promote कर दिया। अतः अब Tree निम्नानुसार रह जाता है –



- (2) 10 को Delete करते हुए हमने पाया कि 10 का केवल right child ही है, इसलिये हमने इसके child को promote करके 10 को delete कर दिया। अतः अब tree निम्नानुसार रह जाता है –

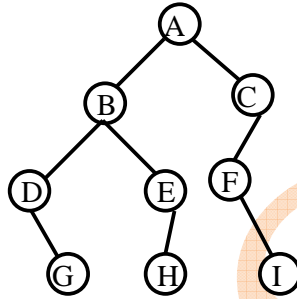


### Traversal of Binary Tree

Binary Tree को Traverse करना सबसे Important Operation हैं। Binary Tree पर बहुत सारे Operations Perform किये जाते हैं। Traversing करना tree के हर Node पर होता हैं। Traversing एक Process हैं। जिसमें Tree के हर Nodes से गुजरना होता हैं। किसी भी Tree को Traverse करने के लिए सबसे पहले उसके root को check किया जाता हैं। इसके बाद left Sub Tree को Traverse करते हैं तथा अन्त में Right sub tree को traverse करते हैं। Normally Binary Tree के Traversal 3 प्रकार के होते हैं।

- (1) **In order Traversal: - (Left, Root, Right)**
  - (i) सबसे पहले Left Sub Tree को Traverse करो।
  - (ii) Root को Traverse करो।
  - (iii) Last में Right Sub Tree को Traverse करो।
- (2) **Pre Order Traversal: - (Root, Left, Right)**
  - (i) Root को Traverse करो।
  - (ii) Left Sub Tree को Traverse करो।
  - (iii) Last में Right Sub Tree को Traverse करो।
- (3) **Post Order Traversal: - (Left, Right, Root)**
  - (i) Left Sub Tree को Traverse करो।
  - (ii) Right Sub Tree को Traverse करो।

(iii) Root को Traverse करो।

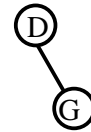


उपरोक्त Tree में यदि तीनों प्रकार कर Traversal करना हो तो इसके लिए Tree को Root से Access किया जाएगा।

#### In Order Traversal of Tree: - (Left, Root, Right)

सबसे पहले Root Node A पर जाएंगे। अब देखेंगे कि root का Left Full है अतः A के Left में B हैं। अब B के Left को Check करेंगे B का Left भी Full हैं। इसके Left में D हैं। पर D का Left खाली है अतः यहां से Left Root और Right को Traverse करेंगे। D का Left खाली है अतः D और G (Root, Right) को Traverse करेंगे।

- (1) इस Tree का In order Traversal D और G होगा।
- (2) D खुद B का Left हैं अतः अब Root को लिखेंगे DGB
- (3) B का Right E हैं तथा E का Left H हैं अतः EH वाले Tree के अन्तर्गत Traversal HE होग अतः Tree  
D G B H E
- (4) Left sub Tree complete हो चुका है अब root को लिखेंगे  
D G B H E A
- (5) अब Right Sub Tree को Access करेंगे। F का Left NULL है तथा Right में I हैं। L, Root, R के आधार पर Traversal FI होगी।  
D G B H E A F I
- (6) F का root C में और C का Right NULL हैं। अतः Traversal  
D G B H E A F I C



#### Pre Order Traversal: - (Root, Left, Right)

सबसे पहले Root Node A पर जाएंगे। अब देखेंगे कि root का Left Full है अतः A के Left में B हैं। अब B के Left को Check करेंगे B का Left भी Full हैं। इसके Left में D हैं। पर D का Left खाली है अतः यहां से Root, Left और Right को Traverse करेंगे।

- (1) सबसे पहले root को देंगे Tree का Root A हैं अतः Tree Traversal में First Element A है।  
A
- (2) A के Left Sub Tree को Check करेंगे A के Left में B अतः Tree Traversal  
A B
- (3) B का Left D है और G का Root D है अतः Tree Traversal  
A B D

- (4) D का left NULL है और Right में G है अतः root Left Right के आधार पर Tree Traversal  
A B D G
- (5) B के right में E है और E H का Root है अतः Root left right के आधार पर Tree Traversal  
A B D G E H
- (6) अब Right Sub Tree को Traverse करेंगे A का Right C है अतः Tree Traversal  
A B D G E H C
- (7) C के Left में F है तथा F I का Root है अतः Tree Traversal  
A B D G E H C F I

### Post Order Traversal: - (Left, Right और Root)

सबसे पहले Root Node A पर जाएंगे। अब देखेंगे कि root का Left Full है अतः A के Left में B हैं। अब B के Left को Check करेंगे B का Left भी Full हैं। इसके Left में D हैं। पर D का Left खाली है अतः यहां से Left, Right, Root को Traverse करेंगे।

- (1) A का Left B है B का Left D है और D का Left NULL है पर D का Right G है अतः Left Right Root के आधार पर Traversal  
G D
- (2) B का Left Sub Tree Complete है और B के right sub tree पर जाएंगे। B के right पर E है और E के Left में H अतः Traversal  
G D H E B
- (3) A का Left Sub Tree traverse हो चुका है अब A के Right Sub Tree को traverse करेंगे।
- (4) A के Right में C है C के Left में F है तथा F का Right I है अतः पहले IF को लेंगे अतः Tree Traversal  
G D H E B F I
- (5) C का Left Sub Tree complete traverse हो चुका है अतः अब Right Sub Tree NULL है। अतः Tree Traversal  
G D H E B F I C
- (6) सबसे अन्त में Root Node को लिखा जाएगा।  
G D H E B F I C

### Threaded Binary Tree

जब किसी binary tree को link list के रूप में प्रदर्शित किये जाते हैं तो Normally आधे से ज्यादा Pointer Field NULL होते हैं। वह Space जिसे NULL Entry द्वारा Occupy किया जाता है। इसमें Valuable Information को भी Store कर सकते हैं। इसके लिए एक Special Pointer को Store किया जाता है जो अपने Higher Nodes को Point करता है। इन Special Pointer को Threades कहते हैं। तथा ऐसा Tree जिसमें इस प्रकार के Pointers को रखा जाता है Threaded Binary Tree कहलाते हैं।

Threads Normal Pointer से अलग होते हैं। Threaded Binary Tree में Threades को dotted line के द्वारा प्रदर्शित किया जाता है इसके लिए एक Extra Field को Memory में Store करते हैं जिसे Tag या Flag कहा जाता है। Threaded Binary Tree को प्रदर्शित करने के बहुत से तरीके हैं।

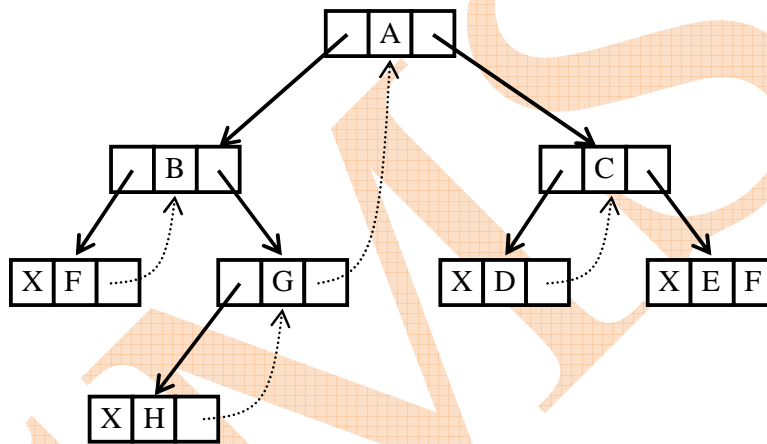
- (1) Tree के Right NULL Pointer के हर Node को Successor से Replace करवाया जाएगा। यह In Order Traversal के अन्तर्गत आता है। इसलिए इस Thread को Right Thread कहा जाता है और इस प्रकार का Tree Right Threaded Binary Tree कहलाते हैं।
- (2) Tree के Left NULL Pointer के हर Node को Predecessor से Replace करवाया जाएगा। यह In Order Traversal के अन्तर्गत आता है। इसलिए इस Thread को Left Thread कहा जाता है और इस प्रकार का Tree Left Threaded Binary Tree कहलाते हैं।
- (3) जब Left और Right दोनों Pointers को Predecessor और Successor से Point करवाया जाता है तो इस प्रकार के Tree को Full Threaded Binary Tree कहलाते हैं।

**Threaded Binary Tree** दो प्रकार के होते हैं

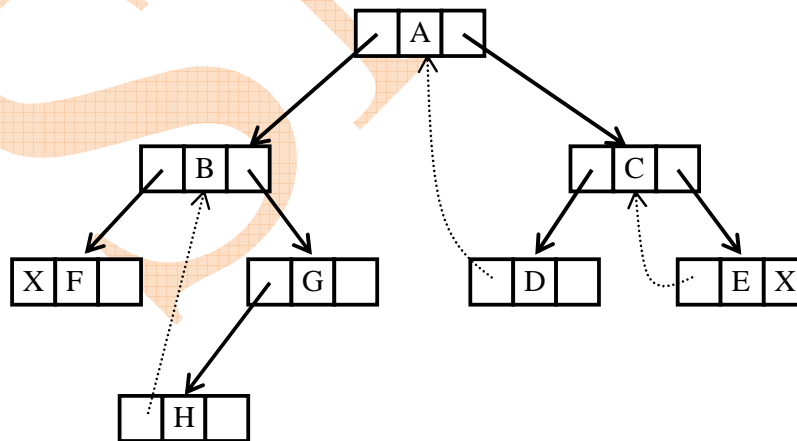
- (1) **One-way Threaded Binary Tree**
- (2) **Two-way Threaded Binary Tree**

**One-way Threading** में केवल उस **Node** से जोड़ देते हैं जो **traversal** में उसके बाद आती हैं।

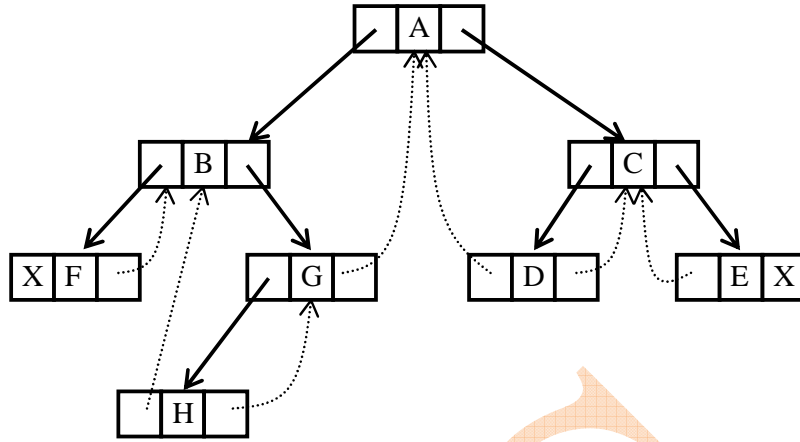
**Two-way Threading** में **Node** को उन दोनों **Node** से जोड़ देते हैं जो **Traversal** में उसके दोनों ओर हैं।



*Right Threaded Binary Tree (One-Way Threading)*



*Left Threaded Binary Tree (One-Way Threading)*



*Full Threaded Binary Tree (Two-Way Threading)*

SMMS

### B Tree

यह एक विशेष प्रकार का tree है जिसके root में हम एक से अधिक Node रखकर उसमें से एक से अधिक Branches निकाल सकते हैं। इस प्रकार के tree को M-Way tree भी कहा जाता है यहाँ एक Balanced M-way tree को B Tree कहते हैं। इस Tree के Node एक से अधिक या बहुत सारे Records और childrens के Pointers को रख सकते हैं। B Tree को Balanced Sort Tee भी कहा जाता है। यह Binary Tree नहीं होता है। एक B Tree के निम्न गुण हैं :-

- (1) प्रत्येक Node अधिक से अधिक N Childrens रख सकती हैं व कम से कम  $N/2$  या किसी अन्य संख्याओं के Children जो 2 और n के बीच कहीं पर है।
- (2) हर Node में children से 1 कम की आ सकती हैं।
- (3) Node में Keys को परिभाषित क्रम में व्यवस्थित किया जाता है।
- (4) Left Sub Tree की सभी Keys, Key की Predecessor होती हैं।
- (5) Right Sub Tree की सभी Keys, Key की Successor होती हैं।
- (6) जब एक पूरे भरे हुए Node में कोई Key जोड़ी जाती है तो Key दो Nodes में टूट जाती है और वह Key जो बीच में होगी उसे Parent Node में रखा जाएगा तथा छोटी Value वाली Key Parent के Left में तथा बड़ी Value वाली Key Parent के Right में रहेगी।
- (7) सभी Leaves एक ही Level पर होती हैं अतः V के Level के उपर कोई भी खाली Sub Tree नहीं होगा।

B Tree में जोड़ना :-

B-Tree में किसी भी Key को जोड़ने से पहले यह देखा जाता है कि वह Key कहां जोड़ी जानी है। यदि Key पहले से निर्मित Node में जा सकती है, तो Key को जोड़ना आसान है, वह Node को दो भागों (Nodes) में बांट देती हैं। वह Key जिसका मान माध्यमान (बीच का) होता है, वह Node में रहता है और इसके बाएं child में इस Key के दाएं स्थित समस्त Keys आ जाती हैं। B-Tree में Insertion (जोड़ना) निम्नलिखित उदाहरण से विस्तार से समझाया जा रहा है -

माना हमें निम्नलिखित Keys का 4 Order का Tree बनाना है -

44 33 30 48 50 20 22 60 55 77

सबसे पहली key 44 है जिसे हमें tree में जोड़ना है। चूंकि यह पहली key है इसलिए इस Key के द्वारा ही Root Node का निर्माण होगा -

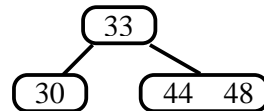
44

इसी प्रकार हम 33 और 30 को भी उनके स्थान के अनुरूप Node में जोड़ देंगे -

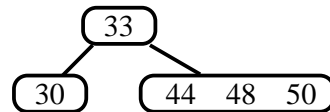
44 33 30

चूंकि हमने यह 4 order का tree बनाया है इसीलिए इसकी एक Node में अधिकतम 3 Keys ही रख सकते हैं। अतः अब जो भी key इसमें जोड़ी जायेगी वह इस (root) Node को दो भागों में विभक्त कर देगी। यहाँ हमें 48 जोड़ना है-

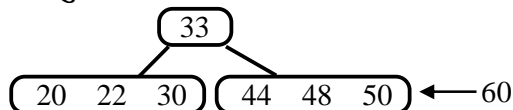
44 33 44 48



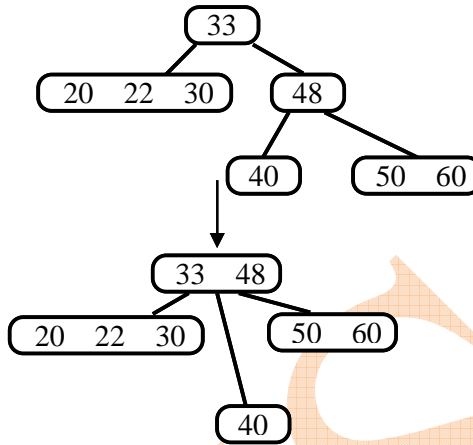
अब हम 50 को इसके स्थान के अनुरूप जोड़ देंगे -



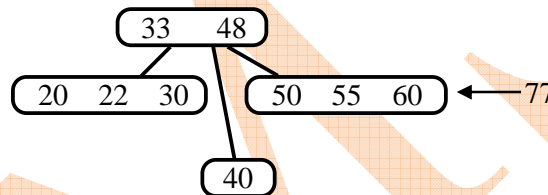
अब हम 20 और 22 को इसके स्थान के अनुरूप जोड़ देंगे -



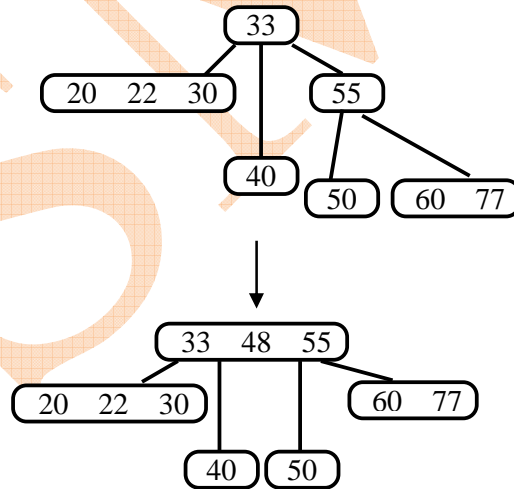
अब हमें 60 को जोड़ना है। जैसा कि हम देख सकते हैं 60, 50 के बाद जुड़ेगा और 50 वाली Node पूर्णतया भर चुकी हैं। इसीलिये 60 के जुड़ने पर यह Node दो भागों में विभक्त हो जाएगी और यह Node उन दोनों का Parent Node का मान root node में merge हो जाएगा –



अब हमें 55 को इसके स्थान के अनुरूप जोड़ देंगे –



अब हमें 77 को जोड़ना है। जैसा कि हम देख सकते हैं कि 77, 60 के बाद जुड़ेगा, अतः यहां पर भी Node विभक्त होगी और चूंकि अभी भी Root Node में स्थान रिक्त है इसलिए इस Node का मान Root में चला जाएगा –



अब यह Tree Balanced है, और इस प्रकार बनाया गया है कि इसकी समस्त Leaves एक ही Level पर हैं।

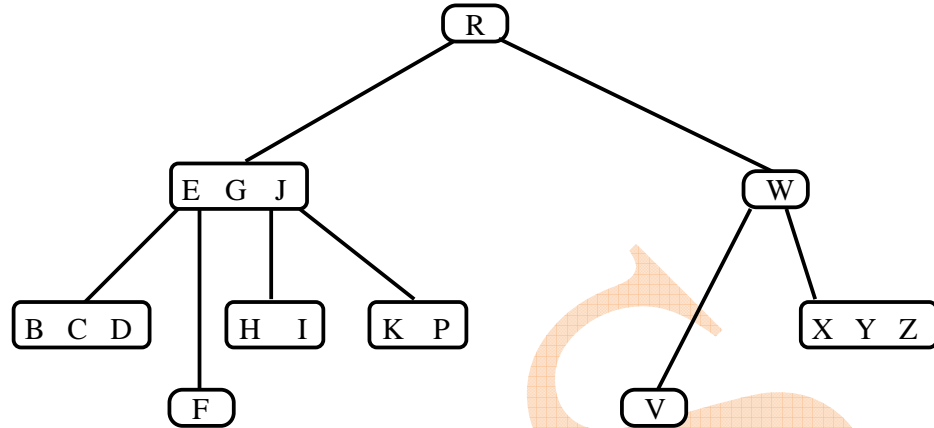
**B – tree** में से मिटाना

जैसा कि हम जोड़ने में पहले key तथा उसका स्थान देखते हैं उसी प्रकार मिटाने में भी पहले Key तथा उसके स्थान को ढूंढते हैं।



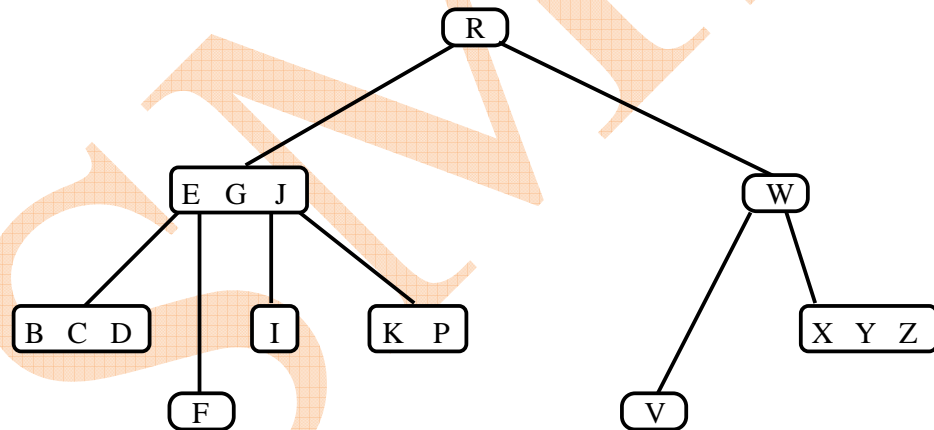
यदि मिटाई जाने वाली key एक **terminal (leaf)** है, जो मिटाना सरल है, अर्थात् केवल उस key को **Node** में से मिटा देना होगा।

यदि मिटाई जाने वाली key एक **terminal (leaf)** नहीं है ता, इसे इसके **successor** के मान से बदल दिया जाता है। इस प्रकार यदि **successor, terminal Node** में है, तो वहां से वह मिटा दिया जाएगा।

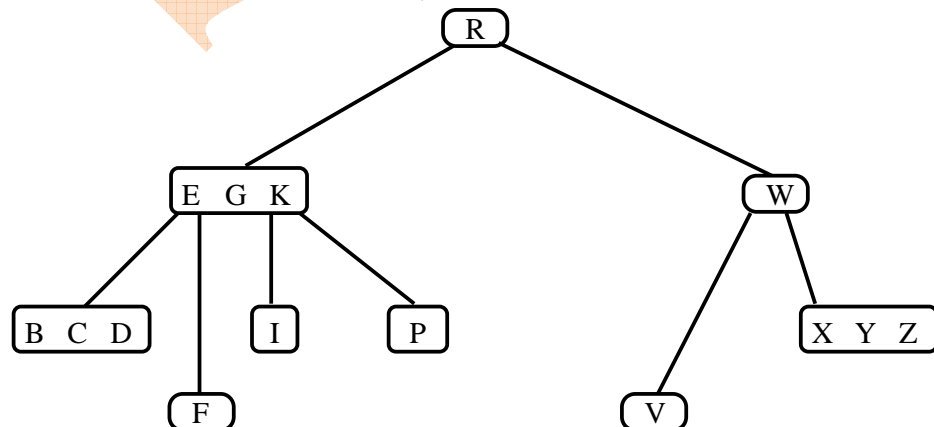


इस प्रकार यदि **successor, non-terminal node** में है, तो उसका **successor, replace** होगा और यही सारी शर्तें इस **successor** के साथ भी लगेंगी। अतः यह देखा जाए तो प्रत्येक प्रकार के **deletion** में **terminal node** में से एक key अवश्य मिटेगी।

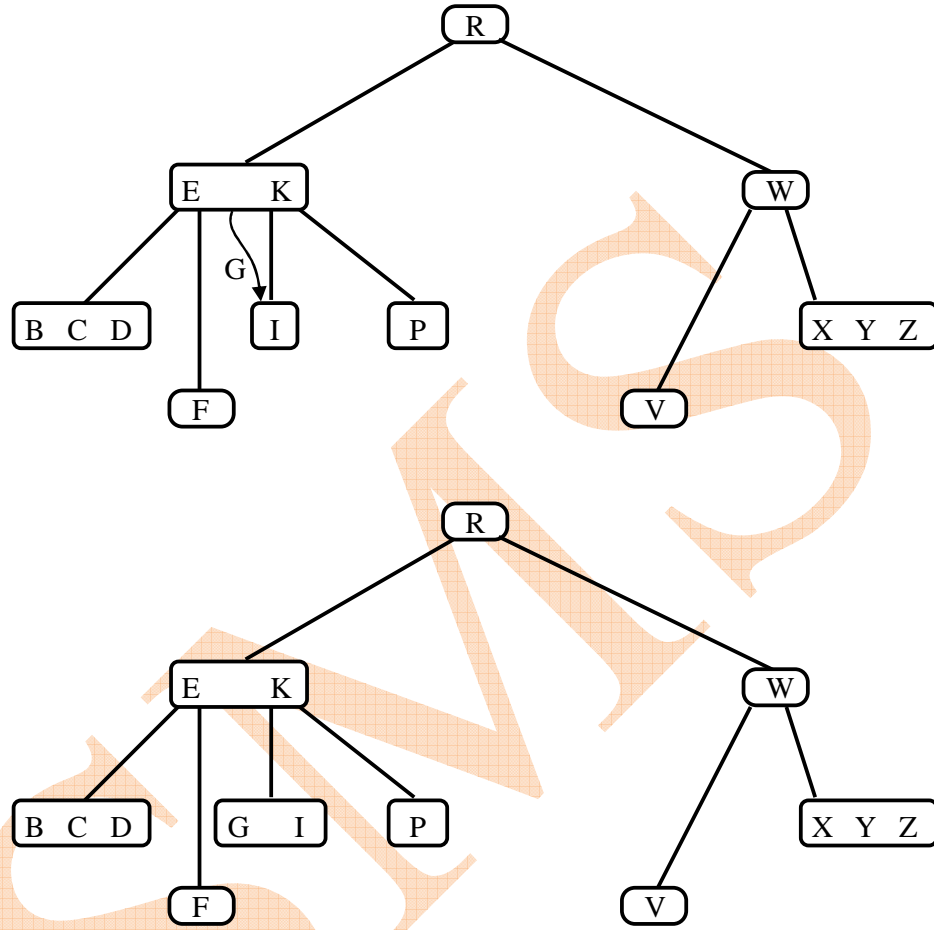
यदि हम 'H' को **Delete** करते हैं तो बहुत आसान है अर्थात् केवल 'H' को **Node** में से **Delete** कर देंगे -



यदि हम 'J' को मिटाते हैं तो हमें इसके **successor, K** को इसके स्थान पर कॉपी करना होगा -



यदि हम 'F' को मिटाते हैं, तो यहां **underflow** की स्थिति उत्पन्न हो जाएगी। देखा जाए तो यहां F के खत्म होते ही G का एक **child** खत्म हो जायेगा। अतः G को **remove** करके E के **child node** में भेज दिया जाएगा, तो इसमें निम्न स्थिति उत्पन्न हो जाएगी –



इस प्रकार दिए गए क्रम का **B-Tree** बनाया जा सकता है और किसी **B-Tree** में से किसी वांछित **key** को मिटाया भी जा सकता है।

### AVL Tree (Height Balanced Tree)

एक **Binary Tree**, जिसकी **height, h** है, पूर्ण रूप से सन्तुलित (**balanced**) तभी होता है यदि उसकी समस्त **leaves** या तो **level** या फिर **h-1 level** पर हैं और यदि **h-1 level** से कम **level** पर स्थित समस्त **Nodes** के दो **children** हैं।

हम यह भी कह सकते हैं कि यदि किसी **Binary Tree** की प्रत्येक **Node** की **left** से सबसे लम्बे **Path** की **Length**, **right** में सबसे लम्बे **Path** की **length** के लगभग बराबर होती है, तो वह **Binary Tree** एक **Balanced Tree** कहलाता है।

यदि किसी **Binary Tree** की प्रत्येक **Node** के लिए **Left Sub - Tree** की **height** और **Right Sub-Tree** की **height** में यदि केवल एक का अन्तर ही है, तो ऐसा **Binary Tree** **Height Balanced Tree** कहलाता है।

एक लगभग **Height Balance Tree** को **AVL Tree** कहा जाता है।

### Height Balance Tree का निर्माण

**Height Balance Tree** के लिए प्रत्येक **Node** का यह गुण होता है कि इसके **Left Sub-Tree** की **Height Right Sub-Tree** की **Height** से या तो 1 ज्यादा या बराबर या फिर 1 कम होती है। इसे **Balancing Factor (bf)** भी कह सकते हैं।

यदि दोनों **Sub – Trees** बराबर है तो, **bf=0**

यदि **Right Sub-Tree** की **height** बड़ी है, तो **bf = -1 (H(left)<H(Right))**

यदि **Left Sub-Tree** की **Height** बड़ी है तो **bf = +1 (H(left)>H(Right))**

अर्थात् **bf = left height – right height**

जब **Balancing Factor – 2** होता है तो हम **tree** को वामावर्त (**Anti-Clockwise**) घुमा देते हैं और जब **Balancing Factor+2** होता है तो हम **tree** को दक्षिणावर्त (**Clockwise**) घुमा देते हैं।

उदाहरण – 3 5 11 8 4 1 12 7 2 6 10  
को हमें **height balanced tree** बनाना है।

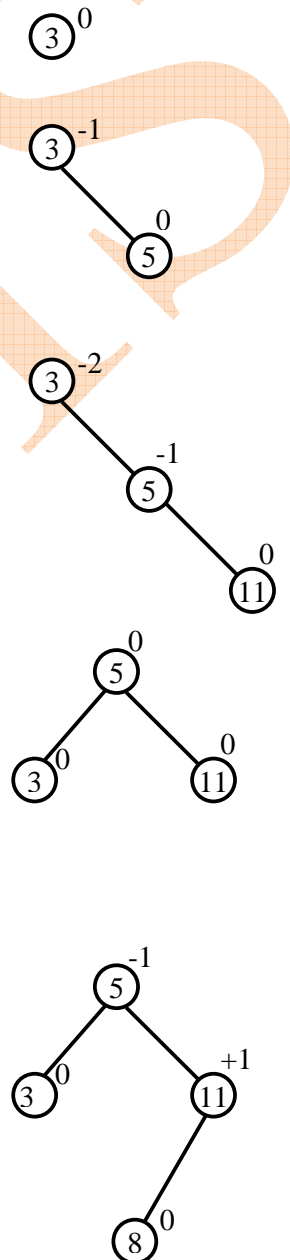
हम इस क्रिया को **root** अर्थात् **List** की पहली सूचना से प्रारम्भ करते हैं –

अब **Tree** में जोड़ने के लिए 5 है। यह पहले **tree** के **right** में जाएगा –

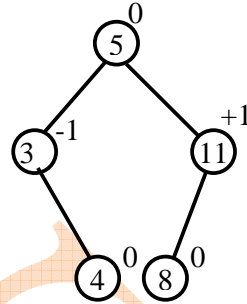
परिणामस्वरूप प्राप्त **tree** अभी भी **balanced** है। क्योंकि **bf = -1** है। अब हमारे पास **tree** में जोड़ने के लिए 11 है। यह 5 के **Right** में जाएगा–

चूँकि **bf** का मान **-2** हो गया है, इसलिए हम **Tree** को **Anti-clockwise** घुमा देंगे –

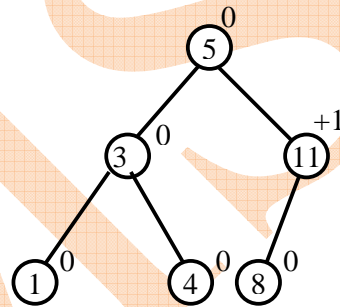
अब हमारे पास जोड़ने के लिए 8 है, यह 11 के **left** में जाएगा –



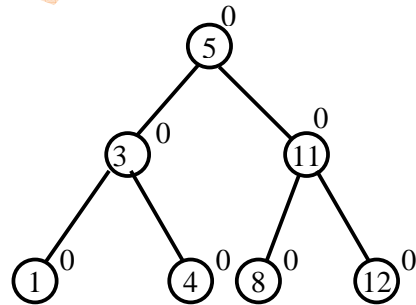
परिणामस्वरूप प्राप्त tree अभी भी **balanced** है। अब हमें 4 को जोड़ना है यह 3 के **right** में जाएगा -



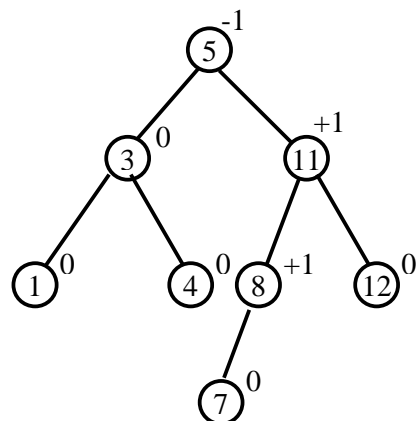
परिणामस्वरूप प्राप्त tree अभी भी **balanced** है। अब हमें 1 जोड़ना है। यह 3 के **left** में जाएगा -



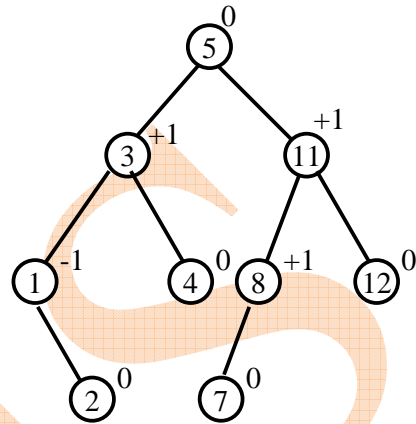
परिणामस्वरूप प्राप्त tree अभी भी **balanced** है। अब हमें 12 को जोड़ना है। यह 11 के **right** में जाएगा -



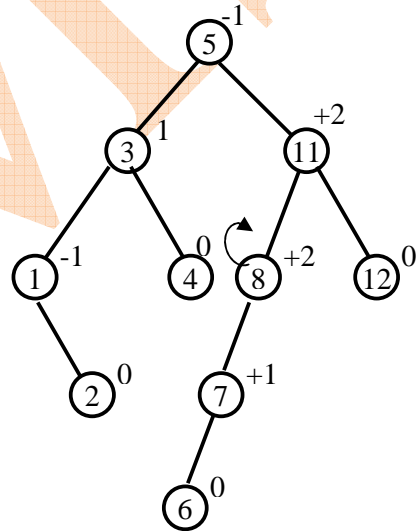
परिणामस्वरूप प्राप्त tree अभी भी **balanced** है। अब हमें 7 को जोड़ना है। यह 8 के **left** में जाएगा -



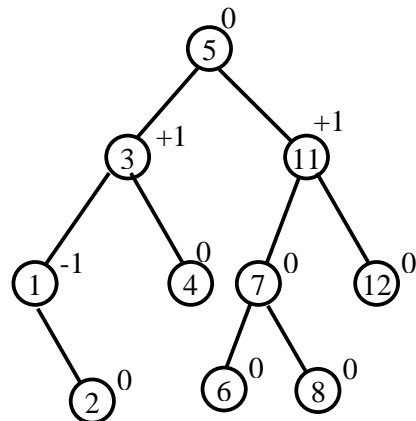
परिणामस्वरूप प्राप्त tree अभी भी **balanced** है। अब हमें 2 को जोड़ना है। यह 1 के **right** में जाएगा –



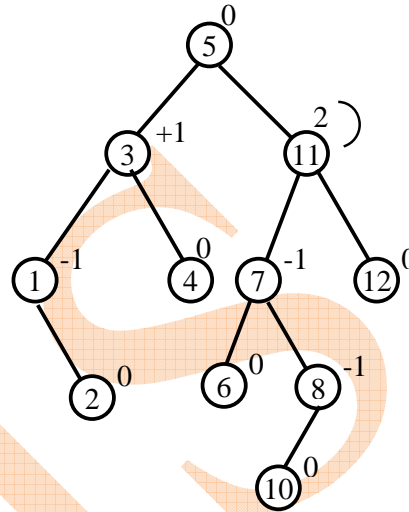
परिणामस्वरूप प्राप्त tree अभी भी **balanced** है। अब हमें 6 को जोड़ना है। यह 7 के **Left** में जाएगा –



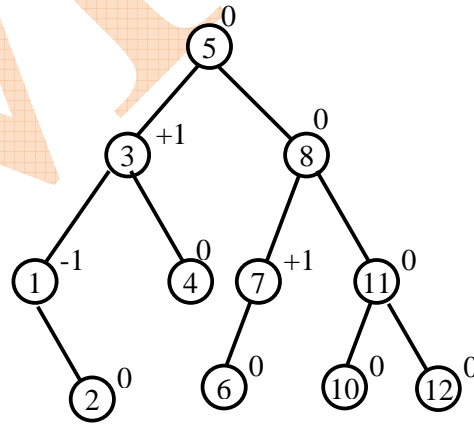
चूँकि **bf** का मान 2 हो गया है इसलिये हम tree को **clockwise** घुमा देंगे –



परिणामस्वरूप प्राप्त tree अब **balanced** है। अब हमें 10 को जोड़ना है। यह 8 के **right** में जाएगा –



चूँकि **bf** का मान 2 हो गया है इसीलिए हमें tree को **clock wise** घुमाना होगा। यदि हम 7 को **Promote** करते हैं, तो 7 के **right** वाला **sub tree** काफी लम्बा हो जाएगा और हमें अनेक बार **balancing** करनी पड़ेगी। इसीलिए हम 8 को **promote** करेंगे –



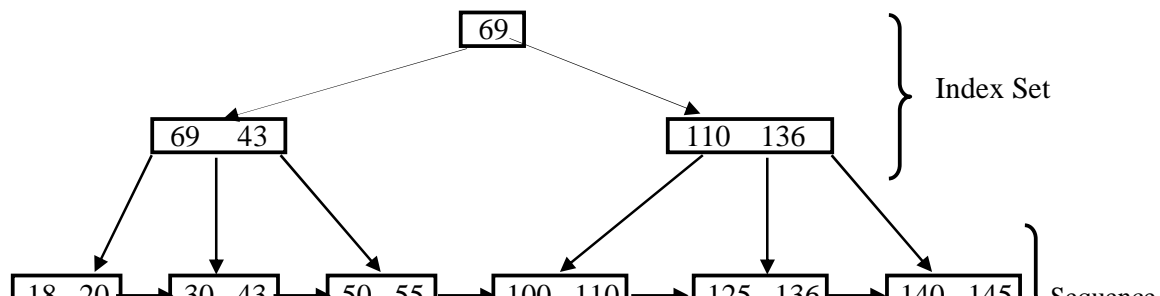
इस प्रकार प्राप्त tree ही अभीष्ट **Height Balanced Tree** है।

### B+ Tree

**B+ Tree Data Structure** B Tree का **Extension** है। इसे **Index File Organization** की **Technique** को **Implement** करने के लिए **Use** में लिया जाता है। **B+ Tree** के **2 Parts** होते हैं।

- (1) **Index Set**
- (2) **Sequence Set**

**B+ Tree** के अर्न्तगत **Leaf Node** का **Right Pointer** **Next Leaf Node** को **Point** करता है।



**Insert into B+ Tree:** - B Tree की तरह ही B+ Tree में भी नई Value को Insert किया जाता है जब Leaf Node को 2 Nodes में Split कर देते हैं।

**Deletion from B+ Tree:** - B+ Tree के अर्न्तगत किसी भी Key को Delete करना B Tree से आसान है। जब किसी भी Key Value को Leaf से Delete किया जाता है तो Index Set में से किसी Key को Delete करने की आवश्यकता नहीं होती है।

**B\* Tree :-** इस Data Structure को Knuth द्वारा बनाया गया था इसको बनाने का मुख्य उद्देश्य Insertion और Deletion में होने वाले Overhead को Reduce करना है। एक अन्य Primary उद्देश्य Search Performance को Improve करना भी था B\* Tree एक B Tree है जिसमें हर Node Half Full न होकर 2/3 Full होता है। B\* Tree के द्वारा Node Splitting को Reduce किया जाता है। जब Node Full हो जाते हैं तो उन्हें Split करने से पहले Re-Distribution Scheme को Use में लेते हैं। Insertion तथा Deletion Operation B Tree की तरह ही होते हैं।

## UNIT – IV

**Sorting:** - दिये गये elements को Ascending (आरोही) या descending (अवरोही) Order में जमाना **sorting** कहलाता है।

**Searching:** - दिये गये Item में से किसी एक Item को Findout करना **Searching** कहालाता है।

**Sorting** और **Searching** सामान्यतः file के records पर Perform की जाती हैं। इसलिये कुछ **Standard Terminology** को Use में लेते हैं।

Sorting

**Sorting** एक Important Operation है और Normally इसके लिए बहुत सारी Applications को Use में लिया जाता है। **Sorting** प्रायः एक List Of Elements पर Perform की जाती है। ऐसी List की **Sorting** को **Internal Sorting** कहते हैं जिसमें List के छोटे-छोटे भागों को Sort किया जाता है।

List पूर्ण रूप से Computer की Primary Memory में रहती है।

इसके विपरीत जब **Sorting** को Secondary Memory में Perform किया जाता है तो इस प्रकार की **Sorting** **External Sorting** कहते हैं।

**Classification of Sorting Methods:** - **Sorting** का सबसे Easy तरीका सबसे छोटी Key के साथ एक Element को चुनना होता है चुना गया Element Array से अलग हो जाता है। और बचे हुए element में से Again छोटे Element को चुना जाता है। इस तरीके को **Choosing Element With Sorting** कहा जाता है। इस तरह हम कई **Sorting Family** जैसे **Sorting With Merging**, **Sorting with insertion** व **Sorting with exchange** को में में लेते हैं। इन सभी तरीकों को **Comparative Sort** कहा जाता है। **Sorting** एक **Alternate Approach** है। जिसमें Elements को Arrays में Collect किया जाता है।

**Advantages of Sorting:** -

- (1) **Data Sensitiveness:** - कुछ **Sorting** की तरीको में **Sequence** का ध्यान रखा जाता है। इस तरीके के द्वारा data की **Sensitiveness** को प्रदर्शित किया जाता है। वहीं दूसरी ओर जो **Data Sensitive** नहीं होता है। वह **Working Type** का कुछ समय **Waste** कर देता है।
- (2) **Stability:** - जब कोई भी प्रारम्भिक List जिसमें Element होते हैं। जो कि **Sequence** में नहीं होते हैं के द्वारा कोई भी **Sorting** को Use में लिया जा सकता है।
- (3) **Storage Requirement:** - कुछ **Sorting** तरीके, **Original Array** के द्वारा **Re – Arrangement of Element** पर निर्भर करते हैं।

**Insertion Sort:** - इस **Sorting** में Set of Value से नहीं बल्कि उपलब्ध Sort file में Elements को Fill करते हैं। जैसे Array जिसमें N Element A[1], A[2].... AN Memory में है तो इसके लिए निम्न प्रकार के Steps को Follow किया जायेगा।

**Pass1:** A[1] पहले से Sorted है

**Pass2 :**A[2] को A[1] से पहले या बाद में Insert किया जायेगा इस प्रकार Array को Sort करेंगे।

**Pass3 :**A[3] का A[1] व A[2] से **Comparision** किया जायेगा यदि A[3], A[1] व A[2] से छोटा है तो A[3] को सबसे पहले Insert कर दिया जायेगा। यदि A[3], A[1] से बड़ा और A[2] से छोटा हो तो A[3] को A[1] और A[2] के बीच में Insert कर दिया जाएगा। यदि A[3], A[1] और A[2] दोनों से बड़ा है तो उसे दोनों के बाद Insert कर दिया जायेगा। अतः

**Pass4 :**इस प्रकार यह क्रम निरन्तर चलता रहेगा।

**Pass5 :**इस प्रकार Array के Elements को Proper Place पर Insert कर दिया जायेगा।

**Example:** - **Insertion Sort** को समझने के लिए निम्न Method को Use में लेते हैं।

निम्न Array दिया गया है।

77    33    44    11    88    22    66    55

इस Array को sort करने के लिए निम्न Steps को Follow करेंगे।



1. सबसे पहले Array में 77 को Store किया जाये।

77 33 44 11 88 22 66 55

2. अब 33 को Array में Insert करेंगे और Check करेंगे कि 33, 77 से छोटा है या बड़ा और comparison के बाद उसे उसके सही स्थान पर Insert कर दिया जायेगा।

77 33 44 11 88 22 66 55  
 33 77 44 11 88 22 66 55

3. अब 44 को Array में Insert करेंगे और Check करेंगे कि 44, 33 और 77 से छोटा है या बड़ा और comparison के बाद उसे उसके सही स्थान पर Insert कर दिया जायेगा।

33 77 44 11 88 22 66 55  
 33 44 77 11 88 22 66 55

4. अब 11 को Array में Insert करेंगे और Check करेंगे कि 11- 33, 77 और 44 से छोटा है या बड़ा और comparison के बाद उसे उसके सही स्थान पर Insert कर दिया जायेगा।

33 44 77 11 88 22 66 55  
 11 33 44 77 88 22 66 55

5. अब 88 को Array में Insert करेंगे और Check करेंगे कि 88- 33, 77, 44 और 11 से छोटा है या बड़ा और comparison के बाद उसे उसके सही स्थान पर Insert कर दिया जायेगा। 88 Array में Inserted सभी elements से बड़ा है। अतः इसे Array के Last में Insert किया जायेगा।

11 33 44 77 88 22 66 55

6. अब 22 को Array में Insert करेंगे और Check करेंगे कि 22- 33, 77, 44, 11 और 88 से छोटा है या बड़ा और comparison के बाद उसे उसके सही स्थान पर Insert कर दिया जायेगा। 22 Array में Inserted Value 11 से बड़ा और 33 से छोटा है अतः इसे 11 और 33 के बीच में Insert कर दिया जायेगा।

11 33 44 77 88 22 66 55  
 11 22 33 44 77 88 66 55

7. अब 66 को Array में Insert करेंगे और Check करेंगे कि 66- 11, 22, 33, 44, 77 और 88 से छोटा है या बड़ा और comparison के बाद उसे उसके सही स्थान पर Insert कर दिया जायेगा। 66 Array में Inserted Value 44 से बड़ा और 77 से छोटा है अतः इसे 44 और 77 के बीच में Insert कर दिया जायेगा।

11 22 33 44 77 88 66 55  
 11 22 33 44 66 77 88 55

8. अब 55 को Array में Insert करेंगे और Check करेंगे कि 55- 11, 22, 33, 44, 66, 77 और 88 से छोटा है या बड़ा और comparison के बाद उसे उसके सही स्थान पर Insert कर दिया जायेगा। 55 Array में Inserted Value 44 से बड़ा और 66 से छोटा है अतः इसे 44 और 66 के बीच में Insert कर दिया जायेगा।

11 22 33 44 66 77 88 55  
 11 22 33 44 55 66 77 88

Algorithm of Insertion Sort

- Algorithm -
1. Set  $K = 1$
  2. For  $k = 1$  to  $(n-1)$
  3. Set  $temp = a(k)$
  4. Set  $j = (k-1)$   
While  $temp < a(j)$  and  $(j >= 0)$  perform the following steps; set  $a(j+1) = a(j)$   
[End of loop structure]  
Assign the value of  $temp$  to  $a(j+1)$   
[End of for loop structure]
  5. Exit

**Selection Sort:** - ये Technique Minimum Maximum Element पर निर्भर करती हैं। इसके लिए सबसे पहले Minimum Value को Select किया जायेगा। और उसे Array की First Position पर रख दिया जायेगा। उसके बाद 2nd Minimu Element को find करेंगे और उससे 2nd Position से Exchange कर दिया जाएगा

**Pass1 :** Find the location LOC of the smallest in the list of elements

$A[1], A[2], \dots, A[N]$ , and then interchange  $A[LOC]$  and  $A[1]$ . Then:

**Pass2 :** Find the location LOC of the smallest in the sublist of  $N - 1$  elements

$A[2], A[3], \dots, A[N]$ , and then interchange  $A[LOC]$  and  $A[2]$ . Then:

$A[1], A[2]$  is sorted, since  $A[1] \leq A[2]$ .

**Pass3 :** Find the location LOC of the smallest in the sublist of  $N - 2$  elements

$A[3], A[4], \dots, A[N]$ , and then interchange  $A[LOC]$  and  $A[3]$ . Then:

$A[1], A[2], \dots, A[3]$  is sorted, since  $A[2] \leq A[3]$ .

.....  
.....

**Pass  $N - 1$**  Find the location LOC of the smaller of the elements  $A[N-1], A[N]$ , and then interchange  $A[LOC]$  and  $A[N-1]$ . Then:

Thus  $A$  is sorted after  $N - 1$  passes.

**Example:** - Selection Sort को समझने के लिए निम्न Method को Use में लेते हैं।

निम्न Array दिया गया है।

77    33    44    11    88    22    66    55

इस Array को sort करने के लिए निम्न Steps को Follow करेंगे।

1. सबसे पहले Array के Minimum Element को Findout करेंगे।
2. Array का Minimum Element 11 है। इसे Array के 0 Index से Replace कर दिया जाएगा।

77	33	44	11	88	22	66	55
a[0]	a[1]	a[2]	a[3]	a[4]	a[5]	a[6]	a[7]
11	33	44	77	88	22	66	55
a[0]	a[1]	a[2]	a[3]	a[4]	a[5]	a[6]	a[7]

3. अब  $a[1]$  से  $a[7]$  तक में से **Minimum Element** को **Find Out** करेंगे। **Minimum Element 22** है। उसे  $a[1]$  से **Replace** कर दिया जाएगा।

11	33	44	77	88	22	66	55
$a[0]$	$a[1]$	$a[2]$	$a[3]$	$a[4]$	$a[5]$	$a[6]$	$a[7]$

11	22	44	77	88	33	66	55
$a[0]$	$a[1]$	$a[2]$	$a[3]$	$a[4]$	$a[5]$	$a[6]$	$a[7]$

4. अब  $a[2]$  से  $a[7]$  तक के **Minimum Element** को **Find Out** करेंगे **Minimum Element 33** है। इसे  $a[3]$  से **Replace** कर दिया जायेगा।

11	22	44	77	88	33	66	55
$a[0]$	$a[1]$	$a[2]$	$a[3]$	$a[4]$	$a[5]$	$a[6]$	$a[7]$

11	22	33	77	88	44	66	55
$a[0]$	$a[1]$	$a[2]$	$a[3]$	$a[4]$	$a[5]$	$a[6]$	$a[7]$

5. अब  $a[3]$  से  $a[7]$  तक के **Minimum Element** को **Find Out** करेंगे **Minimum Element 44** है। इसे  $a[3]$  से **Replace** कर दिया जायेगा।

11	22	33	77	88	44	66	55
$a[0]$	$a[1]$	$a[2]$	$a[3]$	$a[4]$	$a[5]$	$a[6]$	$a[7]$

11	22	33	44	88	77	66	55
$a[0]$	$a[1]$	$a[2]$	$a[3]$	$a[4]$	$a[5]$	$a[6]$	$a[7]$

6. अब  $a[4]$  से  $a[7]$  तक के **Minimum Element** को **Find Out** करेंगे **Minimum Element 55** है। इसे  $a[4]$  से **Replace** कर दिया जायेगा।

11	22	33	44	88	77	66	55
$a[0]$	$a[1]$	$a[2]$	$a[3]$	$a[4]$	$a[5]$	$a[6]$	$a[7]$

11	22	33	44	55	77	66	88
$a[0]$	$a[1]$	$a[2]$	$a[3]$	$a[4]$	$a[5]$	$a[6]$	$a[7]$

7. अब  $a[5]$  से  $a[7]$  तक के **Minimum Element** को **Find Out** करेंगे **Minimum Element 66** है। इसे  $a[5]$  से **Replace** कर दिया जायेगा।

11	22	33	44	55	77	66	88
$a[0]$	$a[1]$	$a[2]$	$a[3]$	$a[4]$	$a[5]$	$a[6]$	$a[7]$

11	22	33	44	55	66	77	88
$a[0]$	$a[1]$	$a[2]$	$a[3]$	$a[4]$	$a[5]$	$a[6]$	$a[7]$

8. अब  $a[6]$  से  $a[7]$  तक के **Minimum Element** को **Find Out** करेंगे **Minimum Element 77** है। यह अपनी स्थान पर ही है। अतः इसे **Sort** करने की आवश्यकता नहीं है।

11	22	33	44	55	66	77	88
a[0]	a[1]	a[2]	a[3]	a[4]	a[5]	a[6]	a[7]

**Algorithm of Selection Sort:** - यह एल्गोरिथम आसानी से प्रारम्भ की जा सकती है।

- जैसे –
1. Repeat steps 2 and 3 for  $k=1, 2, \dots, n-1$ :
  2. Call  $\text{min}(a, k, n, \text{loc})$ .
  3. [Interchange  $a[k]$  and  $a(\text{loc})$ ]  
Set temp :  $a(k) := a(\text{loc})$  and  $a(\text{loc}) := \text{temp}$ .  
[End of step 1 loop]
  4. Exit.

### Heap Sort

**Heap** एक **Binart Tree** है, जिसकी **Parent Node** हमेशा **Child Node** से बड़ी होगी। **Heap Sorting** में एक दी हुई **List** को **Heap** में बदलते हुए इस प्रकार से **Arrange** करते हैं कि वह **List** स्वतः ही **Sort** हो जाए।

**Heap Sort** की तकनीक में हम **Element** को एक-एक करके **tree** में **Insert** कर देते हैं और यदि **Insert** किया गया **Element**, **Parent Node** से बड़ा है तो उस **Node** को **Parent Node** के साथ **swap** कर देते हैं। इस विधि को अच्छी तरह समझने के लिए हम एक उदाहरणकी सहायता लेंगे। नीचे एक **Unsorted List** के **Elements** को दर्शाया गया है –

44    30    50    22    60    55    77

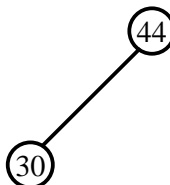
**Heap Sorting** के लिए **tree** बनाते हुए **Node** को **preorder** के रूप में **Insert** करते हैं अर्थात् पहली **Node** को **root** पर, दूसरी **Node** को **Left** में, तीसरी **Node** को **Right** में तथा इसी क्रम में आगे तक **Nodes** को **Tree** में **Insert** करते हैं।

**Step 1 -** 44 को हम **Tree** में **Insert** करेंगे, चूँकि **Tree** अभी तक ही नहीं बना है इसीलिये 44 ही **parent Node** बन जाएगी।

(44)

अतः अब **List –44**।

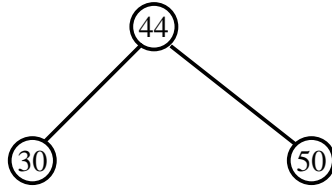
**Step 2 -** अब हमें 30 को **Heap Tree** में **Insert** करना है चूँकि हम यह पहले ही बता चुके हैं **Heap Tree** में **Insertion** करते हुए पहले **Root**, फिर **Left** में **Node** को **Insert** करते हैं। इसीलिये हम 30, 44 के **Left** में डालेंगे।



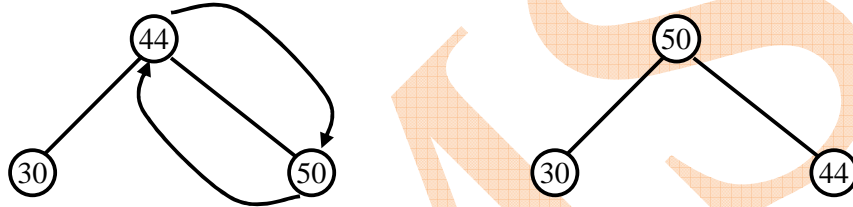
अतः अब List – 44, 30 ।

**Step 3 -**

अब हमें 50 को Heap Tree में Insert करना है, Insertion के नियम के अनुसार root अर्थात् 44 के right में Insert करेंगे ।



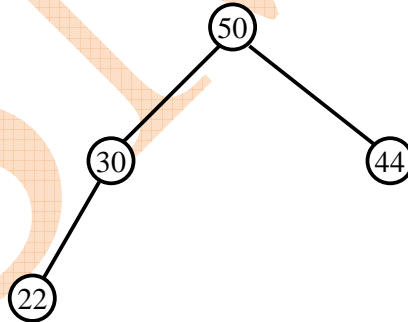
यहाँ पर हमने देखा कि उपरोक्त Tree के Child Node का मान Parent Node के मान से बड़ा है इसीलिए हम इन दोनों की Swapping कर देंगे ।



अतः अब List – 50, 30, 44 ।

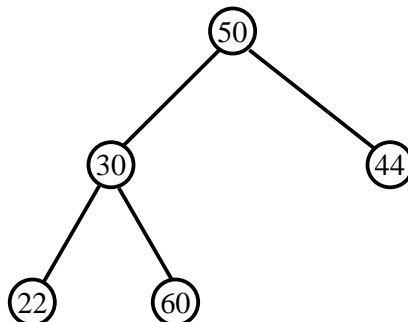
**Step 4 -**

अब हमें प्राप्त Tree में 22 को Insert करना है। चूंकि Root (50) के दोनों ओर (left एवं right में) Data Save है इसीलिए हम Root के Left child को एक sub-tree का root मानकर इसके Left में 22 को Insert करेंगे ।

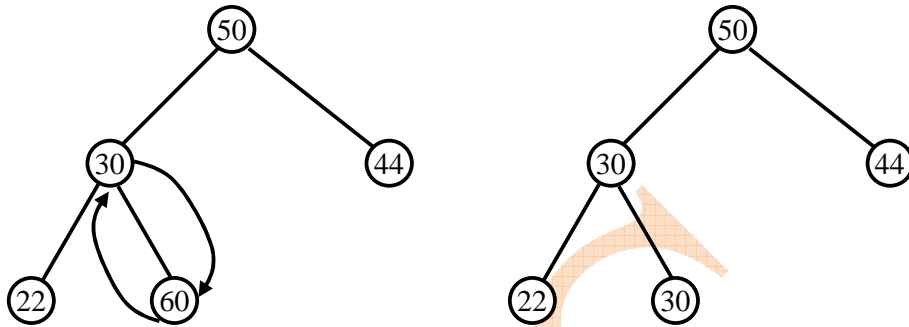


**Step 5 -**

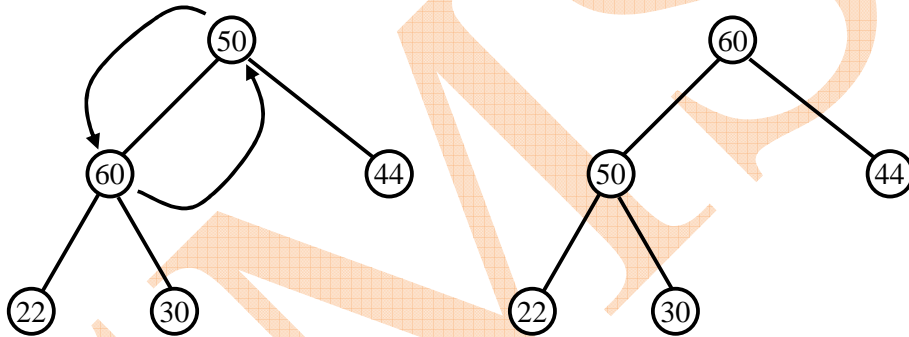
यहां पर हमें 60 को Insert करना है, चूंकि हम यहां Root के Left Tree में Insertion कर रहे हैं इसीलिए 60 को 30 के Right में Save करेंगे ।



यहां पर हमने देखा **child node** का मान **parent Node** के मान से बड़ा हो गया है इसीलिए हम इन दोनों की **Swapping** कर देंगे।



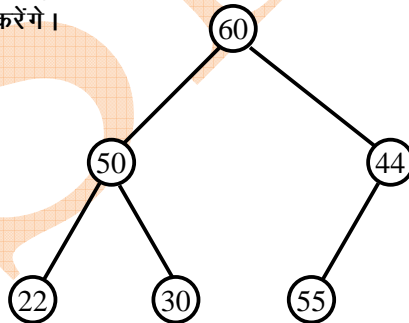
दोबारा हमने यहां देखा कि **child node (60)** का मान **Parent Node (50)** से बड़ा है इसीलिये हम इन दोनों की **Swapping** कर देंगे।



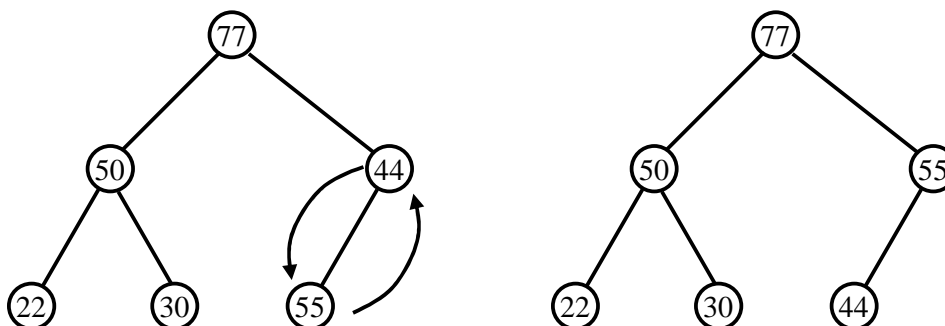
अतः अब **List – 60, 50, 44, 22, 30**।

**Step 6 -**

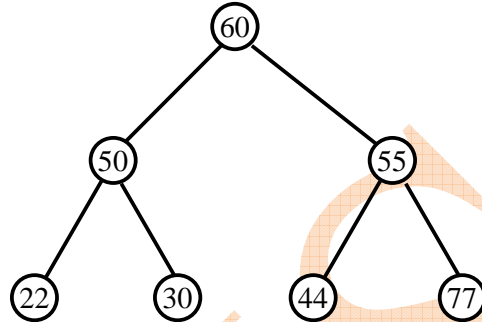
अब हमें **55** को **Insert** करना है, चूंकि हम **Root** के **Left sub-tree** के दोनों ओर **Insertion** का चुके हैं इसीलिए अब हम **Root** के **Right sub-tree** के **Left** में **Node** को **Insert** करेंगे।



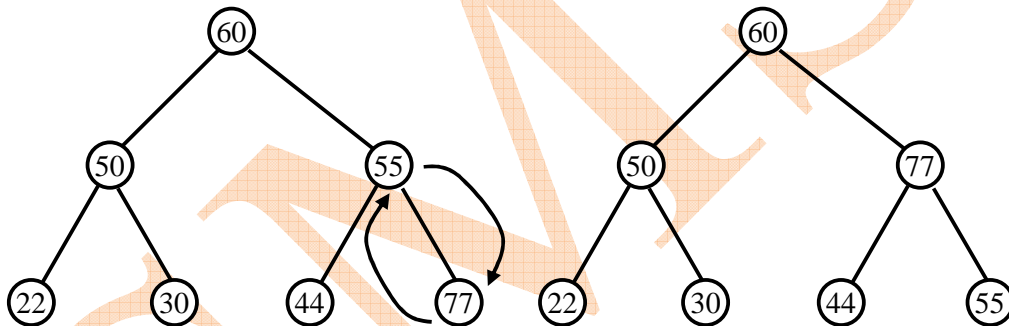
यहां पर हमने देखा **child node** का मान **Parent Node** के मान से बड़ा हो गया है इसीलिए हम इन दोनों की **Swapping** कर देंगे।



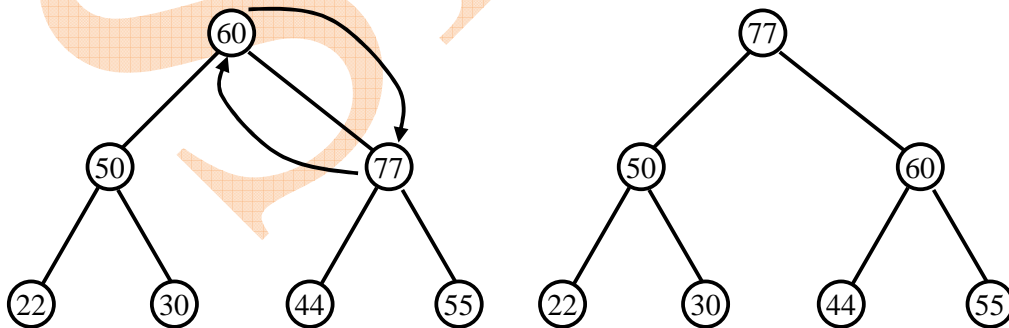
अतः अब List – 60, 50, 55, 22, 30, 44।  
**Step 7 -** अब हमें 77 को Insert करना है, चूंकि हम root के right sub-tree के Left में Insertion कर चुके हैं इसीलिए अब हम root के Right sub-tree के right में Node को Insert करेंगे।



यहां पर हमने देखा child node का मान Parent Node के मान से बड़ा हो गया है इसीलिए हम इन दोनों की Swapping कर देंगे।



दोबारा हमने यहां देखा कि Child Node (77) का मान Parent Node (60) से बड़ा है इसीलिए हम इन दोनों की Swapping कर देंगे।



अतः अब List – 77, 50, 60, 22, 30, 44, 55।

अब, चूंकि List को Increasing/Accending Order में sort करना है, अतः हमें List के पहले Element (77) और अन्तिम Element (55) की Swapping करनी होगी।

अतः अब List – 55, 50, 60, 22, 30, 44, 77।

अब 77 Sort हो चुका है, List के अन्य element को Sort करने के लिए List के इस Sorted Element को छोड़कर, अन्य Unsorted Elements पर उपरोक्त प्रक्रिया पुनः दोहराई जाती हैं।

**Step 1-** set in R, root, par, son, temp (R, root, par, son व temp को initialize करें।)

- Step 2-** Repeat for  $k = n, k \leq 1$  ( $k$  का मान  $n$  सुरक्षित करें और **step 3** से **ste 15** तक दोहराएँ जब तक  $k$  का मान  $1$  के बराबर या बड़ा हो।)
- Step 3-** call wapt with  $\&A[1], \&A[k]$   
( $A[1]$  व  $A[k]$  को Swap करने के लिए **function** को कॉल करें।)
- Step 4-** set  $par = 1$  ( $part$  का मान  $1$  सुरक्षित करें।)
- Step 5-** set  $son = par \times 2$  (**Son Variable** में  $par$  का दुगुना मान सुरक्षित करें।)
- Step 6-** set  $root = A[1]$  (**root variable** में  $A[1]$  अर्थात् **array** का पहला **element** सुरक्षित करें।)
- Step 7-** check whether  $(son + 1) < 1$  (जांचें कि क्या  $(son + 1)$  का मान  $K$  से छोटा है।)  
if yes then (यदि हां तो)  
check whether  $A[son+1] > A[son]$  (जांचें कि क्या  $A[son+1]$  का मान  $A[son]$  से बड़ा है।)  
if yes then (यदि हां तो  $son$  में  $1$  Increment करें।)  
 $son++$  (यदि हां तो  $son$  में  $1$  Increment करें।)
- Step 8-** Repeat while  $[son \leq (k-1) \text{ and } A[son] > root]$   
(**step 9** से **step 15** तक दोहराएँ जब तक  $son$  का मान  $k-1$  से छोटा या बराबर है और  $A[son]$  का मान  $root$  से बड़ा है।)
- Step 9-** set  $A[par] = A[son]$  ( $A[par]$  में  $A[son]$  का मान सुरक्षित करें।)
- Step 10-** set  $par = son$  ( $par$  में  $son$  का मान सुरक्षित करें।)
- Step 11-** set  $son = par \times 2$  ( $son$  में  $par$  के दुगुने मान को सुरक्षित करें।)
- Step 12-** Check whether  $(son+1) < k$  (जांचें कि क्या  $(son+1)$   $k$  से छोटा है।)  
if yes then (यदि हां तो)  
Perform **Step 13** **Step 13** का अनुसरण करें  
else अन्यथा  
Perform **step 14** **Step 14** का अनुसरण करें।)
- Step 13-** check whether  $A[son+1] > A[son]$   
(जांचें कि क्या  $A[son+1]$  का मान  $A[son]$  से बड़ा है।)  
if yes then (यदि हां तो  $son$  में एक का **increment** करें।)  
 $son++$  (यदि हां तो  $son$  में एक का **increment** करें।)
- Step 14-** check whether  $son > n$  (जांचें कि क्या  $son$  का मान  $n$  से बड़ा है।)  
if yes then (यदि हां तो  $son$  में  $n$  सुरक्षित करें।)  
set  $son = n$  (यदि हां तो  $son$  में  $n$  सुरक्षित करें।)  
[End of If condition]
- Step 15-** set  $A[par] = root$  ( $A[par]$  में  $root$  का मान सुरक्षित करें।)  
[End of loop of step 8]  
[end of loop of step 2]
- Step 16-** Exit

### Bubbles Sort

**Algorithm** – माना कि  $n$  Elements का एक **Linear Array** है, **temp Element** की **Interchanging** के लिये अस्थायी **Variable** है –

1. Input  $n$  elements of an array  $a$ .
2. Initialize  $i=0$
3. Repeat through step 6 while  $(i < n)$
4. Set  $i=0$
5. Repeat through step 6 while  $(i < n-i-1)$
6. If  $(a[i] > a[j+1])$ 
  - (i)  $temp = a(j)$ .
  - (ii)  $a[j] = a(j+1)$ .



(iii)  $a(j+1) = \text{temp}$ .

7. Display the sorting elements of array a.

8. Exit.

**For Example:-** The following array is given:-

इस प्रकार के Array में adjacent number को compare किया जाता है।

यदि  $a[i] > a[i+1] = \text{exchange}$ if  $a[i] < a[i+1] = \text{no change}$ 

11	15	2	13	6
$a[0]$	$a[1]$	$a[2]$	$a[3]$	$a[4]$

इसमें अलग अलग passes को perform किया जाता है। जब तक array के last element तक ना पहुँच जाए।

**PASS 1:**1. दिए गए Array  $a[0]$  को  $a[1]$  से compare करवाएँगे।if  $a[0] > a[1] = \text{exchange}$ 

and

if  $a[0] < a[1] = \text{no change}$ 

11, 15 से छोटा है। अतः no change

11	15
$a[0] < a[1] = \text{no change}$	

2	13	6
---	----	---

2. दिए गए Array  $a[1]$  को  $a[2]$  से compare करवाएँगे।if  $a[1] > a[2] = \text{exchange}$ 

and

if  $a[1] < a[2] = \text{no change}$ 

15, 2 से बड़ा है। अतः exchange

11	15	2	13	6
$a[1] > a[2] = \text{exchange}$				

11	2	15	13	6
----	---	----	----	---

3. दिए गए Array  $a[2]$  को  $a[3]$  से compare करवाएँगे।if  $a[2] > a[3] = \text{exchange}$ 

and

if  $a[2] < a[3] = \text{no change}$ 

15, 13 से बड़ा है। अतः exchange

11	2	15	13	6
$a[2] > a[3] = \text{exchange}$				

11	2	13	15	6
----	---	----	----	---

4. दिए गए Array  $a[3]$  को  $a[4]$  से compare करवाएँगे।if  $a[3] > a[4] = \text{exchange}$ 

and

if  $a[3] < a[4] = \text{no change}$ 

15, 6 से बड़ा है। अतः exchange

11	2	13	15	6
$a[3] > a[4] = \text{exchange}$				

11	2	13	6	15
----	---	----	---	----

**PASS 2:**

Now the array is:

11	2	13	6	15
$a[0]$	$a[1]$	$a[2]$	$a[3]$	$a[4]$

1. दिए गए Array  $a[0]$  को  $a[1]$  से compare करवाएँगे।if  $a[0] > a[1] = \text{exchange}$ 

and

if  $a[0] < a[1] = \text{no change}$ 

11, 2 से बड़ा है। अतः exchange

11                      2                      13                      6                      15  
 $a[0] > a[1] = \text{exchange}$

- 2                      11                      13                      6                      15  
 2. दिए गए Array a[1] को a[2] से compare करवाएंगें।  
 if  $a[1] > a[2] = \text{exchange}$  and if  $a[1] < a[2] = \text{no change}$   
 11,13 से छोटा है। अतः no change

2                      11                      13                      6                      15  
 $a[1] < a[2] = \text{no change}$

3. दिए गए Array a[2] को a[3] से compare करवाएंगें।  
 if  $a[2] > a[3] = \text{exchange}$  and if  $a[2] < a[3] = \text{no change}$   
 13,6 से बड़ा है। अतः exchange

2                      11                      13                      6                      15  
 $a[2] > a[3] = \text{exchange}$

- 2                      11                      6                      13                      15  
 4. दिए गए Array a[3] को a[4] से compare करवाएंगें।  
 if  $a[3] > a[4] = \text{exchange}$  and if  $a[3] < a[4] = \text{no change}$   
 13,15 से छोटा है। अतः no change

2                      11                      6                      13                      15  
 $a[3] < a[4] = \text{no change}$

**PASS 3:-**

Now the array is:

2                      11                      6                      13                      15  
 a[0]                      a[1]                      a[2]                      a[3]                      a[4]

1. दिए गए Array a[0] को a[1] से compare करवाएंगें।  
 if  $a[0] > a[1] = \text{exchange}$  and if  $a[0] < a[1] = \text{no change}$   
 2,11 से छोटा है। अतः no change

2                      11                      6                      13                      15  
 $a[0] < a[1] = \text{no change}$

2. दिए गए Array a[1] को a[2] से compare करवाएंगें।  
 if  $a[1] > a[2] = \text{exchange}$  and if  $a[1] < a[2] = \text{no change}$   
 11,6 से बड़ा है। अतः exchange

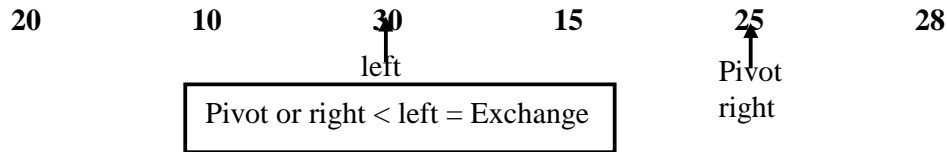
2                      11                      6                      13                      15  
 $a[1] > a[2] = \text{exchange}$

3. दिए गए Array a[2] को a[3] से compare करवाएंगें।  
 if  $a[2] > a[3] = \text{exchange}$  and if  $a[2] < a[3] = \text{no change}$   
 11,13 से छोटा है। अतः no change

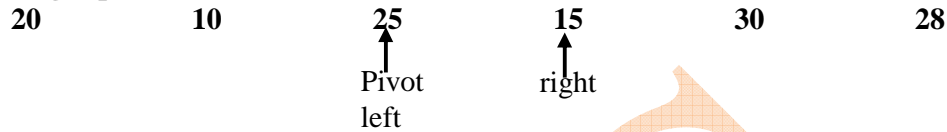
2                      6                      11                      13                      15  
 $a[2] < a[3] = \text{no change}$

4. दिए गए Array a[3] को a[4] से compare करवाएंगें।  
 if  $a[3] > a[4] = \text{exchange}$  and if  $a[3] < a[4] = \text{no change}$





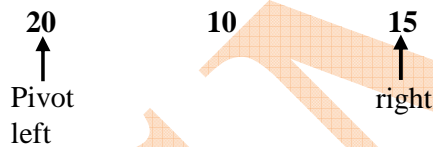
- (5) क्योंकि pivot left side में आ चुका है अतः pivot के right में pivot से बड़ी values आनी चाहिए अतः अब right pointer को आगे बढ़ायेंगे ।



Pivot or left > right = Exchange

- (6) अतः अब pivot अपनी सही position पर आ चुका है । pivot के left में सारी pivot से छोटी values है और pivot के right में pivot से बड़ी values है । अतः अब array को तीन parts में divide कर देंगे । first array में pivot से छोटी values को रखेंगे second array में pivot को रखेंगे तथा third array में pivot से बड़ी values को रखा जायेगा । अब first और third array की अलग अलग sorting करेंगे और उसे बाद में pivot के साथ add कर दिया जायेगा ।

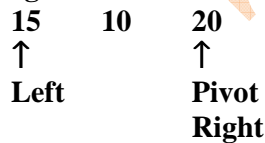
- (7) pivot से छोटे elements के array को sort करेंगे । Pivot से छोटे elements का array निम्न है :-



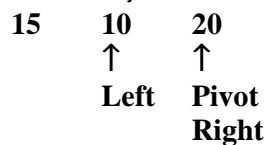
- (8) उपरोक्त array में 20 को pivot माना है अब Pivot और Right Pointer को Compare करेंगे । यदि Right Pointer Pivot से छोटा है तो Right वाले Element को Pivot से Exchange कर दिया जायेगा ।



Pivot, right Pointer से बड़ा है अतः इसे Exchange करेंगे ।



- (9) इस प्रकार Pivot Right में आ चुका है । और Right के Left वाली सभी values right से छोटी होनी चाहिए अतः Left को आगे बढ़ायेंगे ।



**Left Pointer** वाला **Element Pivot** से छोटा हैं। अतः **No Exchange** अब इसे **Pivot** वाले **Array** में **Add** कर देंगे। क्योंकि जब **Left** को आगे बढ़ाएंगे तो **Left Pivot** और **right** तीनों एक ही **element** को **Point** करेंगे। अतः **Array Sorted** हैं।

15    10    20    25

(10) अब **Pivot** के **right side** वाले **Array** को **sort** करेंगे

30            28

(11) 30 को **Pivot** मानेंगे और **Left Pointer** भी 30 को **Point** करेगा। **Right Pointer** 28 को **Point** करेगा।

30            28  
 ↑            ↑  
**Pivot**        **Right**  
**Left**

अब **Pivot** को **right Pointer** से **Compare** करेंगे। यदि **Pivot right** से बड़ा है तो उसे **exchange** कर दिया जाएगा।

28            30  
 ↑            ↑  
**Left**        **Pivot**  
                  **Right**

क्योंकि **Pivot Right** में आ चुका हैं अतः **Pivot** के **Left** में **Pivot** से छोटी **Values** होनी चाहिए अतः **Left** को आगे बढ़ाएंगे।

28            30  
                  ↑  
                  **Left**  
                  **Right**  
                  **Pivot**

अतः **Array Sorted** हैं अब इसे **Pivot** के साथ **Pivot** के **right** में **add** कर देंगे।

15    10    20    25    28    30

(12) इस प्रकार **quick sort** के द्वारा **Array** को **sort** किया जाता हैं

**Algorithm For Quick Sort**

**Step 1 :** [Initially]

**Left = l**

**Right = R**

**Pivot = a[(l+r)/2]**

**Step 2 :** Repeat through step 7 while (left <= high)

**Step 3 :** Repeat step 4 while (Left<=Right)

**Step 4 :** Left = Left + 1

**Step 5 :** Repeat step 6 while (a [[Right] < pivot})

**Step 6 :** Right = Right – 1

**Step 7 :** If (left <= Right)

(i) Temp = a (left)

(ii) a(left) = (Right)

(iii) a (Right) = temp

(iv) left = left + 1

(v) Right = Right + 1

**Step 8 :** If (l, right) quick\_sort (a, l , right)

**Step 9 :** If (left<R) quick\_sort (a, left, r)

**Step 10:** Exit

Searching

**Searching** का अर्थ है ढूँढना। **Searching** द्वारा किसी भी **List** में सुरक्षित किसी **element** को ढूँढा जा सकता है। **Searching** किसी भी **List** अर्थात् कुछ **Elements** का समुह है जो **Link** के द्वारा जुड़े रहते हैं में से किसी **Element** की **Location** को ढूँढने के लिए की जाती है। **Searching** का **Successful** या **Unsuccessful** होना पूर्णतः **Element** के मिलने या न मिलने पर निर्भर करता है अर्थात् यदि **element list** में मिल जाता है तो **Searching successful** कहलाती है और यदि **element list** में नहीं मिलता है तो **Searching Unsuccessful** कहलाती है **Searching** की **algorithm list** में **stored elements** के **Data Structure** के **type** पर निर्भर करती है। अतः यदि एक **array** में **searching** करते हैं तो उसकी **algorithm** अलग होगी और यदि एक **List** में **Searching** करते हैं तो उसकी **algorithm** अलग होगी। **Fast Searching** के लिए दो **Searching methods** को **Use** में लिया जाता है।

(1) **Linear** या **Sequential Search**

(2) **Binary Search**

(1) **Linear** या **Sequential Search**: - यह सबसे **Easiest Searching Method** है **Sequential Search** की तुलना **single key** के उपर की जाती है। **Linear Search** में हम क्रम से एक-एक करके **Array** के हर **Element** तक पहुँचते हैं और देखते हैं कि वह **element** दिया गया **element** है या नहीं यदि **element** मिल जाता है तो वह **Successful Search** कहलाएगी और यदि **Element** नहीं मिलता है तो वह **Unsuccessful Search** कहलाएगी। यह एक ऐसी तकनीक है जो दिए गए **Item** को **Locate** करने के लिए **Squentially Array** को **Traverse** करता है।

**Effeciency of Sequential Search**: - इसमें दिया गया समय अथवा **comparision** के **No. Searching** में **Record** बनाते हैं जो **Technique** की **Capacity** पर आधारित होता है यदि दिया गया **element first position** पर है तो केवल एक **Search Table** का **Comparision** बनेगा। यदि दिया गया **Element Last** में है तो **N Comparisions** होंगे और यदि **element array** के बीच में कहीं पर है तो **(N+1)/2 comparision** होंगे। इसके लिए निम्न **algorithm** है

**Algorithm** - यह **Algorithm a** में **Item** के **Loc, Location** को प्राप्त करता है, या **Sets loc = 0** यदि **Search** असफल है।

1. [insert item at the end of data] set data [n+1] = item
2. [initialize counter] set loc = 1.
3. [search for item]  
Repeat while data [loc] = item;  
set loc = loc+1.
4. [successfull] if loc = n+1, then set loc = 0
5. Exit.

**Binary Search**: - यह **Data Structure Sorted Array** और **Link List** दोनों का **Combination** है इस **Search** के कुछ **Important Points** निम्न हैं।

- (1) **Bianry Search Recursive** है। यह निर्धारित करता है कि **Search Key Array** के नीचे या उपर वाले आधे भाग पर स्थित है या नहीं
- (2) यहाँ एक **Termination Condition** है
  - (i) यदि **Low > high** तब **partition** यह **Search** करता है कि कोई **element** इसमें नहीं है।
  - (ii) यदि यहाँ पर **Current Partition** के मध्य में **Element** के साथ एक **Match** है तो **Easily Element** से वापस जा सकते हैं।
- (3) **Array** को तब तक **Search** करना जब तक कि सही **Point** द्वारा **Insert** करवाया गया नया **Item** प्राप्त न हो जाए।
- (4) सभी **Items** को एक स्थान पर **Move** करना
- (5) नये **Item** को खाली स्थान में **Insert** करना।
- (6) **Binary Search** को **Static** घोषित किया जाता है यह एक **Local Function** है। जो सभी **Programs** के द्वारा **Access** किया जा सकता है।
- (7) दिये गए **Element** को **Array** में **Search** करने के लिए निम्न **Steps** को **Follow** करेंगे।
  - (i) **Beg Array** के **first element** को **Point** करेगा।
  - (ii) **End Array** के **Last Element** को **Point** करेगा।

- (iii) अब **Begning** और **end** वाले **Index** से **Middle Value** को **Find out** किया जाएगा।
- (iv) अब **Check** करेंगे कि जिस **Item** को **Search** करना है वह **Middle Value** से बड़ा है या छोटा।
- (v) यदि दिया गया **Item Middle Value** से छोटा है तो उसे **Middle** से पहले वाले **Array** में **Search** करेंगे।
- (vi) यदि दिया गया **Item Middle Value** से बड़ा है तो उसे **Middle** से बाद वाले **Array** में **Search** करेंगे।

इस प्रकार हर बार **Begning** और **End** को **Set** किया जाएगा और **Specific element** को **Find out** करेंगे।

**Example:** - एक **Sorted Array** दिया गया है जिसमें से **15 Element** को **Search** करना है

**Array = 3, 10, 15, 20, 35, 40, 60**

**Solution:** -

3	10	15	20	35	40	60
a[0]	a[1]	a[2]	a[3]	a[4]	a[5]	a[6]
↑						↑
<b>Beg</b>						<b>End</b>

**mid = (beg + end)/2**

$$(0 + 6)/2 = 3$$

- (1) अतः **mid a[3]** Element को **point** करेगा। अब यह **Check** करेंगे कि **a[3]** पर जो **element** है वह **15** से छोटा है या बड़ा

- (i) यदि **a[3]** पर जो **Element** है वह **15** से छोटा है तो **15** के **right** वाले **array** में **search** करेंगे।
- (ii) यदि **a[3]** पर जो **element** है वह **15** से बड़ा है तो **15** के **Left** वाले **Array** में **Search** करेंगे।

- (2) **a[3]** पर **20** है जो **15** से बड़ा है अतः **15** को उसके **left** में **search** किया जाएगा इसके लिए **end** में **mid - 1** को **Assign** करेंगे। और पुनः **Begning** और **End** के **Middle Value** को **find** करेंगे।

3	10	15	20	35	40	60
a[0]	a[1]	a[2]	a[3]	a[4]	a[5]	a[6]
↑		↑	↑			
<b>Beg</b>		<b>End</b>	<b>mid</b>			

**mid = (beg + end)/2**

$$(0 + 2)/2 = 1$$

- (3) **a[1]** पर **10** है जो **15** से छोटा है अतः **15** को उसके **Right** में **search** किया जाएगा इसके लिए **Beg** में **mid + 1** को **Assign** करेंगे। और पुनः **Begning** और **End** के **Middle Value** को **find Out** करेंगे।

3	10	15	20	35	40	60
a[0]	a[1]	a[2]	a[3]	a[4]	a[5]	a[6]
	↑	↑				
	<b>Beg</b>	<b>End</b>				

**mid = (beg + end)/2**

$$(1 + 2)/2 = 2$$

- (4) **Begning** और **end** दोनों **a[2]** को **point** करेंगे अतः अब **check** करेंगे कि **15 a[2]** पर तो नहीं है **array** देखने से पता चलता है कि **a[2] position** पर **15** है। इस प्रकार **Binary Search Perform** किया जाएगा।

**Algorithm for Binary Search**

**Begin**

**set beg = 0**

```
set end = n - 1
set mid = (beg+end)/2
while ( (beg ≤ end) and (a[mid] # item) ) do
  if (item < a [mid]) then
    set end = mid-1
  else
    set beg = mid + 1
  endif
  set mid = (beg + end) / 2
endwhile
if ( beg > end) then
  set loc = -1
else
  set loc = mid
endif
End.
```

SMRS



## UNIT - V

**Hash Table:-** Memory में कुछ Data को Store करने के लिए बहुत से Program की आवश्यकता होती हैं। Data Structure को कई प्रकार के Operations Perform करने के लिए बनाया गया है। जैसे Array, Linked List, Binary Search Tree आदि के अर्न्तगत किसी भी Element को आसानी से Add या Delete किया जाता है। एक Hash Table उन Target को Include कर सकते हैं जिनके पास Key और Value है तथा जो Objects को भी Include करते हैं। इसमें Hash Table का एक Array बनाया जाता है जो कि Hashing Function होता है। Hash Function एक Argument के रूप में Key लेता है और Table के Array की Range में कुछ Index की Calculation करता है।

जब हम Hash Table में एक element को Include करना चाहते हैं तो सबसे पहले इसकी Hash Value की Calculation की जाती है। हम Array में Location को तब तक Findout करते हैं जब तक इसका index hash value के बराबर नहीं हो जाता और वहां Item Insert कर दिया जाता है। यदि Location Table में पहले से ही use में आ रही है तो पास वाली Free Location को Check करते हैं। इस प्रकार की hashing simple hashing कहलाती है।

जब Array में एक Element को प्रदर्शित करना चाहते हैं। तब सबसे पहले Hash value की गणना की जाती है और तब Location पर Table की Checking Start होती है जिनकी Index इस hash value के बराबर होती है।

यदि Hash Table से element को Delete करना चाहते हैं तो सबसे पहले उस Element की Location को Find out किया जाता है। जब Element मिल जाता है तो उस पर Mark लगा दिया जाता है कि Location Free हो।

यदि कोई Element "C" को Findout करने की कोशीश करते हैं तो सबसे पहले इसकी Hash Value की Calculation की जाती है। फिर इस Location में जाकर देखते हैं यह Location 2 है। जब C मिल जाता है तो इसकी Hash Value की calculation करते हैं। यदि किसी Element को Hash Table से हटाया गया हो तो उसके स्थान पर एक Mark लगा देते हैं। जैसे निम्न चित्र में B को हटाया गया है तो उसे निम्न प्रकार प्रदर्शित किया जाता है।

		a	*	c	
--	--	---	---	---	--

Hash Table पर Operations को Find तथा View किया जा सकता है। यह दो Factor का Function है।

Hash Table की complexity (वास्तव में इस Cell में कितने Percent Element को Include किया गया है) Example: - Hash Function हमेशा किसी भी Element के लिए Return होगा तो यह देखा जाता है कि एक Link Lised की तरह Hash Table के कार्य से मिला है जो Operation को ढूढने में ज्यादा Important नहीं है। Key को Use में लेने का General Item यह है कि किसी भी Record के Address को Store कर लिया जाये। लेकिन इसी Modify किया जाना चाहिये ताकि ज्यादा Memory Waste न हो इस Modification के लिये एक Function H को K Set of Keys पर Define किया जाता है। यह Function निम्न प्रकार है।

$H : K \rightarrow L$

इस Function को Hash Function कहा जाता है हो सकता है कि दो Keys K1 तथा K2 दोनो Same Hash Address को Point करती हैं। इस प्रकार की Condition को Collision कहलाती है और इस Collision को दूर करने के लिए कुछ Methods को Use लिया जाता है। Hashing को 2 Parts में Divide करते हैं।

- (1) Hash Function
- (2) Collision Resolution

(1) **Hash Function:** - Hash Function को Select करने के लिए 2 principles को Use में लिया जाता है। एक Function H बहुत Easy तथा Quick Computation को Perform करता है। Hash Function Hash Addresses को Uniformly distribute करता है। जिससे कम से कम Collision Occur होते हैं।

(2) **Collision Resolution:** - माना कि हम एक नये Record R को Key K के साथ File F में Add करना चाहते हैं लेकिन Memory Location जहां पर नये Record को Add करना है वह



## GRAPHS

**Graph** भी एक **Non-Linear Data Structure** है। इस अध्याय में हम **Graph** के साथ किए जा सकने वाले सभी **Operations** के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

एक **G Graph Vertices (Nodes)** के **Set V** और **Edges** के **Set E**, से निर्मित होता है। इसे हम इस प्रकार भी कह सकते हैं कि **Vertices (Nodes)** का **Set V** और **edges** का **Set E** मिलकर एक **Graph** बनाते हैं। हम **Graph = (V,E)** लिखते हैं। **V, Nodes** का एक सीमित और भरा हुआ **Set** है और **E, Nodes** के जोड़ों का **Set** है, ये जोड़े ही **Edges** कहलाते हैं।

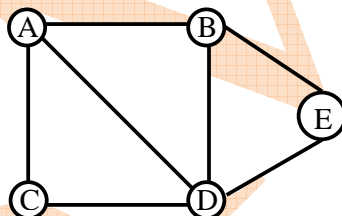
### Graph को परिभाषित करना

**V(G)** को **Graph** की **Nodes** पढ़ा जाता है और **E(G)** को **Graph** की **Edge** पढ़ा जाता है।

एक **Edge E=(V,W)** दो **Nodes, V** और **W** का एक जोड़ा है। जहां **V** और **W** **Incident** है।

इन दोनों **Sets** को समझने के लिए निचं चित्र में दर्शाए **Graph** का अध्ययन करें।

इस चित्र में एक साधारण या दिशाहीन **Graph** को दर्शाया गया है, जिसके **Nodes** को क्रमशः **A, B, C, D** और **E** नाम दिया गया है इसलिए –



$V(G) = (A, B, C, D, E)$

$E(G) = \{(A,B), (B,D), (D,C), (C,A), (A,D), (B,E), (D,E)\}$

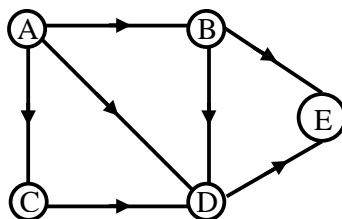
आप देख सकते हैं कि एक **Edge A** और **B** को जोड़ती है और हमने इसे **(A,B)** लिखा है, इसे **(B,A)** भी लिख जा सकता था। यही बात बाकी सभी **Edges** पर भी लागू होती है। इसीलिए हम कह सकते हैं कि चूंकि **Graph** में **Nodes** को क्रम नहीं दिया गया है, यह एक दिशाहीन ग्राफ के लिये सही है।

एक दिशाहीन **Graph** में **Nodes** को जोड़ा एक बिना क्रम की **Edge** को प्रस्तुत करता है। इसीलिए **(V,W)** और **(W,V)** दोनों एक ही **Edge** को प्रस्तुत करते हैं।

एक दिशा वाले **Graph** में प्रत्येक **Edge, Nodes** का एक क्रमिक जोड़ा होता है, अर्थात् प्रत्येक **edge** एक दिशा वाले जोड़े से प्रस्तुत होती है।

यदि  $E = (V,W)$  तो **Edge, V** से प्रारम्भ होगी और **W** पर समाप्त हो रही है। यहां **V** को **Tail** अथवा **Initial Vertex** तथा **W** को **Head** अथवा **Final Node Vertex** कहा जाएगा। अतः **(V,W)** और **(W,V)** दो भिन्न **Edges** को प्रदर्शित करेंगी।

एक दिशा वाला अथवा निर्दिष्ट **Graph** निम्नांकित चित्र में दर्शाया गया है –



उपरोक्त चित्र में दर्शाए गए Graph के लिए –

$V(G) = (A,B,C,D,E)$

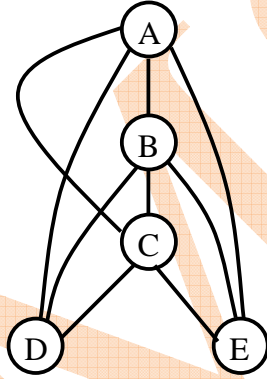
$E(G) = \{(A,B), (A,C), (A,D), (C,D), (B,E), (B,D), (D,E)\}$

आधारभूत परिभाषिक शब्दावली

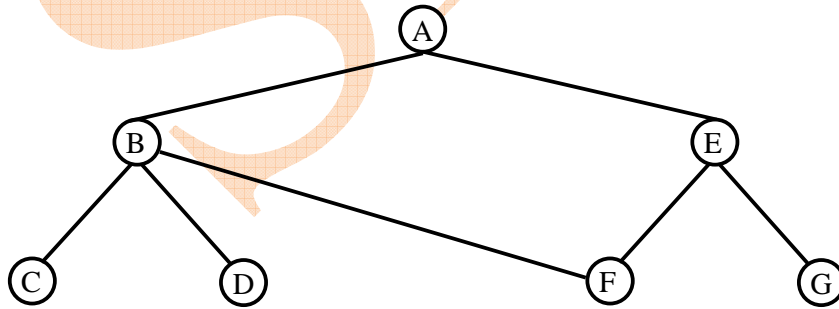
(Graph Terminology)

दिशाहीन और निर्दिष्ट Graph हम पहले ही बता चुके हैं, कुछ Graphs निम्नलिखित हैं –

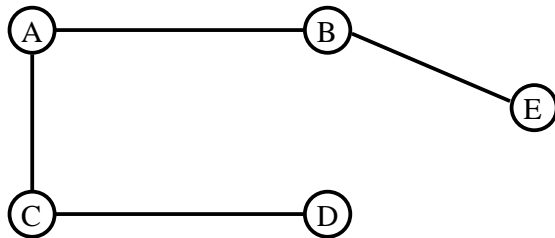
एक Graph G, पूर्ण Graph कहा जाएगा, यदि Graph की प्रत्येक Node Graph की प्रत्येक दूसरी Node से जुड़ी हो। एक पूर्ण Graph जिसमें n Vertices हैं उसमें,  $n(n-1)/2$  Edges होंगी। एक पूर्ण Graph को निम्नांकित चित्र में दर्शाया गया है –



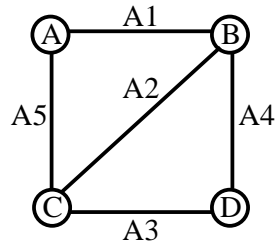
एक ट्री, जिसमें cycle बनी हो, उसे Graph कहते हैं। इसे इस प्रकार भी कह सकते हैं कि यदि एक tree की किसी Node को दो प्रकार से accesses किया जा सकता है, यह tree नहीं बल्कि Graph होता है। ऐसा ही एक Graph निम्नांकित चित्र में दर्शाया गया है –



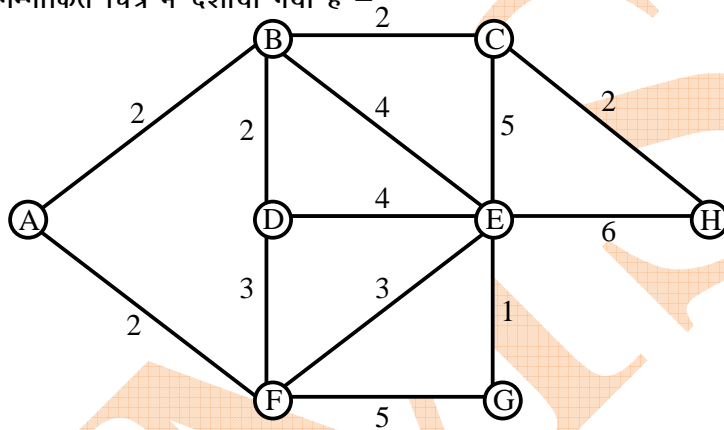
एक जुड़ा हुआ Graph जिसमें cycle न हो, उसे Tree Graph अथवा Free Tree अथवा साधारण Tree कहा जाता है। ऐसा ही एक Graph निम्नांकित चित्र में दर्शाया गया है –



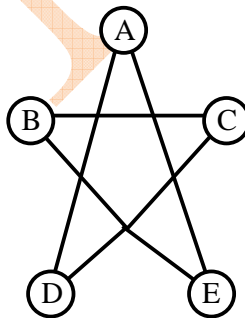
एक **Graph** जिसकी **Edges** पर **Data** लिखा होता है, **Labeled Graph** कहलाता है। ऐसा ही एक **Graph** निम्नांकित चित्र में दर्शाया गया है –



एक **Graph** जिसकी **Edges** पर धनात्मक अंक लिखे होते हैं, उन्हें **Weighted Graphs** कहते हैं। ऐसा ही एक **Graph** निम्नांकित चित्र में दर्शाया गया है –

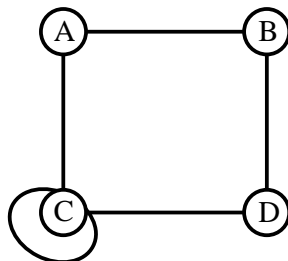


वह **Graph** जिसके हर **Node** की **Degree** समान होती है, **Regular Graph** कहलाते हैं। ऐसा ही एक **Graph** निम्नांकित चित्र में दर्शाया गया है –



वे **Edges** जिनका **Initial** और **End Point** समान होता है, उन्हें **Parallel Edges** कहते हैं तथा वह **Edge** जिसका **Initial** और **End Point** एक ही होता है, उसे **Self Loop** कहते हैं।

ऐसा **Graph**, जिसमें न तो **Self Loop** हो या फिर **Parallel Edge** हो अथवा दोनों ही हों, **Multigraph** कहलाता है।

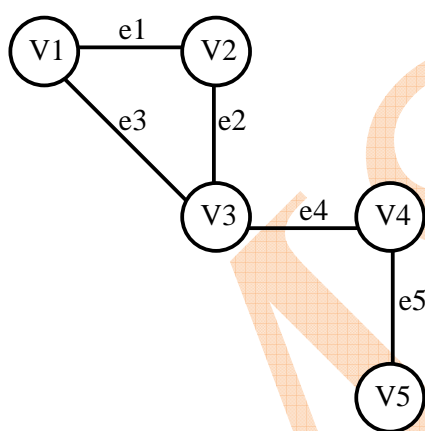


ऐसा **Graph**, जिसमें न तो **Self Loop** हो और ना ही **Parallel Edge** हो, **Single Graph** कहलाता है। इसे इस प्रकार भी कहा जा सकता है कि कोई **Graph**, जो कि **Multigraph** नहीं है, **Single Graph** कहलाता है।

ऐसी **Vertex**, जो किसी अन्य **Vertex** के **Contact** में नहीं होती, वह **Isolated Vertex** कहलाती है। ऐसा **Graph** जिसमें, **Isolated Vertex** होती है, उसे **NULL Graph** कहते हैं। ऐसा ही एक **Graph** निम्नांकित चित्र में दर्शाया गया है –

### Adjacent Vertices (Neighbours)

निम्नांकित चित्र में **vertex V1**, **vertex V2** के **adjacent** कहलाएगी, यदि एक **edge (V1, V2)** अथवा **(V2, V1)** है –



यहां **V1** और **V2** **adjacent** हैं, **V1** और **V3** **adjacent** हैं, **V2** और **V3** **adjacent** हैं, **V3** और **V4** **adjacent** हैं तथा **V4** और **V5** **adjacent** हैं क्योंकि ये सभी **vertices** किसी न किसी **edge** के द्वारा आपस में जुड़े हुए हैं। प्रत्येक **Vertex** को उससे सम्बद्ध **edges** के आधार पर डिग्री (**Degree**) प्रदान की जाती है। यहाँ पर **V1 Vertex**, दो **Vertices V2** और **V3** से जुड़ा हुआ है, अतः **V1** की डिग्री 2 होगी।

इसी प्रकार **Vertex V2** की डिग्री = 2

**Vertex V3** की डिग्री = 3

**Vertex V4** की डिग्री = 2

**Vertex V5** की डिग्री = 1

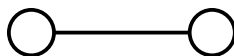
वह **Vertex** जिसकी डिग्री केवल 1 होती है, उसे **Pendant Vertex** कहा जाता है।

वह **Vertex** जिसकी डिग्री शून्य (0) है, उसे **Isolated Vertex** कहा जाता है। पिछे दिए गए चित्र में इसी प्रकार की **Vertex** को दर्शाया गया है।

**Path: - closed path** वह **Path** है जहां **Path** के **End Points Same** हो

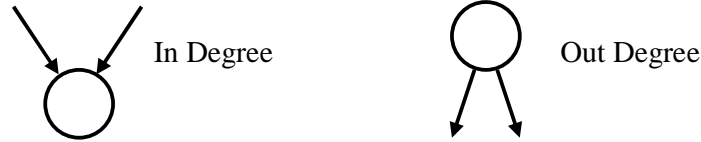
वह **Path Simple Path** कहलाते हैं यदि सारे **Vertices** एक **Sequence** में हो और सभी अलग-अलग हो।

**Connected Graph: -** एक **Graph G Connected** कहलाता है यदि 2 **Vertices** के बीच में एक **Path** हो



**Multigraph: -** एक **Graph** जिसकी **Multiple Edges** होती हैं। उन्हें **Multigraph** कहा जाता है।

**Out Degree & In Degree of vertex: -** एक **Vertex** से जितनी **Edges** बाहर की तरफ निकलती हैं। उन्हें **Vertex** की **Outdegree** कहा जाता है। एक **Vertex** पर जितनी **Edges** आकर खत्म होती हैं। उन्हें **Vertex** की **In Degree** कहा जाता है।



**Source & Sink:** - एक Vertex Source कहलाता है जब उसकी Outdegree Greater than 0 हो तथा In degree = 0 हो।

एक Vertex Sink कहलाता है। जब उस Vertex की In Degree Greater than 0 और Out degree = 0 हो।

**Parallel Edges:** - अलग-अलग Edges E तथा E- Parallel Edges कहलाएंगे यदि वे same source तथा Terminal Vertices से Connected हो।

**Direct Acyclic Graph:** - Directed Acyclic Graph एक Directed Graph है जिसमें Cycles नहीं बनती हैं।

### Incedency

एक Edge जिन Vertices को जोड़ती है वे Vertices उस Edge की Incident होती है।

Edge e1 की incident – Vertices V1 और V2

Edge e2 की incident – Vertices V2 और V3

Edge e3 की incident – Vertices V1 और V3

Edge e4 की incident – Vertices V3 और V4

Edge e5 की incident – Vertices V4 और V5

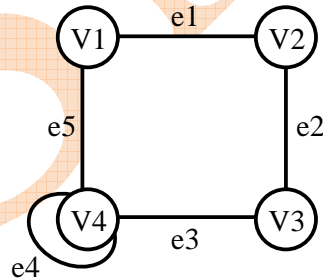
### Representation of Graph in Memory

Graph को Memory में Representation करने के निम्नलिखित तरीके हैं –

- (i) Adjacency Matrix
- (ii) Incedency Matrix
- (iii) Adjacency List Representation
- (iv) Multilist Representation

### Adjacency Matrix

इस प्रकार के Representation में vertex का दूसरी vertex से सम्बन्ध (Relation) को एक Matrix के द्वारा प्रस्तुत करते हैं। निम्नांकित चित्र में दर्शाए गए Graph का Adjacency Matrix Representation चित्र के नीचे दर्शाया गया है –



	V1	V2	V3	V4
V1	0	1	0	1
V2	1	0	1	0
V3	0	1	0	1
V4	1	0	1	1

यहां हमने उन **vertices** के नीचे **1** लिखा है, जो सामने लिखी **vertex** की **adjacent** हैं। शेष के नीचे **0** लिखा है। जैसे **V1, V2** और **V4** की **adjacent** है इसलिए हमने **V2** और **V4** के नीचे **1** लिखा है और **V1** और **V3** के लिये **0** लिखा है।

### Incidency Matrix

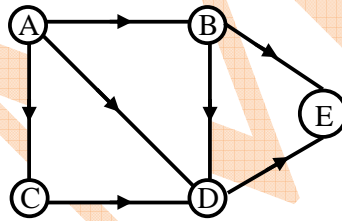
इस प्रकार के प्रस्तुतीकरण में **Vertex** का विभिन्न **Edges** से **Relation** को एक **Matrix** के द्वारा प्रस्तुत करते हैं। निम्न चित्र में दर्शाए गए **Graph** का **Incidency Matrix Representation** को नीचे दर्शाया गया है –

	e1	e2	e3	e4
V1	1	0	0	1
V2	1	1	0	0
V3	0	1	1	0
V4	0	0	1	1

यहां हमने उन **Vertices** को आगे **1** लिखा है, जो उपर दी गई **Edge** के **Incident** है – जैसे **V1, e1** और **e5** की **Incident** है, इसलिए **e1** और **35** के नीचे **1** लिखा गया है और **e2, e3** और **e4** के नीचे **0** लिखा है।

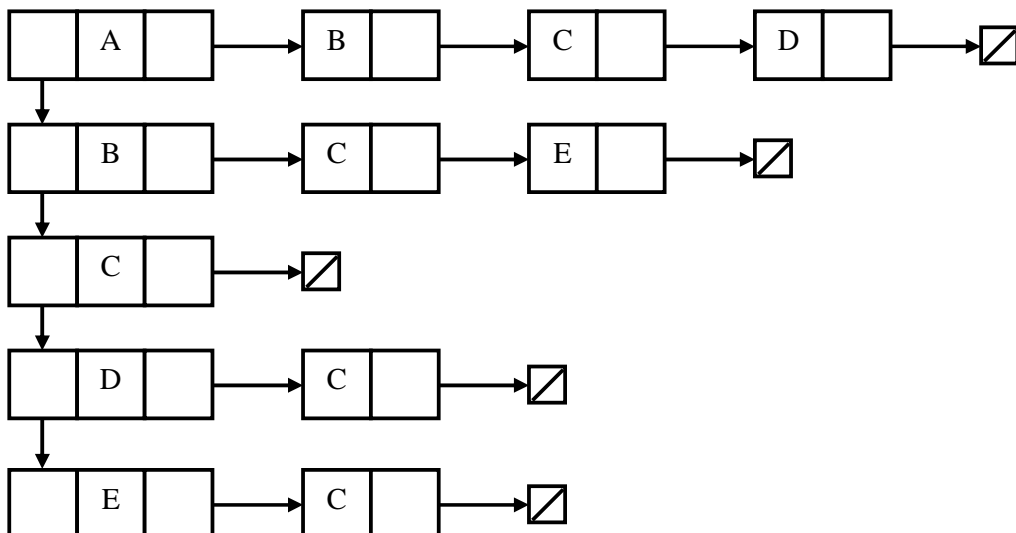
### Adjacency List Representation

निम्न चित्र में दर्शाए गए **Graph** के लिए हम **Adjacency List** प्रस्तुतीकरण करेंगे। इसके लिए सर्वप्रथम एक **Table** बनाएंगे, जिसमें प्रत्येक **Node** की **Adjacent Node**, उसके सामने लिखी हो –



A	B	C	D
B	C	E	
C			
D	C		
E	C		

अब इस **Table** को निम्न रूप में **List** में परिवर्तित करेंगे –

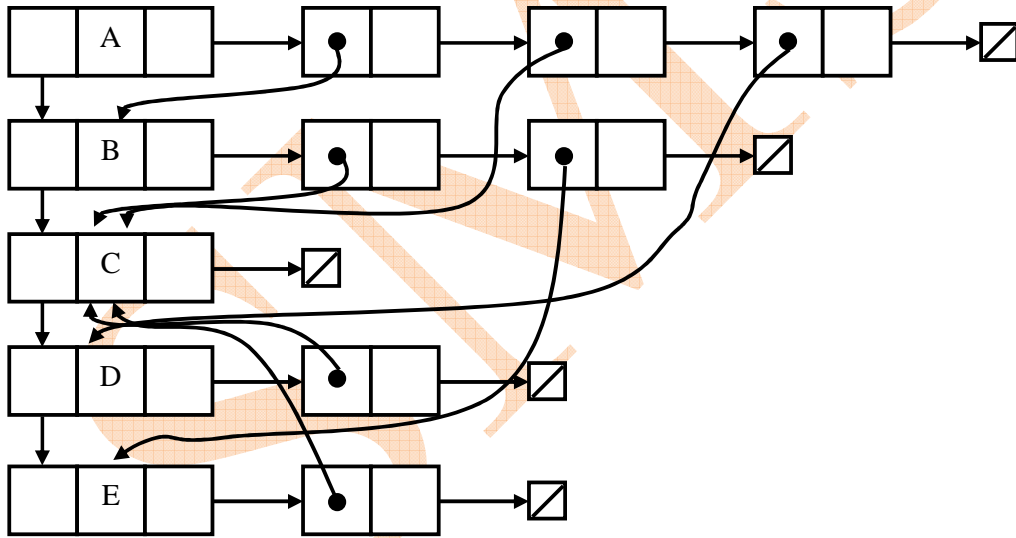




यहां पर जिस Node की adjacent Node बताई गई है, उसमें दो Pointer प्रयुक्त किए हैं, पहला Pointer तो अगली Node को दर्शा रहा है और दूसरा Pointer Adjacent Node को।

### Multilist Representation

इस प्रकार के Representation में हम List के द्वारा ही Graph को प्रस्तुत करते हैं, परन्तु Adjacent Node में उनकी सूचना नहीं बल्कि उनके Pointer को रखा जाता है।



### Graph Traversal

**Graph Traversal** का अर्थ है – Graph की प्रत्येक Node को Visit करना। एक Graph की Vertices को Visit करने के अनेक तरीके हो सकते हैं। जो दो तरीके हम आपको यहां बताने जा रहे हैं, वो बहुत ही प्रचुर मात्रा में प्रयोग किए जाते हैं और ये तरीके Traversal के अत्यन्त सरल तरीके सिद्ध हुए हैं। ये तरीके निम्नलिखित हैं—

- (1) Breadth First Search (BFS)
- (2) Depth First Search (DFS)

### Breadth First Search (BFS)

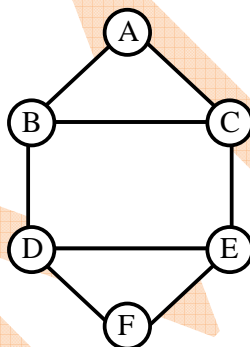
जैसा कि नाम से प्रतीत होता है कि इस तरीके में Nodes को चौड़ाई से Visit करना है। BFS में पहले हम Start Vertex की समस्त Vertices को Visit करते हैं और फिर इनकी सभी Unvisited Vertices को Visit करते हैं।

इसी प्रकार आगे तक समस्त Vertices को Visit किया जाता है। BFS के लिए निम्नलिखित Algorithm को ध्यान में रखते हैं –

status 1 = ready  
status 2 = waiting  
status 3 = process

- Step 1- Graph की सभी Nodes को visit के लिए तैयार रखें। (Status1)  
Step 2- Start Vertex A को Queue में डालकर इसका Status Waiting करें। (Status 2)  
Step 3- Step 4 से Step 5 तक दोहराये जब तक Queue खाली न हो जाए।  
Step 4- Queue की पहली Node n को Queue से Remove करके n को Process कर दें। (Status 3)  
Step 5- Queue के अन्त में n के सभी Adjacent Vertices जो कि ready – state में है, को डाल दें। (Status 1)  
Step 6- Step 3 का लूप खत्म हुआ।  
Step 7- Exit

इस पूरे Process को समझने के लिए नीचे दिए गए उदाहरण का अध्ययन करें –



इस चित्र के लिए पहले Adjacent Table बना लेते हैं –

A	B	C	
B	A	C	D
C	A	B	E
D	B	E	F
E	C	D	F
F	D	E	

अब हम किसी भी Vertex को Start Vertex बनाकर कार्य शुरू कर सकते हैं। इस उदाहरण में हमने B को Start Vertex माना है। अब हमें इसे Queue में डालना है।

Queue	B
Origin	0

इस Queue के दो भाग है – पहला भाग तो साधारण queue है जिसमें हम Vertex की Adjacent Vertices डालेंगे, जबकि दूसरे भाग में यह Entry की गई है कि वे किसकी Adjacent Vertices हैं। जो-जो Vertices, visit हो जाए उन्हें Queue के नीचे लिख लें। अब हमें B की समस्त Adjacent Vertices को Queue में डालना है –

Queue	A	C	D
-------	---	---	---

Origin	B	B	B
--------	---	---	---

B A C D

अब इन Vertices की Unvisited Adjacent Vertices को Visit करना है। जैसा कि हम देख सकते हैं कि A की समस्त Adjacent Vertices Visit हो चुकी हैं, इसलिए अब हम C की बची Adjacent Vertices को Queue में डालेंगे।

Queue	D	E
Origin	B	C

B A C D E

अब हमें D की बची Adjacent Vertices को भी Queue में डालना है –

Queue	E	F
Origin	B	D

B A C D E F

अब जैसा कि हम देख सकते हैं कि Graph की समस्त Nodes Visit हो चुकी हैं। अतः Graph का traversal सम्पन्न हो चुका है और Queue के नीचे लिखी List ही दिए गए Graph का BFS है।

एक Graph BFS भिन्न हो सकता है चूँकि यह Start Vertex पर निर्भर करता है।

### Depth First Search (DFS)

इसके नाम से ही प्रतीत हो रहा है कि यह तरीका Graph को गहराई से Visit करता है। DFS में हम सबसे पहले Start Vertex को Stack के द्वारा Visit करते हैं, फिर इसकी समस्त Adjacent Vertices को Stack में डालकर, Stack के Top पर स्थित क्रिया तब तक दोहराते हैं जब तक कि Stack खाली न हो जाए। DFS करने के लिए अग्रलिखित Algorithm को ध्यान में रखते हैं –

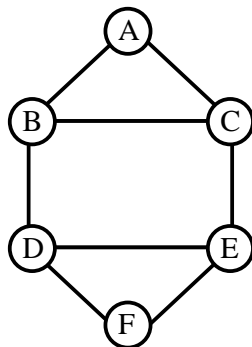
status 1 = ready

status 2 = waiting

status 3 = process

- Step 1- Graph की सभी Nodes को visit के लिए तैयार रखें। (Status 1)
- Step 2- start vertex को stack में डालकर इसका status Waiting कर दें। (Status 2)
- Step 3- Step 3 से 5 तक तब तक दोहराएं जब तक कि Stack खाली न हो जाए।
- Step 4- Stack के Top में से Node को निकालकर उसे Process करें। (Status 3)
- Step 5- n की Adjacent Vertices को Stack में डालकर उनका Status 1 से 2 करें।
- Step 6- Step 3 का Loop खत्म हुआ।
- Step 7- Exit

इस पूरे process को समझने के लिए नीचे दिए गए उदाहरण का अध्ययन करें –



इस चित्र के लिए पहले **Adjacent Table** बना लेते हैं –

A	B	C	
B	A	C	D
C	A	B	E
D	B	E	F
E	D	C	F
F	D	E	

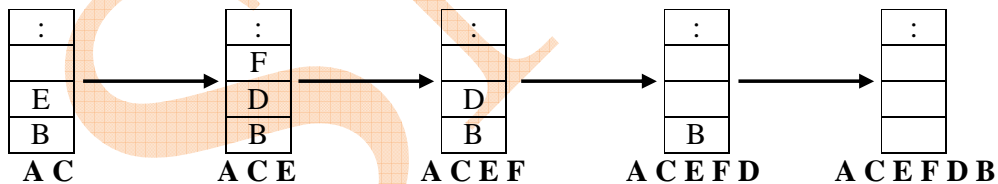
अब **Start Vertex** को **Stack** में डाल दें –



अब सबसे पहले **Visited Node** को **stack** के नीचे लिख लें। **Visited Node** की समस्त **Adjacent Nodes** को **Stack** में डाल दें –



अब पुनः **Top of the Stack** को **stack** से बाहर निकालकर इसकी **Adjacent** को **Stack** में डाल दें और इसी प्रकार तक आगे करते रहिए जब तक **stack** खाली ना हो जाए।



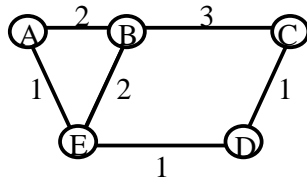
अब जैसा कि हम देख सकते हैं कि **stack** पूरा खाली हो चुका है अतः **DFS** सम्पन्न हो चुका है। खाली **Stack** के नीचे **list** ही **Graph** का **DFS** है।

एक **Graph DFS** भी भिन्न हो सकता है चूँकि यह भी **Start Vertex** पर निर्भर करता है।

### Shortest Path Problem

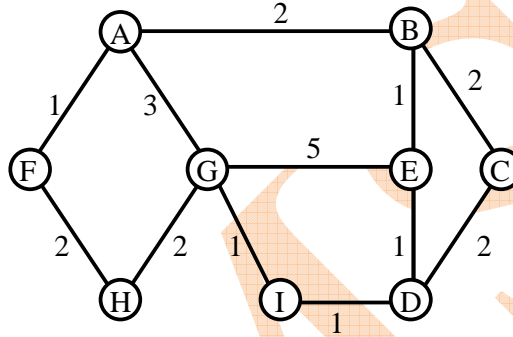
हमने **Graph** को **Traverse** करते समय देखा कि हम **Graph** को **Graph** की **Edges** के द्वारा **travel** करते ही किसी – किसी **case** में ऐसा भी हो सकता है कि इन **Edges** पर कुछ **Weight** दिया गया है।

यह **Weight** की दूरियों के उपर असर डाल सकता है।



निम्न चित्र में दर्शाए गए Graph का अध्ययन करें। हम Graph की प्रत्येक Node से Graph की दूसरी प्रत्येक Node पर जा सकते हैं। माना हमें A Node से C Node पर जाना है तो हमारे पास दो रास्ते हैं –  $A \rightarrow B \rightarrow C$  या  $A \rightarrow E \rightarrow D \rightarrow C$ । देखने में तो दूसरा रास्ता लम्बा लगता है, परन्तु यदि हम edge पर लिखे Weight से गणना करें तो दूसरे रास्ते को चुनेंगे। इस प्रकार हम सदैव एक छोटे-छोटे Path को ही चुनेंगे।

यहाँ पर हमें Graph को दाहरा लेना चाहिए। Graph में Path, Vertices का एक क्रम है, जिस प्रकार वे Edge में हैं। Path की लम्बाई उसकी Edge पर लिखे Weight के जोड़ के बराबर होती है। Path की पहली Vertex, Path की Source Vertex तथा अन्तिम Vertex, Path की Destination Vertex कहलाती हैं।



अब हम उपरोक्त चित्र में दर्शाए Graph के लिए Shortest Path निकालेंगे।

यहाँ पर हम देख सकते हैं A से D तक जाने के अनेक रास्ते हैं –

पहले Path की लम्बाई  $A \rightarrow B \rightarrow C \rightarrow D \Rightarrow 2 + 2 + 2 = 6$

दूसरे Path की लम्बाई  $A \rightarrow G \rightarrow I \rightarrow D \Rightarrow 3 + 1 + 1 = 5$

तीसरे Path की लम्बाई  $A \rightarrow B \rightarrow E \rightarrow D \Rightarrow 2 + 1 + 1 = 4$

हम देख सकते हैं कि  $A \rightarrow B \rightarrow E \rightarrow D$  Path की कीमत (cost) सबसे कम है, इसलिए हम इसी रास्ते को अपनाएंगे।

किसी भी Graph में Shortest Path को खोजने के लिए प्रयोग किए जाने वाला तरीका Dijkstra का Method कहलाता है। इस तरीके को प्रयोग करने के लिए निम्नलिखित Algorithms को ध्यान में रखते हैं –

status 1 = ready state

status 2 = coloured state

- Step 1- Graph की सभी Nodes को ready state में initialize करा दें। (Status 1)
- Step 2- Starting Vertex का Status बदल दें। (Status 2)
- Step 3- Loop 4 को तब तक दोहराएँ जब तक कि सभी Nodes Coloured Status में नहीं परिवर्तित कर दें।
- Step 4- n की Adjacent Node, जिसका सबसे कम Weight हो, का Status बदलकर Coloured Status कर दें।
- Step 5- Step 2 का Loop खत्म हुआ।
- Step 6- Exit

इसे अब उदाहरण की सहायता से समझेंगे।

	A	B	C	D	E	F	G	H	I
{	2	$\infty$	$\infty$	$\infty$	1	3	3	$\infty$	$\infty$

हम यहाँ देख सकते हैं कि सबसे कम Weight वाली Unvisited Edge AB है, इसलिए हम इसकी Unvisited Incident Vertices को पुरानी शर्तों के अनुसार ही Table में जोड़ देंगे।

	A	B	C	D	E	F	G	H	I
{	2	4	$\infty$	3	1	3	3	$\infty$	

हम यहाँ देख सकते हैं कि सबसे कम Weight वाली Unvisited Edges AE, AG और AH हैं। इन तीनों में से किसी भी Edge को पहले चुना जा सकता है। यहाँ हम AE ले रहे हैं और इसकी Unvisited Incident Vertices को पुरानी शर्तों के अनुसार Table में जोड़ लेंगे।

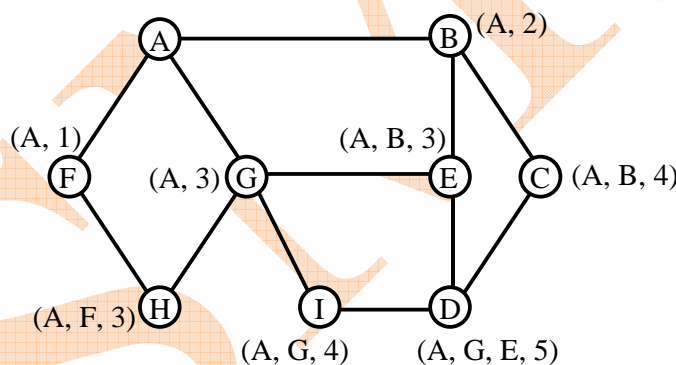
	A	B	C	D	E	F	G	H	I
{	2	4	4	3	1	3	3	$\infty$	

अब हम AG की सारी unvisited incident vertices को पुरानी शर्तों के अनुसार लिस्ट में जोड़ देंगे।

	A	B	C	D	E	F	G	H	I
{	2	4	4	3	1	3	3	4	

अतः हम देख सकते हैं यदि A को I पर पहुँचाना है, तो उसकी कीमत (Cost) केवल 4 है। A से अन्य Nodes पर पहुँचने के लिए Path निम्नलिखित हैं –

A → B	⇒ 2
A → B → G	⇒ 4
A → F	⇒ 1
A → G	⇒ 3
A → F → H	⇒ 3
A → G → I	⇒ 4
A → G → E → D	⇒ 4
A → B → E	⇒ 3



यहाँ पर प्रत्येक Node उस पर A Node से पहुँचने का रास्ता (Path) व कीमत (Cost) बता रही है।

### Minimal Spanning Tree

**Spanning Tree** वह **Tree** है, जो कि एक **Graph** द्वारा बनाया जाता है और एक **Minimal Spanning Tree**, वह **Spanning Tree** जिसकी **Edges** की कीमत (Cost) सबसे कम है।

जिस **Graph (G)** से **Spanning Tree** का निर्माण किया जा रहा है, उसका **Connected** होना आवश्यक है। यदि **Graph Connected** नहीं है, तो उससे **Spanning Tree** का निर्माण नहीं किया जा सकता क्योंकि **Unconnected Graph** एक **Tree** कहलाता है।

यदि कोई **Tree (T)** जो कि किसी **Connected Graph** का **Spanning Tree** है, तो –

- (1) **Graph (G)** की प्रत्येक **Vertex (T)** की **Edge** को **Belong** करेगी, और
- (2) **Tree (T)** में **Graph (G)** की **Edges** ही **Tree** बनाएँ।

हम किसी **Graph** को **Minimal Spanning Tree** में निम्नलिखित दो **Methods** से परिवर्तित कर सकते हैं –

- (1) **Krushkal's Method**

## (2) Prim's Method

Kruskal's Method

**J. Kruskal** का सन् 1957 में प्रतिपादित यह **Method, Minimal Cost Spanning Tree** बनाने का बहुत ही जाना माना तरीका है। यह **Method Graph** की **Edges** की एक **List** पर कार्य करता है।

यहां पर **Input** एक **Connected Weight Graph G** है, जिसमें **n Vertices** हैं।

**Step 1-** Graph की **Edges** को बढ़ते क्रम में व्यवस्थित कर लें।

**Step 2-** Graph **G** की **Vertices** से शुरू होकर बारी – बारी से **Process** करें और प्रत्येक **Edge** को जोड़ें जो एक **Cycle** नहीं बनाती अथवा जब तक **n-1 Edges** नहीं जुड़ जाती।

**Step 3-** **Exit**

यह तरीका तब तक तो लाभदायक है जब तक कि **Graph** छोटा है क्योंकि इस प्रकार से **Tree** बनाने में शुरू में **Nodes Unconnected** रहती हैं।

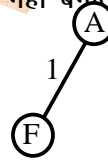
इसे अब उदाहरण की सहायता से समझेंगे।

**Step 1-** Graph की **Edges** को बढ़ते क्रम में व्यवस्थित कर लें।

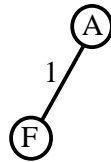
AF	1
BE	1
ED	1
ID	1
GI	1
AB	2
BC	2
CD	2
HG	2
FH	2
AG	3
GE	5

अब पहली **Edge** से शुरू करते हुए **Tree** को तब तक बनाएँ, जब तक कि **n-1** अर्थात् **(9-1=8) Edges** नहीं हो जाती तथा उन्हीं **Edges** को जोड़ेंगे जो कि **Cycle** नहीं बनाती हैं।

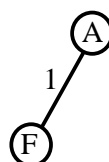
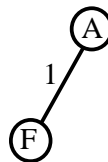
(1) हम **Tree** का निर्माण किसी भी **1 Weight** वाली **Edge** से प्रारम्भ कर सकते हैं। यहां पर हमने **AF Edge** से यह निर्माण प्रारम्भ किया है।



(2) यहां पर **Tree** में एक अन्य **1 Weight** वाली **Edge BE** को जोड़ लिया है।



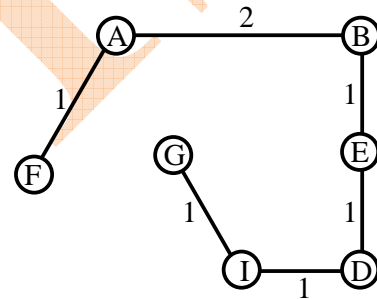
(3) यहां पर **Tree** में एक अन्य **1 Weight** वाली **Edge ED** को जोड़ लिया है।



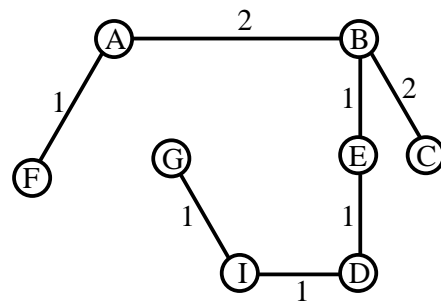
(4) यहां पर **Tree** में एक अन्य **1 Weight** वाली **Edge D1** को जोड़ लिया है।

(5) यहां पर **tree** में एक अन्य **1 Weight** वाली **Edge IG** को जोड़ लिया है।

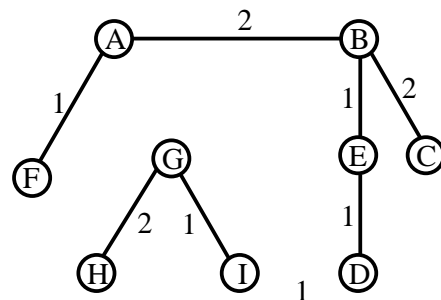
(6) यहां पर **Tree** में एक **2 Weight** वाली **Edge AB** को जोड़ लिया है, क्योंकि **1 Weight** वाली सभी **Nodes Visit** हो चुकी हैं।



(7) यहां पर **Tree** में एक अन्य **2 Weight** वाली **Edge BC** को जोड़ लिया है।



(8) यहाँ चूँकि **CD** एक **cycle** बना रही है इसलिये हम इसे नहीं जोड़ेंगे।



(9) यहां पर **tree** में एक अन्य **2 Weight** वाली **Edge GH** को जोड़ लिया है।



जैसा कि हम देख सकते हैं कि  $n-1$  (8) Edges जुड़ चुकी है। इस Tree की कीमत (cost) =  $1+2+2+1+1+1+1+2=11$  हैं।

### Prim's Method

Prim का Method भी connected graph को Spanning Tree में परिवर्तन करने के लिए प्रयोग होता है।

- Step 1- इसमें एक टेबल साथ – ही – साथ प्रयोग की जाती है, जिसमें प्रत्येक Vertex की Adjacent Vertices उनके Weight के साथ लिखी जाती हैं।
- Step 2- Step 3 को तब तक दोहराएं जब तक कि  $n-1$  Edges न जुड़ जाएं।
- Step 3- सबसे कम Weight वाली Edge को Tree में जोड़े, परन्तु यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि कोई भी edge cycle ना बनाए।
- Step 4- Step 2 का Loop समाप्त हुआ।
- Step 5- Exit

SNMS